HRA STUAL The Gazette of India

्रपाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORIT

सं0 32]

नई विस्ली, शनिवार, आगस्त 6, 1983 (भाषण 15, 1905)

No. 321

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 6, 1983 (SRAVANA 15, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш--सब्ह 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-11, दिनांक 30 जून 1983

सं० पी०/1180/प्रणा० 1—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड 1 अधिकारी तथा स्थानापन्न उपसचिव श्री आ० पी० कुकरेती को 30 जून, 1983 से अपराह्म से निर्वतन आयु होने पर सरकारी भारो निवृत होने की सहर्ष अनुमक्षि प्रदान की जाती है।

> एस० के० एफ० कुजूर उप-संजिव (प्रमा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 जून 1983

सं० ए० /32014/2/83 प्रगा० 1—संघ लोक सेवा आयोग के० सं० स्टे० से० संवर्ग के चयन ग्रेड वैयिक्सक सहायक श्री वी० के० अहूजा को राष्ट्रपति द्वारा 2-6-83 से 1-9-83 तक अथवा आगामी आदेशों सक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयिक्सक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर पूर्णत; अस्थायी और तदर्थ 1—186 GI/83

आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेष्ठ ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ आधार पर है इसमें उन्हें के० स० स्टे० के ग्रेष्ठ खेमें विलयन का अथवा उक्त ग्रेष्ठ में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

श्री बी० के० अहूजा चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायक, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ख) की लम्बी अवधि की पदोन्नित के जाने में नहीं है। अत: 15-7-83 से 1-9-93 तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर उनकी पदोन्नित अर्थात 1983 के कलेन्डर वर्ष में 120 दिन से अधिक अवधि के लिए कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के ग्रनुमोदन के अधीन हैं।

य० रा० गांधी अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

(14013)

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासिनक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

नंई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1983

सं० एस-22/65-प्रभा०-5 --- निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री एस० एन० सिषल, उपविधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई विल्ली दिनांक 30 जून, 1983 के अपराष्ट्रन से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत हो गये।

दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० ए०-19020/4/83-प्र०-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री आर० के० गुप्ता, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-1969) को दिनांक 11 जुलाई 1983 पूर्वीह न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० **चक्रमती** उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय अ**न्वेषण ब्यू**री

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजेंव पुलिस बल नई दिल्ली 110003, विनांक 18 जुलाई |1983

सं० ओ० दो० 1808/83 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर काशी प्रशाद दारूका को 15 जून 1983 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनस्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर नदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1983

सं० 8वि० आ० 2(33)ए/82--राष्ट्रपति आर्थिक प्रशासनिक सुधार आयोग के सेवानिवृत वरिष्ठ प्रनुसंधान प्रधिकारी श्री बी० एन० सिंह को 5 जुलाई, 1983 के पूर्वाहन से 31 अक्टूबर 1983 तक पुन्नियोजन आधार पर आठवें वित्त आयोग में इ० 1100-1600 के वेतनमान में उपनिदेशक नियुक्त करते हैं।

तरलोक चन्द नन्दा प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

विस्त मेकालय

वार्थिक कार्य विभाग वैंक नोट मुद्राणालय

देवास, दिनोक 15 जुलाई 1983

सं० नस्ती क्रमांक बीं० एम० पी० |सी| 5/83--श्री ख्री० वेंकटरमणी स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (उस्कीणं मुद्रण) तथा तथ्यं तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट को नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 -द० रो०- 40-1200 (समूह "ख" राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 28-3-82 (पूर्वान्ह) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० चार महा प्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद, दिनोक 11 जुलाई 1983

सं० एम-6/3952—इस कार्याता की प्रधिस्चना कमांक एम-12469 दिनांक 17-2-83 है तारतम्य में श्री बी० एल० कर्मा की ६० 650-30-740-35-810- द० रो 35-880-40-1000- द० रो०50-1200 के वेतनमान में सहायक अभियंता (यांत्रिक) के रूप में की गई तदर्थ नियुक्ति को 1-7-83 से 6 माह की और अवधि के लिए अथवा अभियन्ता (यांत्रिक) के पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो पहिले हो, बढ़ाया जाता है।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार कार्यालय, केरल

तिरवनन्तपुरम, दिनोक 11 जुलाई 1983

सं० स्थापना/प्र०/7/982/खण्ड 2/103--इस कामिलय के नीचे बताये अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा एवं लेखा) की प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगते आदेशों तक लेखा अधिकारियों के पद में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करने को महालेखाकार-प्रथम केरल संतुष्ट हुए हैं:-

सर्वश्री/श्रीमती

1. एम० महादेवन

24-6-1983

2. शान्ता मेरी तोमस्

24-6-1983

3. के ब्हरणाकरन नायर प्रोफार्मा 24-6-1983

. सर्वश्री

4. वी० के० वे० लायुवन (स०1)

24-6-1983

5. वी ० सौन्दर राजन्

8-7-1983

एस० गोपालकृष्णन वरिष्ठ उप महालेखाकार

कार्यालय, महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

सं० प्रशासन-एक/ले० अ० प्रमो०/137-महा-लेखाकार, मध्यप्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी-को स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रू० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शीये कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से आगामी आदेश तक पदोन्नत किया है:--

क्रमांक नाम

स्थाई क्रमीक कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक

श्री आर. एस. चित्रांशी 02/301 30-6-83
पूर्वान्ह
(प्राधिकार :- म० ले० प्रथम के आदेश
दिनांक 30-6-83)

बि० के० राय ्रंवरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

वाणिज्य मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 जलाई 1983

सं० 58(213)/79-प्रशा-I—राष्ट्रपति श्री आर० के० भगोत्रा को 27 जलाई, 1981 विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प से कार्यालय में सहायक निदेशक (समूह "क" के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

शिरोमणि शर्मा विकास आयुक्त (हस्तक्षिरूप)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1983

सं० 12 (401)/63-प्रशा०(राज०)--राष्ट्रपति, लनु उच्चोग विकास संगठन के सहायक निदेशक, ग्रेंड -1 (आ० अ०) भी एन० जी० मालपानी को, निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, जब वे लघु उद्योग विकास संगठन, तन्जानिया में वरिष्ठ अर्थशास्त्री के रूप में प्रति नियुक्ति पर थे, दिनांक 31 मई, 1982, (अपराह्न) से देवानिवृत होने की अनुमति देते हैं।

दिनांक 6 जून 1983

सं० ए-19018(141)/74-प्रशा०(राज०) - राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के सहायक निदेशक, ग्रेड-1, (वैद्युत), श्री पी० डी० गुप्ता को दिनांक 11-4-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थाम हैदराबाद में उपनिदेशक (वैद्युत) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति करते हैं।

सं० ए-19018(595)/82-प्रशा (राज.)—राष्ट्रपति, श्री रमेशचन्द्र चोपड़ा को लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में दिनांक 2-4-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (औ० प्र० ए० प्रशि०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 जून 1983

सं० 12(182)/61-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति, निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकता के निदेशक, ग्रेड-1, (रसायन) श्री आर० एन० चक्रवर्ती को दिनांक 25-3-83 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं० 12(690)/71-प्रशा०(राज०) खण्ड-2--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान कलकता के उप निदेशक (निर्यात संवद्धर्त) श्री एन० के० मजूमदार को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 16 अप्रैल, 1983 (पूर्वाह्व) से अगले आदेशों तक उप निदेशक (औ० प्र० एवं० प्र०) के रूप में नियुक्ति करते हैं ।

सं० ए-19018(582)/82-प्रशा० (राज०)-राष्ट्रपति, श्री डी० बी० दत्ता को दिनांक 28-4-83
(पूर्वाह्न्) से अगले आदेशों तक, प्रक्रिया सह उत्पाद विकास
केन्द्र, रांची में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (कांच
मृत्तिका) के रूप में नियुक्ति करते हैं।

सं ए-19018(583)/82-प्रशा (राज)--राष्ट्रपति, श्री रमाशंकर प्रसाद को दिनांक 16-4-83 (पूर्वाहन से अमले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में सहायक निदेशक, प्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) के रूप में नियुक्ति करते हैं।

सी० सी० राय उप निषेशक, (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 7 जुलाई 1983

सं० 6140 बी०/ए० -19012(3-एन० जी० आर०/83-19-बी०-शी० एन० जी० रेडडी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या न्यूनतम वेतनमान 650-30-740-35-810-६० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० में जैसा मामला हो अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16-5-83 के पूर्वाहन से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 6153 बीं०/ए०-19012(4-टी० आर० आर०) 82-19 बी--श्री टी० आर० रवीन्द्रताथ को ड़िलर के रूप में भारतीय भूबेजानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30 740-35-810-- ४० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 र० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10 जून, 1983 के पूर्वाह्न में नियुक्ति किया जा रहा है।

दिनांक 15 जलाई 1983

सं० ए० 19102 (ए० के० पी० एस०)/82-19ए०--श्री अनिल कुमार पी० एस० को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810- द० रो० 35-880-40-1000-- द० रो० 40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-4-1983 के पूर्वीह्न में नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 14 जुलाई 1983

सं ० ए-19011(72)/73-स्था ० ए० -- श्री एव० जी० गोयल, उप खनिज अर्थणास्त्री (सांख्यिकी) को दितांक 24 मई 1983 के पूर्वाहन से आगामी आदेण तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न खनिज अर्थणास्त्री (सांख्यिकी), भारतीय सांख्यिकी सेवा, ग्रेड के प पर नियुक्ति प्रदान की गई हैं।

सं० ए-19011(319)/83-रा० ए०--श्री पी० आर० सरकार, खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) को दिनांक . 24 मई 1983 के अपराहन से आगामी आदेश तक भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकी सेवा ग्रेड 4 के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई हैं। सं० ए---19011 (321) / 83-स्था० ए० --- श्री एम० एन० चारी, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) की दिनांक 17 मई, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न उप खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकी सेवा, ग्रेड 4, के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

दिनांक 16 जुलाई 1983

सं० ए-19011(320)/83-स्था० ए०-श्री के० के० धवन, खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) को दिनांक 24 मई, 1983 के अपराह्म से आगामी आवेश तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकी सेवा, ग्रेड 4, के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

> क्ष० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 13 जुलाई 1983

सं० सी-5975/594--श्री राम सिंह रावत, तकनीकी सहायक, मानचित्र,पुनरुत्पादन (सिले० ग्रेड), को दिनांक 5-5-83 सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा०सि० सेवा ग्रप ''बी'' पद) के पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है और उन्हें नं० 103 (पी०जेड०ओ०) मद्रण वर्ग (मानचित्र प्रकाशन निदेशालय), देहरादून में तैनात किया जाता है।

सं० सी०-5976/707—श्री संग्राम ओराओं, ड्राफ्ट्समैन डिवीजन 1, सिलेक्शन ग्रेड दिनांक 20-5-83 (पूर्वाह्म) से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी" पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में पूर्णतया तदर्थ अनिन्तम आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं और उनकी तैनाती सर्वेक्षण (हवाई) निदेशालय, नई दिल्ली में की जाती है।

सं सी०-5977/707--- नीचे लिखे अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी" पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से पूर्णतया तदर्थ अनिन्तम प्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं:---

1	2	. 3	4
ऋमांक	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारिखा
1. র্প্র	ो एस० के० चक्रवर्ती;	सं० 10 आरेखण कार्यालय	26-2-83
, स	र्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड	(दक्षिण पूर्वी सकिल) भवनेश्वर ।	, (पूर्वाह्न)

1 2	3	. 4
2. श्री सचिदा नन्द, सर्वेक्षक सिलेक्शन ग्रेड	सं०.76(फोटो) पार्टी; (दक्षिण पूर्वी सर्किल), भुवनेश्वर ।	30+3-83 (पूर्वाह्न)

सं० सी-5978/594--श्री पी० के० भट्टाचार्जी, तकनीकी सहायक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सिलेक्शन ग्रेड) को दिनांक 30-3-83 (पूर्वाह्म) से सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा०सि० सेवा ग्रुप "बी" पद) के पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है और उनकी तैनाती सं० 105 (डी० एल०आई०) मुद्रण वर्ग (सर्वेक्षण ह्वाई,) नई दिल्ली में की जाती है।

जी० सी० अग्रवाल, मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1983

सं० 4(103)/75-एस -1— डा० एस० के० सतपथी, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी सम्बलपुर ने 1 जुलाई, 1983 से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1983

सं० ए०/12025/10/81-(जे० आई० पी०)/प्रशासन-1/एम० (एफ० एण्ड एस०)---राष्ट्रपति ने डा० (श्रीमती) एम० दोलोई को 22 जून, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में जीव रसायन के सहायक प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन ग्रामीण विकास मंत्रालये विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1983 शुद्धिपत्न

सं० ए.०-19023-5/83-प्र०-III--श्री शालिग्राम शक्ल से संबंधित इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम्दिनांक 2-7-83 के अनुच्छेद 2 में "4-4-83" के स्थान पर् "4-6-83" पढ़े।

सं० . ए०-19025/30/81-प्र०-III— विषणन एव निरीक्षण निदेशालय के अधीन सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद से श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा दियाया त्याग-पद्य दिनांक 8-5-83 अपराहन से स्वीकृत कर लिय गया है ।

सं० ए०-19025/72/81-प्र०-III--इस निदेशालय के अधीन सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री जीविद्यासागर द्वारा दिया गया त्याग-पत्न दिनांक 4-5-198? (अपराहन) से स्वीकृत किया जाता है।

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 16 जुलाई 1983

सं० डी॰एन॰ बी/वी॰ ई॰ सी॰ सी/स्था॰II/2946—श्री देव नारायण बाग्वी ने सुरक्षा अधिकारी पद का पदभार 30-6-1983श्रपराहन को सेवा निवृत्त होने पर छोड़ दिया ।

> आर० एल० बता उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनाँक 13 जुलाई 1983

सं० डी० पी० एस०/21/1(2)/78-स्था०/22583-इस निदेशालय की तारीख 4 अप्रैल, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के कम में परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री एन० एस० पिल्लै को और आगे 30 सितम्बर 1983 (अपराहन) तक के लिए या अग्रिम आदेश होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 14 जुलाई 1983

सं० डी० पी० एस०/41/10/83-प्रशा० 22715-- परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भन्डार निदेशक ने सहायक

अधिकारी श्री एम० आर० के० जॉन की छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी भन्डारी श्री एस० आर० वैस को रूपये 650-30-740-35-810- द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में दिनांक 2-5 1983 (पूर्वाह्न) से 10-6-1983 (अपराह्न) सक कि लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भन्डार अधिकारी नियुक्ति किया है।

पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनाँक 29 जून, 1983

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/1775— सक्षम प्राधिकारी जी उच्च श्रेणी लिपिक श्री मु० लक्ष्मण रावु को रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 40-960 के वेतनमान में दिनांक 01-7-1983 से 30-7-1983 के पूर्वाह्म या आगामी आवेशों पर्यंत, जो भी पूर्व घटित हो तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं। जी० जी० कुलकर्णी

प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

नाभिकीय ईंघन सम्मिश्च हैदराबाद-500762, दिनांक 22 जून 1983 भादेश

सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/3036/716—
जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के सुरक्षा अनुभाग के प्रहरी
श्री सुंदर कार्मिक कूटांक 3036 दिनांक 26—11—1981
से (अवकाण लेने की बिना पूर्व सूचना/अवकाण की बिना
पूर्व मंजूरी के) काम मे अनुपस्थित रह रहे हैं;

और जब कि काम पर तत्काल आने के लिए उन्हें दिनांक 26-6-82 को एक तार भेज कर निदेश दिया गया;

और जब कि उनके नियासीय पते नियास सं० 31-43 रामकृष्णपुरम, सिकदराबाद-500556 पर तार की आक प्रति सं० नाईस का० प्र० 5/2606/3036/1135, दिनांक 26-6-82 भेजी गयी;

और जब कि उक्त श्री सुंदर काम पर नहीं आए तथा अप्राधिकृत काम से अनुपस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री सुंदर को शापन सं नाईस/ का प्र 5/2606/3036/1478, दिनांक 28~8-82 द्वारा उनके विरुद्ध आरोप तथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना की गई

और जब कि उक्त श्री सुंदर ने आरोप पत्न नहीं स्वीकार किया तथा डाक प्राधिकारियों ने अवितरित लिफाफा इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, ''बिना कोई अनुदेश दिए क्यक्ति चला गया है अतः प्रेषक को लौटाया जाता है;''

और जब कि आरीप की जांच करवाने का विचार किया गया तथा तदनुसार आदेश सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606 /3♦36/1575, विनांक 14-9-1982 द्वारा एक जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया:

और जब कि जांच अधिकारी ने विनांक 13-10-82 की अपनी रपट में लिखा कि उक्त श्री सुंदर के जांच में भाग न लेने के कारण एक पक्षीय जांच की गयी जिसमें आरोप सिद्ध हो गया;

और अब कि जाँच रपट (प्रति संलग्न है) सह मामले के अभिलेखों का साबधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ता-क्षरी आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा अनंतिम निश्चय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री सुंदर सेवा में रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का वडं अधिरोपित किया जाए;

और जब कि उक्त श्री सुंदर को ज्ञापन सं० नाईस/का प्र० 5/2606/3036/616 दिनांक 17-5-83 द्वारा उपरिलिखित अनंतिम निष्कर्ष सूचित किया गया तथा ज्ञापन की प्राप्ति के 10 दिन के अंदर प्रस्तावित दंड के लिए अभिनेदन करने का एक अनसर दिया गया;

और जब कि दिनांक 17-5-83 के उक्त ज्ञापन को पावती सह पंजीकृत आक द्वारा उन के सभी ज्ञास पतों पर भेजे गए, उन्हें डाक प्राधिकारियों ने इस अध्युक्ति के साथ लौटा दिया, "व्यक्ति चला गया है अतः प्रेषक को लौटाया जाता है" "मरूलापुर में ऐसी निवास संख्या नहीं है, पता अपूर्ण है अतः प्रेषक को लौटाया जाता है"

और जब कि दिनांक 17-10-82 की जांच रपट सह मामले के अभिलेखों के आधार पर अद्योहस्ताक्षरी इस अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री सुंदर सेवा में रखने योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए;

अप्तः अब परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1) 68-प्रशासन (II), दिनांक 07-7-79 को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 43 के साथ संयोजित कर उनमें प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री सुंदर को सेवा से तस्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

अ०व० खान प्रणासनिक अधिकारी

अनुलग्नक : एक श्री सुंदर 31-43, रामकृष्णपुरम, सिकंदराबाद - 500556 श्री सुन्दर नि० सं० 20/44, रामकृष्णपुरम सिकंदराबाद - 500556 श्री सुंदर 3-479 ग्राम व पद्मालय: स्थोक नगर मल्लापुरम, हैदराबाद

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-16, दिनांक 8 जुलाई 1083

सं० प० ख० प्र० 1-/31/82- भर्ती- परमाणु अर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्दारा श्री जी० श्रीनिवास को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 जुलाई 1983 के पूर्वाहन से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी / अभियन्ता ग्रेड 'एस बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जुलाई 1983

सं० प० ख० प्र०-4/1/83-भर्ती---परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एदद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक ''बी'' और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक ''सी'' श्री के० रामदास को उसी प्रभाग में 1 फरवरी 1983 के पूर्वाल से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड ''एस बी'' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-4/1/83-मर्सी-परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक सहायक ''बी'' श्री डी० तिवानी को उसी प्रभाग में 1 फरवरी 1983 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड ''एस बी'' नियुक्त करते हैं।

टी० डी० धाडगे वरिष्ठ प्रगासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1983

सं० ए० 12026/1/82-ई एस---राष्ट्रपति ने विग कमांडर ए०ए०थोसर (8209) एफ (पी) को विनांक 20-6-1983 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अविध के लिए प्रतिनियुक्ति पर नागर विमानन विभाग के श्रंणशोधन यूनिट में पायलट के पद पर नियुक्त किया है।

जे० सी० गर्ग सहायक निवेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1983

सं० ए० 32013/10/82-ईसी---राष्ट्रपति ने निम्निसिखित सहायक तकनीकी अधिकारीयों को उनके द्वारा उच्चतर पद का कार्यभार ग्रष्टण करने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्थान पर तैनात किया है:-

	-		
नाम	वर्तमान नैनाती	नया तैनाती	कार्यभार
	कास्थाग	स्टेशन	ग्रहण करने
			की तारीख
	नाम		

श्री

- 1. वी॰एम॰कट्टरमल वै॰सं॰स्टेशन वैसं॰स्टेशन 24-5-83 वाशिम बम्बई (
- 2. पी०एन०मणि वै०सं०स्टेशन वै०सं०स्टेशन 12-2-83 मदुरै मद्रास

सं० ए 38013/2/83-ईसी—वैमानिक संघार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्याभार त्याग दिया है।

कमाक	नाम व पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृति की तारीख
1	. 2	3	4
सर्वश्री			
1. वी०	एस० पिल्लै	वै०सं०स्टेशन त्रिवेन्द्रम	31-5-83
	सहायक संचार	: आधिकार	(अपराहन)
2. जी०	पी० सेन गुप्ता	वै० सं० स्टेशन कलकत्ता	31-5-83
	सहायक संचार	: अधिकारी	(अपराहन)
3. एम०	नटराजन,	वै० सं० स्टेशन मद्रास	31-5-83
-	सहायक संक	गार अधिकारी	(अपराहन)
4. के०	वी० भास्करन,	बै॰ सं॰ स्टेशन त्रिवेन्द्रम	31-5-83
	सहायक सं	चार अधिकारी	(अपराहन)

जगदीश चन्द्र गर्ग सहायक निषेशक प्रशासन

नई बिल्ली, दिनांक 30 जून 1983

सं० ए० 32013/7/83- ई० I—-राष्ट्रपति ने श्रीमती नानकी असनानी को दिनांक 3-6-83 (पूर्वाह्न) से दिनांक 2-12-83 तक छः मास की अवधि के लिए अथया, पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें ले जो भी पहले हो, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

ठाकुर दस सहायक निदेशक प्रशासन सीमाशुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंवण अपील अधिकरण नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1983

फार संख्या—7/सी रुगु उ उ गु रुव र नि अ अ अ अ — श्री एल र प्रमाभा राव ने, जो कि पहले सीमा गुल्क, मद्रास में एपरेजर के पद पर कार्य कर रहे थे। 8 जलाई 1983 स वेतन मान 650—1200 तथा 75 रुव के विशेष वेतन प्रति मास, तकनीकी अधिकारी सीमा गुल्क उत्पाद गुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण मद्रास बेंच मद्रास के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

फौजा सिंह गिल अध्यक्ष

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 जुलाई 1983

- सं० ए०-19012/1006/82-स्था०-पांच-विभागीय पदोक्षति समिति की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जीतेन्द्र कुमार त्यागी, पर्यवेक्षक (एन०एच०पी०सी० लि०,) नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर देवीघाट, जल विद्युत परियोजना, नेपाल में पदस्थापित जो कि काडर से बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त जो बाह्य सेवा पर होते हुए "आसन्न कनिष्ठ नियम" की सभी शर्ती को पूरा करते हैं, को उनकी अनुपस्थिति में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में 9 अगस्त, 1982 से अन्य आदेशों तक नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री जीतेन्द्र कुमार त्यागी, उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि हेतु अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परिवीक्षा पर रहेंगे ।
- 3. उपरोक्त अधिकारी की पदोन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में चल रहे 1980 के सिविन नियम सं० 10823 के परिणाम के अध्याधीन है।

विलोकी नाथ फोतेदार अवर सचिव (स०) केन्द्रीय जल आयोग विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कार्यालय, कम्पनी रिजस्ट्रार कम्पनी अधिनियम, 1956 और

एस० एम० मार्केट एण्ड रिडिस्ट्रिब्यूणन प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1983

सं० एल०/33278/एच० डी०/2038—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता ने दिनांक 5-7-83 को एस० एम० मार्केट एण्ड रिडिस्ट्रिक्यूमन प्राईवेट लिमिटेड के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एच० के० सात्याल कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रालप्पी चेम्बर आफ कामर्स के विषय में

कोचीन, दिनांक 13 जुलाई, 1983

मं० 191/लिकिश/560(5)/624/83—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आलप्पी चेंबर आफ कामर्स का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के० पन्चापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . ----

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जान रॉज, पुणे

पुणे, दिनांक 30 सई 1983

निद^{न्}श मं. सि ए 5/888/एम. आर./अहमदनगर/83-84---यत: मुक्ते, शशिकांत कुलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- प्राप्त संस्थित व

25,000/- ए. में अधिक **ह**ै

और जिसकी सं स्य्निसियल नं 276, सि सर्व नं 5919/2 अहमदनगर है तथा जो जिला-अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निवंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4 नवम्बर 1982

को प्यों यस संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वतित संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेष्यों से उक्स अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सर्ण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री भिमसंन विठांबा ताकिपरं,
 मोहनबाग, दिल्ली दरवाजे के बाहर,
 अहमदनगर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री वल्लभदास लक्षमणदास जामगांधकर
 - (2) गरन्य वल्लभदाम जामगांवकर
 - (3) उज्यला अशोक जामगांवकर अर्बन बैंक के पिछो अहमदनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मुर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है [1]

अन्स्ची

भूभि और भवन स्पृतिसिपल नं. 276 सि सर्वे नं. 5919/2 अहमवनगर, जिसका क्षेत्र 73.06 स्कवेयर मीटर हो। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 3558 सारीख 4-11-82 को दुष्यम निबंधक अहमवनगर के दफ्तर में लिखा हो)।

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, पुना

तारीख: 30-5-1983

मोहर:

2-186 GI/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूर्ण

प्णे, दिनांक 30 मर्ड 1983

निर्दोश सं. सि ए 5/886/एस. आर/कल्याण/83-84~~ यतः मुक्ते, शशिकांत कालकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं. गं. 19 हिस्सा गं. 1 (पार्ट) व्हिलिज डॉवियली (वेस्ट) तालुका कल्याण जिला ठाना है तथा जो जिला ठाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ध हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से इर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री भिभसन बदनसिंग परदोशी, प्लाट नं. 7 प्राजकता को आप हाँसिंग सोंसायटी लिमिट ड बाह्मण सोंसायटी, नाँपाडा टाना।

(अन्तरक)

 व्होनस को आप हाँ सिंग सोसायटी निम्टिंड, संकेटरी श्री एत. एम. चव्हाण, प्लाट नं. 19 लिंक रोड, कोसिंग दिनव्याल रोड, डॉविंबली (वेस्ट) तालुका कल्याण जिला-ठाना। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सर्वो नं. 19, हिस्सा नं. 1 (पार्ट) व्हीलेज डॉबियली (पशिचम) तालुका कल्याण जिला-ठाना जिसका क्षेत्र 629.60 स्कवे. मीटर है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 2188 तारीख 23-11-82 को दुय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, पूना

तारीख: 30-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई ुटी ुएन ुएस ु-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा रॉज, पूर्ण पूर्ण, दिनांक 30 मह 1983

निवंश मं. सि ए 5/885/एस आर/धूले/83-84--यतः मुभे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. घर गट नं. 5 सि. स. नं. 1380 धुले क्षेत्र 186.5 स्कवं. मी. है तथा जो धुले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयी, द्याम निबंधक धूले में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहुर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं क्रिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. (1) श्री विजय कुमार गोकुल वास शाह,
 - (2) संतिक कुमार गोक लदास शाह
 - (3) प्रवीप कुमार गोकुल वास शाह नर, तालुका और जिला-धूले।

(अन्तरक)

2. डा. सो. अनिमा जगन्नाथ ठाकरे पट, गट नं. 5, धूली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्षिण जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -- एसमें प्रयासन शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर गृट नं. 5 सि. स. नं. 1380 पेठ धूले तालुका और जिला धूले 1 जिसका क्षेत्र 186.5 स्कर्ने मी. है। जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 2342 जो 23-11-82 को द्रायम निबंधक धूले के दफ्तर में लिखा है।।

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

तारीख: 30-5-1983

मोहर ः

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूणे पूर्ण, दिनांक 30 मर्च 1983

पुण, १६नाक 30 मध् 1983

निदंश सं सि ए 5/884/एस आर/करवीर/83-84~~ यतः मुभ्ने, शशिकांत क लकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 204 ख., 29-ए, ई-वार्ड कोल्हाप्र है तथा जो कोल्हाप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निबंधक करवीर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1982

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का जायित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य वास्सियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 के (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्षात् :— श्री कृष्णाजी बलवंत कारकर, 204-इ, पाटणकर कालानी, कौल्हापुर।

(अन्तरक)

2. माधूरी को आप हाँसिंग सोसायटी, चिफ प्रमोटर हसमुखभाई चंदालाल शाह, 616-ई शाहुपुरी कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्रक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षोह,स्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट सर्वो नं. 204 स, 29-ए, ई वार्ड कोल्हाप्र, के प्लाट में ई हिस्सा क्षेत्र-454.87 स्कवे. मीटर जैसे की रिज-स्ट्रीकृत विलेख क. 119 तारीस नवम्बर 82 को बुख्यम निबंधक करबीर के दफ्तर में लिसा है।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना

तारीख: 30-5-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूर्ण

पुणे, विनांक 30 सह 1983

निद्वांश मं. सि ए 5/882/एस. आर. /हवेली-।/83-84 —यतः मुभ्ने, शशिकांत कुलकणीं, ग्रयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 69-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य :5,000/~ रा. से अधिक हो

ार जिसकी मं. सर्व नं. 66 हिस्सा नं. 1 पोस्ट खडकवासला । जुका हवेली ही तथा जो जिल्हा पूना में स्थित है (और इससे । पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हो), र जिस्ट्रीकर्ता । धिकारी के कार्यालय द्यम निबंधक हवेली । पूना में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गरीस नवस्बर 1982

के पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्या, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के ज्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ।स्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) श्री मीताराम बाला नानगुड़े,
 - (2) श्री दत्तु सीताराम नानगुडें तालुका हवेली, जिला पूना।
 - (3) श्री मारती बाला नानगृष्टी
 - (4) श्री अम्बादास मारूती नानगडा
 - (5) श्री साहचे राव मारूती नानगुडे जोजे तालुका हवेली जिला पूना।

(अन्तरक)

 नंदन सहकारी कृषि फलोत्पाद्य संस्था (नियोजित), चिफ प्रमोटर श्री हसमृख शिवभाई पटेल, 34, ''अदित्य'' 501, रस्सा पठ पूना-11

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अमुसुची

भूमि सर्वे नं 66., हिस्सा नं 1 पोस्ट सडक्यासल तालुका हवेली जिला पूना जिसका क्षेत्र 1 होक्टेयर 16 आर हो। (जैसे रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 5150 तारीख नवम्बर 82 को द्रायम निबंधक हवेली-। पूना के दफ्तर में लिखा हो।

शशिकांत क्लूबकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (दिरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

तारीख : 28-5-1983

मोहर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

ALZE AZERZ

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रॉज, पुणे

· पुणे, दिनांक 28 मर्घ 1983

निवर्षा सं सि ए 5/एस जार /881/हवेली/83-84---यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मोधक है

और जिसकी सं सर्वों नं 66 हिस्सा नं 1 पोस्ट खडकवासला तालुका हवेली है तथा जो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूप्यम निबंधक हवेली । पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को प्वेषित सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेषित सम्मत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (बंदिरिद्वा) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिक्क निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप के किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर मिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री सीसाराम बाला नानगडी
 - (2) श्री दत्तु सीताराम नानगृङ गोरहा (बृद्ध्क) तालुका हवेली फिला पुना
 - (3) श्री मारुती बाला नानगृडी
 - (4) श्री अम्बादास मारूती बाला नानगृडी
 - (5) श्री साह'व राव मारूती नानगृडे जोजे तालुका हवेली जिला प्ना।

(अन्तरक)

 नंन्दनवन सहकारी कृषि फलोत्पाद संस्था (नियोजित) चिफ प्रमाटेर श्री हसमुख शिवभाई पटोल, 34, ''अवित्य'' 501, रास्ता पेठ पृना-11

(अन्सि रती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वन्सूची

भूमि सर्वे नं. 66, हिस्सा नं. 1 पोस्ट खडकवासला ताल्का हवेली जिला पूना, जिसका क्षेत्र 77.34 आर है (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 5151 तारीख नवम्बर 82 को दूर्यम निबंधक हवेली-। पूना के देपतर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ेंक, पूना

तारीब : 28-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूर्ण

पुणे, दिनांक 14 जून 1983

निदंश मं. सि ए 5/37 ईई/155/1983-84---यतः म्भी, शशिकांत कालकणीं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उमित बाजार गृल्य 25,000/- रत. से अधिक ही और जिसकी सं. ब्लाक नं. 2 ए सि सं. नं. 290/1 ब्धवार पठ पूर्ण 2 क्षेत्र 345 स्के. फीट है तथा जो पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल 1983 को पूर्वेक्ति सपित के उचिन नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय षाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सिलंस्टाईन किस्टोफर फ्रान्सीस 777/41 वाचमेकर चाल भवानी पेठ, पूणे।

(अन्तरक)

श्री रामचंद्र गणपतराव क्षीरसागर73 बुधवार पठ तुलसीबाग लेन पूना-2।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुस्ची

ब्लाक 2ए सि. स. नं. 290/1 गुक्रवारपेठ पृणे 2 क्षेत्र 345 स्कें फीट (जैसे की राजिस्ट्रीकृत नं. 91/83-84 सारीस अपने 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकार सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रोज, पृ

सारीस : 14-6-1983

मोहर :

प्ररूप धार्ष । टी० एम० एस०--

भायकर भविनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 289 म (1) के भभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर (निरीक्षण)

अजी रंज, प्णे

पुणे, विनांक 9 जून 1983

निव के सं. सि ए 5/37 ईई / 1983-84—यतः मुफ्रे, शिक्तांत क लकणीं., आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 9 सं. नं. 202/1/1 सिटी सं. नं. 62 नागर रोड येखडा पूना (क्षेत्र 575 स्के. फीट) है तथा जो पूना में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1983

25,000/- रत. से अधिक है

तारील 18-4-1983 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की मानत, उनत बिश्चिम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने दा समसे सचने में सुविद्या के निए और/मा
- (ख) ऐसी किसी आयमा किसी घर या अन्य शास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था खिपाने में मुविधा के खिए।

वतः वय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) है अभीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री हरी चुगसिंग मूरजानी
 भिस जासु चुगासिंग मूरजानी,
 7/ए एन. पी. एसं लाईन्स इस्ट स्ट्रीट पूना।
 (अन्सरक)
- श्रीमती पूनम अग्रवाल प्लाट नं. 9 हरमेस टरेस को. आपरोटिव हाँसिंग सोसायटी नगर रोड पूना-6।
 (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हण्डटोकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं. ए/9 प्लाट नं. 9 स. नं 202/1/1 सिटी सवे नं. 62 नगर रांड यंखडा पूना क्षेत्र 575 स्के. फीट (जैसे की रिजिस्स्टीकृत नं. 134 ता. 18-4-1983 को सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।

तारीख: 9-6-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, पूणे

पूणे, दिनांक 6 जून 1983

निदर्श सं. सि ए 5/37 र्हर्ड/153/1983-84---यतः स्के, शशिकांत कलकणीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. रो टाधिक है

25,000/- रह. में लिखिक हैं और जिसकी सं. प्लाट नं. 30 सीथामाला बिल्डिंग नं. 1 माया-नगर को . आ. मासायटी तलकरांड ठाणा (इस्ट) क्षे. 540 स्के. फीट) में गिस्थत हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से बिणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयक्त अर्जन रेज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अप्रैल, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म अर्थन अर्थन के बाजार मृत्य से अर्थन नं वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म अर्थन अर्थन के बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म अर्थन अर्थन के बाजार मृत्य से उसके उन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उसते अन्तरण लिखित में यास्यिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्री गुलावराय एचः वाधवानी
ब्लाक नं 195 खोली नं 7
गवर्नमेंट हास्पीटन के बाजू में उल्लासनगरः
जि ठाणा।

(अन्तरक)

 श्रीमती मानीदोवी लिलत किशोर बनसल जयिहन्द्र विल्डिंग नं. 2 चौथामाला डा. आत्माराम मचौन्ट राड बम्बई -2।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे दित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्लाट नं. 30 चीथामाला बिल्डिंग नं. 1 मायानगर को-आपर्टिव हाउसिंग सोसायटी टिक्कपथ ठाणा (ईस्ट) क्षेत्र 540 न्यों. फीट (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं. 211 ता. 4 अप्रैल 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज पूना को दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन रेज, पुना

'अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 6-6-1983

मोहर :

--186GI/83

प्रारूप आद. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग १६७-थ[ा]) की क्रयीन स्**चना** भागा गणकार

कार्णस्य, सहायमः काम्सर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूणे

प्णे, दिनांक, 25 मई 1983

निव^{*}श सं. सि ए 5/37ईई 143/83-84---यतः मुक्ते, शशिकांत कृतकणीं,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की अपर 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकाती को यह विश्वास बाउने का जानण हैं कि रुपाल प्राणीन विश्वास विश्वास वाजने का उत्तरण हैं कि रुपाल प्राणीन विश्वास विश्वास वाजने का उत्तरण हैं कि रुपाल प्राणीन विश्वास वाजने का 25,000 रुपाल से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लंट नं. डी पहलामाला प्लाट नं. 1 सि स. नं. 30/2 सिताराम अपार्टमन्टस एरंचणा पूना-4 है तथा जो पूना 4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण करा विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रोज-पूना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मं. 361 तारीख 10-11-82

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गबत, उसत रूपियाध रूपियाध रूपिया के लोगे के बणाग्य ध्र गोपिक में दूसी प्रार्मिय प्रमये बण्गों में क्षेत्रधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य अपितयों को जिन्हों भगरतीय आगक्षर अधिनियम, 132% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेससे त्यहांकार एण्ड भावे 589 सदाशिव पेठ पूना।

(अन्तरक)

 श्री भरद बी. गंभिशंडिकर एफ/3 सुवर्ण गरान् कवें पीड प्ता-4।

(अन्तरिती)

को बहु सूचन। कारो करके प्रविकत सम्परित के परित के किए। कार्यनाहियां सुक्र करता हुं।

जन्म सम्परित के अने का न्यार भारते भी आक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबं ते व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्ट द्वारा अधोहरत क्षरी के पास लिसित में किए भा सर्की ।

स्मब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लंट नं. डी. पहला माला प्लाट नं. 1 मि. स. नं. 30/2 सितारामः अपार्टमेन्टस एरंडवना पूना-4 (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 361 ता 10-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना को दपत्तर मे लिखा है।।

शशिकांत कल्कणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नार**बि** : 25-5-1983

गोहर 🕾

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-411004

पूना-4।1004, दिनांक 27 मर्द 1983

निवर्षा सं. स्. ए. 5/37 ई.ई. 144/1983-84--पतः मुक्ते, शक्तिकांत कलकणीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पत्पाद 'उक्त जीधिनयम' कहा गया ही, को धारा 269 ख के अधीन सक्षम धांभिकारी का यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सक्षाट, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रठ. से जरिशक है

और जिसकी सं. पलंट सं. 1987/डो/8 मोजित्य को-औपरंटिय सोसायटी सि. स नं. 488/डो-और्ड शिवाजी नगर, पूना-16 क्षेत्र 1000 क्ष्रें. फीट ही तथा जो पूना-16 मी स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूजा हो. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) क अधीन, नं. 516, तारीख 27-11-1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उवित वालार मुल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के 10ए अलारित की गई है आर मुख्य से का के द्रश्यमान करने का कारण हो कि सभापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिकाल भे, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं को जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिका) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गुमा प्रतिफल निकालित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में शस्तिक रूप से व्यक्ति कर की किया गया है :——

- (क) अंतरण सं हुई किही आय की वाबत, उका अधिकारण के अर्था कर दंने के इंहरका के तायिल में कभी काने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर/था
- (ख) एंडी किसी अप या किसी व या अन्य अस्तियां का, जिन्हों भारतीय अध्यक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) । उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषशर्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाना (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- कुमारी सती महतानी 1087/डी/8 गाँविन्द को-आंपरीटव सांसायटी, शिवाजी नगर, पूना-16 (अन्तरक)
- 2. श्री राविन्द्र जी. बरीतकर, ट्रस्टी सरस्वती ट्रस्ट 1087/डी./8 गोविन्द कोऔपरेटिव सोसायटी, पूना-16। (अन्तारती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अदिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बच्च किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं. 1087/डी/8 गोविन्द को-औपरेटिव सोसायटी सि. स. नं. 488/डी/आई शिवाजी नगर पूना-16 क्षेत्र 1000 स्के. फीट। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 516 ता. 27-11 1982 को सहायक आया अध्यास (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन र्रांप, पुना

तारीख : 27-5-1983

मोहाः :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज., प्ना-41004

पूना-411004, विनांक । जून 1983

निवर्षेश सं. सि. ए. 5/37 ई.ई. 145/1983-84— यत मुक्ते, शशिकांत कुलकणीं, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 222 के. पी. टावर 2 प्लाट नं. 4 हिस्सा नं. 6 स. नं. 17 ए नानवडी पूना क्षेत्र 530 स्के फीट है तथा जो पूना 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 307 तारीख 5-11-1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सूह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्स अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी कारने या उससे धनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अथित्:—

 मी. परमार कन्द्रकानस 321/3 न्यू टिंबर मार्केट रोड, पुना-2।

(अन्तरक)

2. श्री रमेक्: काशिराम मोटवानी 776 भवानी पेठ पूना-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं. 222 के. पी. टौवर नं. 2 प्लौट नं. 4 हिस्सा नं. 6 रा. नं. 17 ए. बानवडी क्षेत्र 530 स्कोफीट पूना । (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 307 ता. 5-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज पूना के देपत्तर में लिखा है।।

शशिकांत क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

तारीख * 1-6-1983

मोहर ः

प्ररूप कार्त्व हो । इसक द्वान-१-

भायकर **मधिनमन**; 1961 (1941क: 43) की भारा 269-म (1) के भ्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन, प्ना-411004

पुना-411004, दिनांक 27 जून 1983

निद^{ें}श सं. सि. ए. 5/37 ई. ई. 152/1983-84---यतः मुक्ते, शशिकांत कलकर्णां,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' 🕬 गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम शाहिलारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका 25,000/ स्पर्ये म और जिसकी सं फ्लैट नं 2 दूमरा माला आवर्श महल स . नं . 7 प्लॉट नं. 22 नवधर वसई ता. जि. छणा (क्षेत्र सुपरिबल्ट-अप 568 स्के. फीट) है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 2757 ता 10-1-83 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापवींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रातफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एोसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिसित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी बार की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/था
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन निमन्दिल्खित व्यक्तियों अर्थात् ्र—

- 1. मेसर्स आदर्श बिल्डर्स बी/1/9 ग्रीफटसीरा नगर एस.; व्ही रोड, सांताक्रुज (वेस्ट) बंबर्ड 54। (जुन्तरक),
- श्री एम . आर . पलसांदकर ए/202 योगेश अपार्ट-मन्दस, पांड रूग वाडी गरिगांव (इस्ट) बंबई-400063।
 (अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उका सम्मानि है अर्जन ने सम्बन्ध में कोई भी धान्नेपः र

- (क) इप नूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सै

 45 दिन की प्रवांध या सस्तंबंधी अ्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, को भी
 प्रवित्त में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों म से कियी व्यक्ति होरा.
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन केमीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी करन कालि, जारा, बोइस्करीकि मन्पति के पास लिखिय में किये जा सकेंगे।

स्यव्होन्तरण :--व्ह्समं प्रमुक्त ाब्दों मीर पदों का, को उक्त प्रधिनयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभावित है, वहीं धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विया मया है :

अनुसूची

फ्लॅट नं 2 दूसरा माला, आदर्श महल स. नं. 7 प्लाट नं 22 नष्यर गांव, बसई तालुका गांव ठाणा क्षेत्र 568 स्के. फीट। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 2753 ता. 10-1-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के दक्तर में लिखा है)।

शिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, प्ना

तारीख: 27-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. थी. एन. एस. ----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की ह**ं** है बना

भगन्त ः अर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004., दिनांक 16 अप्रैल 1983

निर्वोष सं. सि. ए. 5,/37 ई ई /151/1983-84--यतः मुक्ते, शशिकान्त जुल्लको, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन एक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मिर्टर, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 / ातः, से अधिक है^{*}

और जिसकी सं. जमीन और उसके उत्तर पुराना घर स. नं. 272 हिस्सा नं. 3 ठाक लिंगांच डोंजिवली सि. सं. नं. 217 (क्षेत्र 576 स्के. यार्ड) है तथा जो डोंजवली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पृणं रूप से वणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सह्यक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में, रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नंबर 67 तारीख 22 नवस्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बास का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मां कमी करने या उससे बचने मां सूजिया के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर पुनीस कर्फ़िश्सन कम्पनी 11/100 गारांडीया नगर घाटकापर बंबई 77 ।

(अन्तरक)

2. श्री एस. पी. कागद और एस. की. जोशी प्रमोदर्स रिसर्व बैंक जाफ इंटीया एमफोई ज प्रोपोजड़ हासिंग सोसायटी, 5 साबन्त विलिडग एम पूलेरोड विष्णु नगर डॉबिविली (वेस्ट) जिल्ला ठाणा।

. (अन्तरिती)

को वह पृथन रारो करक ूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ ६ रतः हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर जना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्वाा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तावरी के पास विकास यो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसारो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जियानायम को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में विधा गया है।

अत्मची

जिमन और उसके उपर पुराना धर े. न. 272 हिस्सा नं . 3 ठाक ुर्वीगांव डोंबीबली सि. स. नं . 217 क्षेत्र 576 स्के. यार्ड ।

(जैसं की रिजिस्ट्रीकृत नं. 67 ता. 22-11-1982 को सहायक आयकर जागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शिकांत काराताशी स्थम प्राप्ति। तरी सहायक आयकर आयुक्त (जिलीका) अर्जन रॉज, एस

तार्गास : 16-4-1983 मोहार :

प्ररूप बाइ . टा. एत. एस. ग्रस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) की बुधं स्चना

भारत सरकार

काशास्य, अ**ब्रायक का**ण्यार **आयुक्त (**भिरिक्ष) अ**र्जन रॉज, पूना-41100**4

पुरा-411004 . दिनांक 16 अप्रैन । 983

निवर्भ मं. सि. ए 5/37 ई. ई. /151/1983-84--यतः मृष्टे, शशिकांत कलकणीं,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हुएके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स की अधीन प्रक्षम अधिकाली की तह वहता करने के कारण है कि कारण सम्पत्ति, जिसका अधिक लिलार मल्य 2...9007 के से अधिक है

और जिलाकी मं. फलेंट नं. 308 महोन्द्र पैनोस प्लीट नं. 47/48 स्. नं. 4-5-6-7 नवघर गाव ता. ल्याई जि. छाणा (क्षेच 415 म्के पिट) ही तथा जो जिला ठाणा में स्थित हो (क्षेर एगसे उपाबस्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप मो दिणत हो), रिज-म्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज प्ना मो र्रा-स्हीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, नं. 326 ता. 8-11-82 की पूर्वोक्त प्यात्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिधात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्निलिखत उप्देश्यों से उक्स अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

के लिए; और/या

खें ऐसी फिसी थाय अन्य वास्तियों कार्य कार्य वास्तियों कार्य कार्

अतः अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)

- 1. मैं. विश्वकर्मा बिल्डर्स महोन्द्र पैलेस विश्वकर्मा निवास स्टेशन रोड बसई (वेस्ट) जिला ठाणा। (अन्तरक)
- 2. श्री सुधाकर गोविंद बादारकर 2 उपकार भनसार आली कालवा जि. ठाणा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जार्र। अरके प्रवासित संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वारा के राजपत्र में प्रकाशन का लारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वारा को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तिस्त वे कि सिक्ती का कितारा प्रतिकत्त
- (क) इस सापना के राजपत्र में काशान की तारील सं 45 ित के भीतर उक्त स्थायं सम्मास्त में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुस्ची

फ्लैट नं 308 महोन्द्र पैनेस प्लीट नं 47/48 सा नं त 4-5-6-7 नवघर गांव ता वसर्द्ध जि ठाणा क्षेत्र 415 स्केफीट िस की रिजस्ट्रीकृत नं 326 ता 8-11-1982 को सहायक अप्रकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कलकर्णा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोग, पुना

नारील : 9-6-1983

मोहर 🔧

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जून 1983

निवर्षेश सं. सि ए 5/150/37 ई ई/8587---यतः मुक्ते, शशिकात कलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को . यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपन्ति जिल्ला जिल्लेन गाजार मन्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. एफ-8/1 चौथी मंजिल, पेरामांउक्ट को .-आप .-हौिंसग सोसायटी 1981 कोन्बेन्ट स्ट्रीट है तथा जो पुना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रॉज पुना में, रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

1. श्रीमती मना एफ भिवंडीवाल और अन्यः, 356 रवि-वारु पेठः, पूना- 2 ाः

(अन्तरक)

 श्रीमती गोपि एम पूरी, 22 एम जी मार्ग सिव्हील लाईन्स अलाहबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत् व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निषित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसची

फ्लैंट नं. एफ-8/1 चौथी मंजिल पेरामीजट को. आप । हाँसिंग सोसायटी 1981 कान्वेंट स्ट्रीट पूना-1 क्षेत्र 540 स्कवे फीट । (जैसे को रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 439 तारीश 20-11-82 को सहायक आयकर लायुक्त अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कर्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्िक्षण) अर्जन रोज, पूना

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारोख: 1-6-1983

मोहुर् 🕄

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

पूना-411004, विनांक 30 मर्इ 1983

निर्देश सं. सि. ए. 5/37 ई.ई./1983-84/146-यतः मुभ्ते, शशिकात कुलकणीं,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2 प्लैट नं. 37 आयडीयल कलौनी सं. नं. 129 काथसड कष्णनारा अपार्टमेन्टस पना-29 है तथा जो पुना 29 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज पूना में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 103 ता. अप्रैल 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (स) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए:

मतः प्रवः, उपत मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात :--4-186GI/83

1. मेसर्स ओम बिल्डर्स 15 युको बैंक कौलनी प्रवर्धन बाग एर्डवाणा प्ना-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतीमा महहन बोकील सायुखदा सोसायटौ 478/ए पर्वती पुना 9

(अन्त**िरती)**

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वयत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से 4**5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया "या है।

क्षमसूची

फ्लैट नं. 2 प्लौट नं. 37 आयडीयल कौलनी स. नं. 129 कषण नारा अपार्टभेन्टस कोथरूड, पुना-29 । (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 103/1983-84 ता अप्रैल 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि, पूना

तारीस : 30-5-1983

मोहर !

प्ररूप भार्ड. टी. एन. एस. - -- -

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि, एना-411004

पुना-411004, दिनांक 28 मर्इ 1983

निद^{*}श सं. सि. ए. 5/37 ई.ई. 148/1983-84--यत. मुक्ते, शशिकांत कालकणी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लौट नं. 14 दुसरामाला 403/1 शनिवार पेठ क्षेत्र 470 स्के फीट पुना है तथा जो पुना 30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रोज पुना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 2411 तारीस 14 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्त-विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं विया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्व, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग कें अनुसरण भं, में, उक्त जीधीनयम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- लैन्ड मार्क कनस्ट्रकशन कपनी पुना साताता रोड जकालनाक के सामगे पुना 9
 - ् (अन्तरक)
- श्रीमती सभद्राबाई नाय खंडेकर श्री अन्ति यशवन, खंडेकर 414 रिव्वार पेठ पुना ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उस्त स्थातर संपत्ति में हित- सब्ध किसी जन्य व्यक्ति खतारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लॉट नं. 14 दुस्य माला 403/1 शनिवार पेठ क्षेत्र 470 स्के. फीट पुना । (औसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 2411 ता. 14-3-1983 को सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा हैं)!

शिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौल, पूना

तारीख : 28-5-1983

मोहरू

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत, सरकार

कार्याक्षय, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निःशिक्षण)

अर्जन रेज, पूना-411004

पुना-411004, 30 मह 1983

निदे सं सं . सि . ए . 5/37 ई . ई . 149/1983-84— यत मुक्ते, शशिकांत कुलकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ क्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लांट नं. 117 गुरु प्रसाद को आँप हाँसिंग तिसरी मंजिल बिल्डींग नं. 7 24 बंड गार्डन रोड हैं तथा जो पूना-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयक्त आयुक्त अर्जन रंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. एस जे दयाल एण्ड कं 117/7, गुरु प्रसाद कोआप हाँसिंग सोसायटी पूना-1। (अन्तरक)
- श्री मुरली बी. दासवानी गितां अली बिल्डोंग नं. 5, पहली मंजिल प्लाँट नं. 68 पूना-2 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्धों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्यत हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

प्लॉट नं 117, गुरुप्रसाव कांआप होसिंग सोसायटी तिसरी मंजिता. बिल्डींग नं 7 वंड गार्डन , राडे, पूना-। क्षेत्र 545 स्कब फीट है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 203 तारीस अप्रैल 83 को सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज पूना के दफ्तर में निसा है)।

> शशिकांत क्लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

ता्री**स** : 30-5**-1**983

मोहार 🗈

प्रख्या आर्हा. ट्री. एन. एस. ------

आमकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 18 मर्द 1983

निर्दोश सं. सि. ए. 5/37 ई.ई./1983-84/127--यतः मुझे, शशिकान्त कलकर्णी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाँट नं. 1 पहली माला पटवर्धन प्रांपटीं 177 ए पर्वती पुना 9 है तथा जो पुना में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से १णिंत हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयूक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज पूना में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 404 तारील 12-11-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योग से उसत अन्तरण निम्निलिखत उद्योग से उसत अन्तरण कि सिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अनः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री विश्वामिम आणी राठी 103 सुभस चेन्सार्स 1149 सदाशिव पेठ पुणें-30 ।

(अन्तरक)

2. श्री गोविंद बी. मृद्दे विहालकर एस 14 बजाज टेपो कौलनी आक्डी पुना 35।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

एक्स सम्पित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपर्तित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं अधिनियम्, के अध्याय 20-हैं, बही अर्थ होगा जो उन् गया है।

अमुस्ची

प्लॉट नं. 1 पहला माला गरवर्धन प्रांपटी सि. स. नं. 177 ए. पर्वती पूर्ण 9 (जैसे की रिजिस्ट्रीस्ट्रीकृत नंबार 404 ता. 12-11-1982 का सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज पुना के दफ्तन में लिखा है)।

> शिक्तिंत क्लकणी सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पून

तारीख : 18-5-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एम. ------

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुधीन सुधुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रॉज, प्ना-411004

प्ना-411004, दिनांक 5 मई 1983

निर्दोश सं. सि. ए. 5/37 ई. ई. /83-84/132--यतः मुभ्ते, शशिकांत कालकणीं,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 'के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 11 तिसरामाला पष्कराज अर्पार्ट-मंटस स. नं. 37 हिस्सा नं. 2 क्षेत्र 480 स्क फीट डॉबवाली है तथा जो डोंबवाली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना मे रजिरद्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं. 228 तारीख 27-4-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नशिक्ति उद्वोध्य से उक्त भन्तरण निक्ति में बास्तीयक रूप से किया नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने हा उससे बचने में सनिधा के लिए; और/या
- (क) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय गाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

1. मेसर्स प्रधान एनदर प्राईसीस 11 गुरू दर्शन मान पांधा राड डोंबवाली (इस्ट)

(अन्तरक)

2. श्रीके. वी. कष्णनन 18 वसल निवास गोपाल वाडी विष्णु नगर डों बवाली (बेस्ट)

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर संचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

प्लाट नं 11 तिसरा माला पुष्कराज अपिटमें टस स नं 37 हिरसा नं. 2 क्षेत्र 480 स्के फीट डॉबवाली

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नम्बर 228 (ठाणा) ता 27-4-83 को सहायक आयुक्तर आयुक्त (निर्निक्षण) अर्जन हुन, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजि, प्ना

तारीख ः 5-5-1983 मोहर 🗯 🕟

प्रकप आहें हो, एम, एस,-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, पूना-411004 पूना, दिनांक 16 अप्रैल 1983

निर्दोश सं. सि. ए. 5/37 ई.ई./83-84/126—यत: मृक्षे, शशिकांत कुलकणीं, लायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाँट नं 122 सोनी अपार मेन्टस प्लाँट नं 9 दुसरा भाला पिपरी क्षेत्र 649 स्के फीट हवोली जि पूणे हैं तथा को पिपरी जि पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध उन्स्वी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 352 तारील 10 अक्तूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— मेसर्स बसंल कन्ट्रक्शन कम्पनी पिंपरी कालोनी पुना-17

(अन्तरक)

श्री आर राजमानी राम स्वामी
 पदम सोसायटी पिंप्री
 पना-17

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं : 122 सोनी अपार्टमेन्टस प्लाट नं : 9 ढुसरा - माला क्षेत्र 649 स्के : फीट पिपेप्री हा : हवेली जिला पुना

(जैसा की रिजस्ट्रीकृत नं. 352 हा. 10-11-1982 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है)

शशिकांत क लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूजे, पूना

तारीब : 16-4-1983

मोहर 🙂

प्रकृष वाह्". टी. एन. एस . -----------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 27 मई 1983

निद^भश सं. सि. ए. 5/37 ई. ई./83-84/131---यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/ रा. धे अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं सी-6 शानी सदन को आपरोटिय हाउनिय सोसायाटी वारूवानी रोड पूना 1 क्षेत्र एपरोक्स 1000 स्के फीट हैं तथा जो पूना 1 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 2680 तारीख 28-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीभ एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में सास्तिवृक्ष क्ष्य से कार्यन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्च अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हक्षु मोती,राम गिडवानी और निरांजन हक्षु गिडवानी ''बी'' बिल्डींग भाली सदन को-आप्रेटिब हाउनीसंग सोसायटी वासवानी रोड पूना-1

(अन्तरक)

2. (अ) निर्मला अ. सुजान और अर्जन एम स्जान

(व) में इश्वर कर्नस्ट्रक्शन् प्राइविट लिमिटेड 3/4 बी. जे. गेंड पुना-1

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या सर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . सी-'@ शान्सी सदन को आपरोटिव हाउजिस ग सोसायटी नासवानी .रोड पुना-1 , क्षेत्र 9000 स्को. फीट

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं 2680 ता 28-3-1983 को सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हर्ज, पूना

तारीख : 27-5-1983

मोहर 🙄

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 28 मर्ह 1983

निर्दोश सं. सि. ए. 5/37 ई. ई. /83-84/130---यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 7 गुरूपसाद अपार्ट मेन्टस सं नं 64 हिस्सा नं 1 रघुवीर नगर क्षेत्र 590 स्के फीट डॉबिविली (इस्टि) 421201 है तथा जो डॉबिविली में स्थित है (औरइससे उपा-बद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 2759 ता 1-3-1983

को पृश्वों कर संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के श्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथीं क्स संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके श्रियमान प्रतिफल से ऐसे श्रियमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की गायत, उक्त अधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ग्रंथने में सृष्धि के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैसर्स श्री व्यंकटो बिल्डर्स 8 दिलीप भुग टिबक नगर टिबक नगर हाई स्कूल के पास डॉबिविली (ईस्ट) 421201

(अन्तरक)

 श्री शतिश चन्द्र मधुकर साकलकर शिव बिल्डोंग रघुबीरनगृह डॉबिविली (ईस्ट) 421201

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . 7 गुरूप्रसाद अपार्टभोन्टस सं . नं . 64 हिस्सा नं , . 1 रघुबीर नगर क्षेत्र 590 स्के फीट

डॉबविली (इस्ट)-421201

औस की रजिस्ट्रीकृत नं. 2759 ता. 1-3-1983 के सहायक आंबकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकान्स क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहासक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

तारीब 🤄 28-5-1983

मोहर 🕾

प्रस्प आहें. टी. एम्. एस.,-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, प्ना-411004

पुना-411004, दिनांक 20 मर्द 1983

निदर्श सं. सि. ए. 5/37 ई.ई./1983-84/129--यतः मुक्ते, शशिकांत कृलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मूल्य 25,0007- रुपए स आधक ह और जिसकी सं प्लौट नं 5 राजिकरण अपार्ट मेन्टस प्लौट नं . 86 सं नं 5052-53 पर्वती 9 (क्षेत्र 458 स्के फीट) है तथा जो प्ना 9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ,र्जे पूना में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 288 तारीख 5-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- र्रक) अन्तरण सं**हुर्दकिसी आय की बाबत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक से वायित्व में कसी करने या उससे व्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1. में चोप्र कन्स्ट्रकशन 245 नारायण पेठ पूना 30 । (अन्तरक)
- 2. श्री जगवीण विनायक गामकौवारी ब्लौक नं. 1, आकसर हो सिंग सोसायटी पर्वती पूना-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगर गया है।

अनुसुची

अन्सूची

प्लीट नं. 5 राजिकरण अपार्ट में टस प्लीट नं. 86 सं. नं. 50-52-53 ए. क्षेत्र 458 स्के. फीट पर्वती पुना 9 (जैसे की राजिस्ट्रीकृत नं. 288 सा. 5-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पुना के दफ्तर में लिखा है।।

शशिकांत क्रूलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, पूना

तारीय : 20-5-1983

मोहर :

प्रकप आई। दी। एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामलिय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूजि, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जून 1983

निवर्षेश सं. सि ए 5/900 एस. आर./83-84—यतः मुफ्ते, शक्तिकान्त कलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

बौर जिसकी सं मौजे गंगाप्र सर्वों नं 93/2 तालुका नासिक हैं तथा जो जिल्हा नासिक में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी 1983

को पृत्रोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती यमुना बाई भागुजी कातड (2) श्रीमती पर्वता वाई पोपट कालड रा. गंगापुर तालुका और जिल्हा नासिक।

(अन्तरक)

2. (1) श्री क्षेत्रवराव मिकाजी पायोरकर (2) श्री मधु-कर विठ्ठल सानवणे शिवाजीनगर नासिक-6 । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी कार के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाबीच !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो मी धवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ने दितबद किसी भन्न स्पन्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो छक्त ब्रिजियम के जड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकार में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

मौजे गंगापुर सर्वो नं. 93/2, तालुका और जिला नासिक जिसका क्षेत्र 80 आर है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 437 तारीख 27-1-83 को बुस्मम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कं लकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 1-6-1983

मोहर :

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. -----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, प्ना-411004

पुना-411004, दिनांक 27जून 1983

निवर्षेश सं. सि. ए. 5/912/एस.आर. निफाड/83-84—यतः मुभे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह जिसे अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कांपुर गट नं. 329/1 तालुका निफाड है तथा जो जिल्हा नासिक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुव्यम निंबधक निफाड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-

कम निम्नलिखित उद्दोषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तु-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) ज्यारण वे सुद्दी किसी बाद की कावत उपत अधि-दिसव के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाबित्स में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कन्य शास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के जिस्हें

- श्री दत्तामय वासुदिव बवें (2) रामानंद पुरुषोत्तम बवें (3) श्रीधर पुरुषोत्तम बवें (4) सभूसुवनं पुरुषोत्तम बवें (5) माधुरी पुरुषोतम बवें (6) रश्मी प्रकाशराथ आयडक्तर (7) युमनवाई पुरुषोत्तम बवें कोटुर तालुका निफाड जिल्हा नार्सिक । (अन्तरक)
- श्री रंगनाथ लक्ष्मण खापरे उगांव सालुका निफाड जिल्हा नासिक

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-पाइयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत अविकासों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (ख) इस सूचना के राज्यण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयूरी गट नं. 329/1 तालुका निफाड जिल्हा नासिक क्षेत्र 2 होक्टर 81 आर है।

(जैसें की रिजस्ट्रीकृत विलेख के 1854 सारीख नवम्बर को दय्यम निबंधक निफाड के बफ्तर में लिखा है)।

> विषाकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर् आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूज, पुना

ज्तः अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मीआ विद्यालयों का नुभति अस्थ

तारीच : 27-6-1983

मोहर 🏅

भ्रम्य अरहा<u>ं , दी . एम् . एच</u> , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन राज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 27 जून 1983

निव 3 श .सं सि ए 5/813 एस. आर. मिरज-।।/83-84-4तः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 106/1 मौजे कुपवाड तालुका मिरज है तथा जो जिल्हा सांगठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक मिरज ।। में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँकत सम्मत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप ने किंग्य नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री बापू मिय कावड कुपवाड (2) श्रीमती चिया भिए कावड नालका पिरल जिला सांगली। (अन्तरक)
- नियोजित मिशूल सहकारी गृह निर्माण संस्था विश्रामग्राग ।
 चिफ प्रमोटर श्री रघुनाथ आनंदराव पांढर 1728 रवणभाग सांगली ।
 (अन्तरिती)

का मह सूचना बारी करके पूर्वाकत सम्परित हे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को धाग निश्चित मों किए आ सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

मौजं कुपवाड सर्वे नं. 106/1 तालुका मिरज जिल्हा सांगली क्षेत्र 70 जार है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के. 1709 तारीख नवम्बर 82 को दुम्यम निवंधक मिरज।। के बफ्तार में लिखा ही)।

> शशिकांत कलकर्णा सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

तारील : 27-6-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जन, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 3 जून 1983

निद^{*}श सं. सि. ए. 5/37 ई.ई. 156/83-84--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात्ं 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं. 18 पांचवा माला फ्लैंट नं. 35 सं. नं. 17 ए. पालिना नगर वानवडी पूणे। क्षेत्र 455 स्के फीट हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 355 तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, '1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. वैभव किर्ल्स 101/102 कमला चेम्बर्स 687 भवानी पेठ पूर्ण।

(अन्सरक)

2. सेसीला बाइन और इदावाभ निर्मला निवास पलैंट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. 18 पांचवा माला फ्लैंट नं. 35 स. नंः। 17 ए.। फातीमा नगर वानवडी पूणे। क्षेत्र 455 स्के फीट ।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 355 ता 10-11-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिषण) अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा हैं)।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

🐗 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य 🚁 🖚

तारींच ∄ 3-6⊱1983

भोहर :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 17 जून 1983

निव में सं. सि. ए. 5/37 ई.ई./1983-84/157--यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकणीं, भायकर किंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कायकर किशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 66 प्ताका माला इं अस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 नवधर वेसई रोड सं. नं. 31-34-36 जिल्हा ठाणा क्षेत्र 665 स्के. फीट है तथा जो जिल्हा ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं. 444 ता. 22-11-82 को पूर्विकत सम्पत्ति के अधीन, तारीख नं. 444 ता. 22-11-82 को पूर्विकत सम्पत्ति के अधीन, तारीख नं. 444 ता. 22-11-82 को पूर्विकत सम्पत्ति के अधीन, तारीख नं. 444 ता. 27-11-82 को पूर्विकत सम्पत्ति के अधीन वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के पूर्विकत सम्पत्ति के अधीन वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत प्रिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अभिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) टो प्रवोचनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाचे में सुविधा के सिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेन्ट कारेपोरेशन दिवाण टौबार नवधर वसई रोड जिल्हा ठाणा । (अन्तरक)
- श्री प्रवीप क्यार एमं शर्मा 5 रिध्दी सिध्दी सदन् पी. पी. एस. नं. 2 विले पार्ले बम्बुई 57। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानत्यों में से किसी स्थानत द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

यृतिह नं. े66 पहला माला इंजस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 वसई रोड सं. नं. 31-34-36 जिल्हा अणा क्षेत्र 665 स्के. फीट ं(जैसे की र्जिस्ट्रीकृत नं. 444 ता. 22-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा हैं।।

> शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षक) अर्जन र्रेज, प्ना

तारीख : 17-6-1983

अ**रुप धाई**• टी• एन० एस०---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के बंबीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रचि, पूना

पूना, दिनांक 18 जून 1983

निवर्षा सं. सि ए 5/37ईई/1983-84/158—यतः। मुझो, शशिकांत कलकणी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह॰ में प्रधिक है,

और जिसकी सं. यूनिट नं. 48 पताका माला दिवाण शहा इंडस्ट्रीयल इस्टेंट नं. 5 सं. नं. 31, 34 (भाग) 36 बसई रोड (इस्ट) नवधर जिल्हा ठाणा क्षेत्र 755 स्के. फीट है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं ज 540 तारीख 30-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, खनत प्रधिनियम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के रायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐतो किनी प्राप्त था किसी धन या प्रस्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की श्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल बंबलपमेट कार्पोरिक्ज, दिवान टायर बसई रोड (बेस्ट)
 जि. ठाणा।

(अन्तरक)

 श्री प्रेम चन्द स्ट्रीक भार 114/118 मानेक भवन काह्बल स्ट्रीट, बंबई-400002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्वों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

यूनिट नं. 48 विवाणशहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 पहला माला सं. नं. 31 34 (पार्ट) और 36 बसई रोड (इस्ट) नवधर जिला ठाणा क्षेत्र 755 स्के. फीट। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 540 ता 30-11-1982 को सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है।।

शिकांस कुलकणी, सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनराज, पूना

त्रारीब : 18-6-1983

माहर 🖫

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजा, पूना

पूना, दिनांक 18 जून 1983

सि ए 5/37**६६**/1983-84/159---यतः निवर्षेश सं. मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी फ्लैट नं. 15 चौथा माला फ्लैट नं. 35 स. नं. 17-ए फालीमानगर बानवाडी पुणे-1 क्षेत्र 455 स्के. फीट है तथा जो पुना-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं. 358 ता. 10-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित काजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के म्न्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बच्चने में स्विधा केलिए;
- (स) ऐसे किसी आय या किसी भन्या अस्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः। अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ज्थीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् !---

1. वैभव बिल्डर्स 101 कमला चेंबर्स 687 ब्धवार पेठ पूर्ण-2।

(अन्तरक)

2. श्री स्रोश जेठालाल जोशी श्रीमती दिलबार सुरोश जोशी 2398 सोलापुर रोड जुना पुलगेट पुना-411001।

'(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तु सम्पृत्ति के अर्जन के जि़िए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ग
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अभूस्यी

फ्लैट नं 15 चौथामाला फ्लैट नं 35 स नं 17ए फातीमा नगर वानवडी पूर्ण क्षेत्र 455 स्के. फीट (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 358 ता 10-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना के दफ्तर में लिखा ह^}) ।

> शशिकात कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारी**ल** : 18-6**-**1983

भोहर :

प्ररूप अक्षां कि ठी जान एस व्यासकार अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की अधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

पूना, दिनोंक 17 जून 1983

निदिर्श सं. सि ए 5/37ईई/1983-84/160--- यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षण प्रधिकारी को यह विश्वाग करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिस बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

अंगर जिसकी सं. यूजिट नं. 67 पहला माला, इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 नवधन बसई रोड (इस्ट) म. नं. 31, 34 और 36 जि. ठाणा क्षेत्र 665 स्के. फीट है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 443 तारीख 22-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिपन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूथमान प्रतिफान से एसे रूथमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हैं हूँ किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस, 1002 (1922 का 11) या उसत अधिनियस, या भनकर अधिनयस, या भनकर अधिनयस (907 (1007 का 27) के एक अधि प्रतारिक्षी कुवाका अधित रहीं किया मदा का दा किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिथा के लिए:

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण माँ, मीँ, उका अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 6—186GI/83 मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल डेवलपमेट कार्पोरेशन, विवाण टावर नवधर बसई रोड जि. ठाणा।

(अन्तरक)

श्रीमती मीना वेथी एम. शर्मा
 5 रिच्दी सिद्दी सदन टी. पी. एस. रोड नं 2
 विलोपालें (इस्ट) बंबई -57
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचन प्रति ताओं न में 30 विम की अविधि, मों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से लिसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अंश समी

यानिट नं. 67 पहला भाला इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 नवधर बसई रोड (इस्ट) स. नं. 31, 34, और 36 जिला टाणा क्षेत्र 665 स्के. फीट।

(जैसे की रिजिस्कृत नं 443 ता 22-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज पूना के दफ्तर में लिखा ही।

शिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आक्ष्मर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुना

तारीख: 17-6-1983

मोहर् 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजि., पूना

पूना, दिनांक 17 जून 1983

नियां सं सि ए 5/37ईई/1983-84/161—यतः मुझे, शिषकांत कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रत. से अधिक **है**

और जिसकी सं. यूनिट नं. 68, पहला माला इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. सं. नं. 31, 34 और 36 5 नवधर इसई रोड जिला ठाणा क्षेत्र 665 स्के. फीट हैं तथा जो जिला ठाणा में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अपैन रेज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 442 तारीस 22-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—-

 मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल खेवलपमेंट कार्पोशन, विवाण टावर नवधर बसई राडि जि. ठाणा।

(अन्तरक)

2. श्री मालचंद एचं . शर्मा 5 रिदीसिद्धी सवन टी. पी. एस. रोड नं . 2 दिलेपालें बंबई 57।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहुस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

यूनिट गं. 68 पहला माला इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 स. नंत 31, 34 और 36 नवघर बसई ट्रांड जिला ठाणा क्षेत्र 665 स्के. फीट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 442 ता 22-11-182 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त' (निरीक्षण) अर्जन रूज, पूना

तारील : 17-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप भारों, दी, एन्, एस्,======

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च् (1) के अधीन सुभान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पुना

पूना, विनांक 16 जून 1983

निंदांश सं. सि ए 5/37ईई/83-84/162—यतः इसे, शरिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 6 दिवाण आणि शाहा इंडस्ट्रीयल कम्पलैक्स नं. 2 सं. नं. 72/74 वालवी जिला ठाणा क्षेत्र 1350 स्के. फीट ही तथा जो जिला ठाणा में स्थित ही (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस ही) रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 405 तारीख 12-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिकत उद्देष्य से उन्त अंतरण लिखित में गस्तियक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ह— मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल डेवलपमेट कार्पोरोशन, दिवान टावर बसई रोड (वेस्ट)
 जि. ठाणा।

(अन्तरक)

2 मेसर्स मानकेश पोलीमर्स 8 बसारीया होस श्रद्धानंद राड विलेपालें (इस्ट) बंबर्झ 57

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्थाक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मूनिट गं. 6 दिवाण और शाहा इंडस्ट्रीयल कम्पलेक्स नं. 2 स. नं. 72/74 वल्बीह जिला ठाणा 1350 स्के. फीट (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 405 ता 12-11-82 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

सारीखः 17-6-1983

भोहर 🖫

प्रकप आहे, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत श्चेतुकाऱ कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा, पूना पूना, दिनांक 16 जून 1983

निष्ट सं े सि ए 5/37ईई/1983-84/163—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं। और जिसकी सं. यूनिट नं. 22 काम्पलेक्स नं. 2 वर्ल्डीह गांव स. नं. 74 ता. वसई (इस्ट) जिला ठाणा में स्थित ही (और उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-पुना मो, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन नं. 382 तारीख 12-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिराज्य के स्वार् अस्तरे रच 👑 यहाँ ही | जोर सुक्षे यह | विद्यास **करने** का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिकल से एमें इत्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन, दिवाण टावर नवधर गांव बसई रांड जि. ठाणा। दिवाण टावर नवधर गांव बसई रांड
- मेसर्स प्रकाश ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज बी 3/33 खिरी नगर एस व्ही. राड सांताक्रुभ (वेस्ट) बंबई -54।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्सूची

यूनिट नं. 22 कामलैक्स नं. 2 वल्बीह गांव स. नं. 74 ता. वसई (इस्ट) जि. ठाणा क्षेत्र 1350 स्के. फीट (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 382 ता 12-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दक्तर में लिखा हैं)।

शशिकांस कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजा, प्ना

तारीख: 16-6-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, पूना

पूना, दिनांक 18 जून 1983

निष्यंश सं. सि ए 5/37इडि/1983-84/164---यतः मुझे, शिकांत कलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्वर्त है कि रक्षावर सम्बन्धि, जिसका लियस बाजार क

25,000/-र. से बधिक हैं और जिसकी सं. मूनिट नं. 47 विवाण शाहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 पहला माला स. नं. 31., 34 (पार्ट) 36 नवधर जिला ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कायालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, नं. 537 ता. 30-11-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाएकेंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रात से बिधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्यवेषों से उक्त अन्तरण निष्तत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल इंवलपमेट कार्पेरिकान, विवाण टावर नवधर बसई रोड
 जि. ठाणा।

(अन्तरक)

 श्री प्रेमचंद सूरोक्कुमार 114/118 मानेक भवन किहान स्ट्रीट बंबई -400002।

'(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेंक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

रूपध्दिक्षरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 47 दिवाण शाहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं. 5 पहला माला स. नं. 31 34 (पार्ट) 36 नवधर बसई रोड (इस्ट) जिला ठाणा क्षेत्र 755 स्के. फीट। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 537 ता. 30-11-1982 को सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शौंशकांत कुलकणी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रुज, पूना

तारील : 18-6-1983

प्रस्यु आहें. टी. एन्. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार्

कार्याल्य, सहायक भायक र आयुक्त (निर्ोक्षण)

अर्जन रंज, पुना

पूना-411004, दिनांक 16 जून 1983

निद^{ेश} सं. सि ए 5/37ईई/1983-84/165--- यतः। मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

धायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घंचीन संग्रम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उवित वाजार मूस्य 25,000/- ४० से धिक है

और जिसकी सं यूनिट नं 3 दिवाण और बाहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नवजर गांव (इस्ट) सं नं 31 (पार्ट) 34,, 35, 36 और 37 बसई रोड जिला ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुस्पी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मं .521 ता .27-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचि त' बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिबक का में किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें बारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

 मैसर्स बसीन इंडस्ट्रीयल खेवलपमेन्ट कार्पोरिशन, दिवाण टावर नवचर गांव बसई स्टेशन रोड चि. ठाणा।

(अन्तरक)

 आर. के. मेडिकल एषेंसीज 66/70 प्रिंसेस स्ट्रीट रणवीर बिल्डिंग 2 रामाला बंबई-2।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तासील से 30 विन की भविध; यो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 3, दिवाण और शाहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नवघर गांव (इस्ट) स. नं. 31, पार्ट 34, 35, 36 और 37 बसई रोड जिला ठाणा (क्षेत्र 700 स्के. फीट) (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 521 ता. 27-11-1982 को सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में सिचा है।

> शशिकात कालकणी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी अर्जन रोज, पूना

नतः अव, उक्त निधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसर्ण भी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीष, निम्निविधित अधिकत्यों। अभीत् ॥——

तारीक ः 16-6-1983 मोहरः ः प्ररूप आर्द्, टी. एन. एस. -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन सुमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 16 जून 1983

निर्दांश सं. सि ए 5/37ईई/1983-84/166—यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

25,000/- स जायक ह

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 14 चौथा माला प्लाट नं. 35 स. नं.
17-ए फातीमा नगर (क्षेत्र 620 स्के. फीट) है तथा जो पूना
में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त अर्जन रंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-11-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिघात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 मैसर्स वैभव बिल्डर्स,
 101/102 कमला चम्बर्स 687 बुधवार पठ पूना।

(बन्तरक)

 श्री रोहितास एन कांबले सौ. अनिता आर. कांबले 32 वानवडी बाजार प्ना।

(अन्सरिती)

क्ये यह सूचना वारी करके पृत्रांक्त सम्मृत्ति के सूर्वन के ट्रैसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. 12 चौथा माला प्लाट नं. 35 स. नं. 17ए फातीमा वानवडी पूना-1 क्षेत्र 455 स्कें. फीट। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 356 ता. 10-11~1982 को सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन राज पूना के क्पतर में निसा है)।

> शशिकात कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारी**क**ः 16-6-1983 मो**हर**ः। प्ररूप नाई. डी. एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेजः, प्ना

पूना, दिनांक 16 जून 1983

निष^{क्ष}ण सं. सि ए 5/37ईई/1983-84/167---यतः म्बो, शशिकांत कुलकर्णी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. पलैट नं. 12 चौथा माला प्लाट नं. 35 स. नं. 17-ए फातीमा नगर (क्षेत्र 620 स्के. फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण रूप से विणत है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं. 357 तारीख 10-11-1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने हो स्विधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उद्धत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नडीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्रिक

मैसर्स वंभव विल्डर्स,
 101 कमला चेंबर्स
 687 बुधवार पेठ पूणे-2।

(अन्तरक)

 श्री जोसेफ आय जिस्जा 785/56 भगवान दास चाल भवानी पेठ पूणे-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुं।

अनुसूची

फ्लैट नं. 12 घौथा माला प्लाट नं. 35 सर्वो नं. 17ए फातीमा नगर वानबडी पृना-1 क्षेत्र 620 स्के. फीट। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 357 ता. 10-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पुना के वफ्तर में लिखा है)।

> शिकांत क्लकणी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जनर्जा, प्ना

तारीख : 16-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, प्णे-4

प्ना-4, विनांक 18 ज्न 1983

निवर्ष सं. सि. ए. 5/37 ई. ई. /83-84/168--यतः मुक्ते, शशिकान्त कालकर्णी,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र_र. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं. 1 पहला माला प्लाट नं. 35 स. नं 17-ए फलीमा नगर बानवाडी पुना-1 में स्थित है (और इससे उपाबवुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 545 तारीय 30-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम... (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा - केलिए:

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घको उपधारा (1) <table-of-contents> अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

7-186GI/83

(1) यैभय बिल्डर्स 101, कमला चम्बर्स, 687, बुधवार पेठ पुणे।

(अन्सरक)

(2) एच. ए. प्नावाला, 8-एन . पी . एस . लाइन्स इस्ट स्ट्रीट केंप पुना। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **से** 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1 पहला माला प्लाट नं. 35 स. नं. 17-ए, फलीमा नगर, वाववडी, पूर्ण क्षेत्र 625 स्के. फीट।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं. 545 ता. 30-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पुना के दफ्तर में लिखा है।)

> गशिकात कलकणीं सक्षरः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा, प्ना

तारोस 18-6-1983 मोहर :

प्रस्प बाइ'. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 प्ता-411004, दिनांक 16 जून 1983

निवर्ष सं. सि ए 5/37 इंक्ट्रि/1983-84/169---यतः मुभ्ने, शशिकान्त कालकर्णी,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. युनिट नं. 16, दिवाण शहा इंडस्ट्रीयल इस्टोट नं. 2, स. नं. 74, नवषर (ई), वसई, जि. ठाणा, क्षेत्र 1350 स्ववे फीट है, तथा जो जि. ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनयमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 520 ता. 27-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्विष्य से उक्त जंतरण निवित में नुस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- मेसर्स बसीन इडम्ट्रीयल डेव्हलपमेन्ट कार्पेरिकान, दिवाण टावर, नत्रधर, वसई रोड, जिल्हा ठाणा।

(अन्तरक)

मेसर्स आशा इटरप्रायसेस,
 बी 8/33, खिरा नगर,
 सांताकुज (वेस्ट), बम्बई-54।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी व पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

यूनिट नं 6, दिवाण शहा इंडस्ट्रीयल इस्टेट नं 2, स. नं 74, नवघर, बसर्हा, जि. ठाणा, क्षेत्र 1350 स्क्यें र फीट।

जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 520 ता. 27-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

शिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, प्ना

सारीक : 16-6-1983

प्ररूप बाहै. टी. एन्. एस.----

नायकर व्यापित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के व्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज,

60/61 एरंडवना, कर्व रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 16 जून 1983

निदांश सं. सि ए 5/37 ईई/1983-84/170--यतः मुक्ते, शशिकान्त कालकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं. 5, दिवाण एण्ड शहा इंडस्ट्रीयल काम्पलेक्स नं. 2, स. नं. 72/74, वलीव्ह्यांव., वसई रांड, जिल्हा ठाणा, क्षेत्र 1350 स्क्वे फीट है, तथा जो जिल्हा ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण), अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 406 ता. 12-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स भसीन इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेन्ट कार्पोरोशन, दिवाण टावर, नवघर, वसई रोड (वेस्ट), जिल्हा ठाणा।

(अन्तरक)

2. श्री व्यंकटशवर इंडस्ट्रीज, 1, नाक्होल्टी प्रिटीग वक्स कम्पनी, एस. व्ही. रोड, दहीसर (ई), बम्बई-400068।

(अंग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ऱ्राजियत्र में प्रकाशन की तगरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगै।

स्पष्टीकरुण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

युनिट नं . 5, दिवाण एण्ड शहा इन्डस्ट्रीयल काम्प्लेक्स नं . 2, स . नं . 72/74, वलीव्ह वसई राड, जिल्हा ठाणा, क्षेत्र 1350 स्ववं . फटि।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 406 ता. 12-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण), अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

्राशिकान्त क लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

्रता**रीख**ः 16-6-1983

मोहरः

प्ररूप आह् .टी.एन.एस.------

आयकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 16 जुन 1983

निवर्ष्य सं. सि ए 5/37 ईई/1983-84/171--यतः मुक्ते, घिषाकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/नुरु से अधिक हुं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 17, शिवगंगा हाउसिंग स्कीम सं. नं. 135 (पार्ट), कोथरूड पूना-29, (क्षेत्र 813 स्कवं फीट) है, तथा जो पूना-30 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. ता. 12-11-1982

(1908 का 16) के अधीन, नं ता 12-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से, एसे ब्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्रत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्री

- में ताम्हणकर आगरकर एण्ड कम्पनी,
 1535 सदाशिव पठ, तिलक रांड, पुण-30।
 (अन्तरक)
- श्री लक्ष्मीकान्त चन्नशंखर इनामदार, सो निर्मला चन्नशंखर इनामदार, वासी 1293 सदाशिव पेठ, काँगिल हाउसिंग सीसायटी, पूर्ण-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

पर्लंट नं 17, शिवगंगा हाउसिंग स्किम, सं. नं 135 (पार्ट), कोथरूड, पूना-29, क्षेत्र 813 स्क्वे फीट। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 859 ता 12-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रोज, पूना के प्रसर में निक्षा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुना

तारीक: 16-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई⁵. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 18 जून 1983

. निर्दोश सं. सि ए 5/37 ईई/1983-84/172--यतः मुक्ते, शशिकान्त कृलकर्णी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसन इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फ्लंट नं 14, "बी' विंग, चौथा माला, आनंददीप बिल्डिंग नं 3, पंडसं नगर रोड नं 2, चौलोगंव, डॉबीवली (इस्ट), जिल्हा ठाणा, क्षेत्र 417 स्क्वे. फीट है, तथा जो जिल्हा ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बाधीन नं 311 ता 5-11-1082

के अधीन, नं 311, ता 5-11-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का
पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अष्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मोसर्स एल . व्ही . पटोल एण्ड कम्पनी , 14 महाबीऱ बिल्डिंग , सेन्ट्रल बैंक , एल . बी . शास्त्री मार्गा, घाटकोपर (वेस्ट) , बम्बई -400086।

(अन्तरक)

2 श्री रामपल्ली टी. कृष्णमूर्ती, वासी दुर्गा निकेतन, दूसरा माला, फ्लैट नं 6, स्टोशन रोड, ठाकूर्ली (इ), जिल्हा ठाणा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

फ्लैट नं. 14, बी ''विंग'', चौथा माला, आनं**ददीप** बिल्डींग नं. 3, पेंडसे नगर रोड नं. 2, **चौलेगांव, डॉबी**-वली (इस्ट), जिला ठाणा, क्षेत्र 417 स्क्ले फीट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 311 ता. 5-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज. पना

तारीक: 18-6-1983

मोहर 🚁

प्रकल आहे. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रंज,
60/61 एरंडवना, कर्ने रोड, पूना-411004
पूना-411004, दिनांक 18 जून 1983

निवर्षा सं सि ए 5/37 ईई /1983-84/173---यतः मुक्ते, अधिकान्त कुलकणीं,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5000 - र पये से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 9, ए विंग, आनंददीप बिल्डिंग नं 3, पेंडसे नगर रोड नं 2, चौलगाव, डोंबीवली (इस्ट), जिला ठाणा, क्षेत्र 506 स्क्वे फीट है, तथा जो जिला ठाणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 310, ता नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास, करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् ड्र— मेसर्स एल. व्ही. पटेल आणि कम्पनी,
 14 महावीर बिल्डींग, सेन्ट्रल बैंक के पास,
 एल. बी. शास्त्री मार्ग,
 भाटकोप्त (बेस्ट), बम्बई-86।

(अन्तरक)

 श्री के. कासी, वासी 163/5099, कन्नमवार नगर, विभोली (इस्ट), बस्बई-83।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकों ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

प्लाट नं. 9, ए विंग, आनंददीप बिल्डिंग नं. 3, पेंडसे नगर रोड नं. 2, चौले गांव, डोंबीचली (इस्ट), ज़िला ठाणा क्षेत्र 506 स्क्वे. फीट।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 310 ता. नव्हम्बर, 1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में तिला है।)

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

ता्रीखः: 18-6-1983

स्रोहर 🕾

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 24 जून 1983

निवांश सं. सि ए 5/37 ईई/1983-84/174---यतः मुक्ते, शशिकान्त कुलकर्णी,

मायकर मिंपनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं सी-8, बिल्डिंग नं सी, डांगशी पार्क, प्लाट नं 260, बंड गार्डन रोड, सि. ए. नं 19, संगम वाडी, पृणें ही, तथा जो पूना में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं 878, मार्च, 1983 को पूर्वेक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितां) के वीच एसे अन्तरक के लिए तय पाता गया प्रतिफल की निम्नलिखित सद्वरेष से उक्त अन्तरक (सिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संतुष्टं किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— डागेशी मंशीन कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटोड,
 वंड गार्डन ट्रोड, पूर्णे।

(अन्सरक)

मिसेस लालोंग होमी इरानी,
 श्रीमती कादमीरा आर. इरानी,
 श्री रशीद होमी इरानी, वासी
 जोली हायराइज अपार्टमेन्टस,
 बी बिल्डिंग, 5 माला,
 पाली माला रोड, बांद्रा, बम्बई-50।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कींगे।

स्यध्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त ज्ञा और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्भावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. सी-8, बिल्डिंग सी, डोगशी पार्क, प्लाट नं. 260, 22 बंड गार्डन रोड, सि. सं. नं. 19, संगम बाडी, पूर्णो, क्षेत्र 199.27 स्कवे. मिटर्स।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 878 ता. 14-3-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

षशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, प्ना

तारील : 24-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप नार्द्ध टी_ट एन् , प्रथ करावार

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, पुना

· पूना-411004, विनांक 24 जून 1983

निर्देश सं सि ए 5/37 होई/1983-84/175--यतः म्भे, शशिकान्त कुलकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 284, सि. स. नं. 4428, वार्ड नं. 6, घर नं. 333, कनसी संक्षन, अंबरनाथ, सर्वोदय को-आपरेटिव सोसायटी, अम्बरनाथ (क्षेत्र 504 स्क्वे. यार्डस) है, तथा जो अंबरनाथ में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुस्त्वी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 874/83-84, ता. 19-3-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफस निम्नृतिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित् में आस्तिक स्थ से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) शन्तरण वे हुई हिस्सी बाय की बाबत उक्त शिथ-शिवम के ज्वीन कड़ दोने के बन्तरफ के वामित्व में कसी कड़ने वा बससे व्यन में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य नास्तियों की, चिन्तुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड़ निष्टियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए?

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित स्पिनियमों, अर्थात् :-- श्रीमती सूलभा बालकृष्ण दिलवे, वासी
ए-5, मोहन नगर, हील राड,
खुना भट्टी, सायन, बम्बई।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री विजय त्र्यम्बक गदन,
 - (2) श्री गोपाल आप्पाजी जींदे,
 - (3) श्रीमती स्निता मोरेश्वर केलकर, रौषिडिंग प्लाट नं 284, कनसी सेक्शन, अम्बरनाथ।
 - (4) श्री अरुण गोविंद जींदे, वासी प्लाट नं. 185, कनसी सेक्शन, अम्बरनाथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकिस संपत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 284, सि. स. नं. 4428, बार्ड नं. 6, घर नं. 333,, कनसाई संक्शन, अम्बरनाथ, सर्वोदय को-आप-रेटिव हाउसिंग सोसायटी, अम्बरनाथ (क्षेत्र 504 स्क्वे. फीट)।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 874/83-84 ता. 19-3-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकान्त क_ुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीय : 24-6-1983

- ----

प्ररूप बाइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, पूना-411004,

पूना-411004, दिनांक 4 जून 1983

निदर्भ सं. सि. ए. 5/37 ई. ई./1983-84/176--यतः मुक्ते, शशिकान्त कालकणीं, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तुं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिँसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. प्लौट नं. 412 सिविंग चौथा माला गुलमोटर 2420 जनरल थिमय्या रोड पुना-1 क्षेत्र 1297 स्के. फीट है तथा जो पूना-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पुना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 513 ता. 27-11-1982 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के व्ययमान . प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल रिनम्नलिखित उद्देश्य से उक्तः अंतरण लिखित में

> (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- 1. श्री विद्यामित्र आणि राठी 103 स्मभ चेम्बर्स 1149, सदाशित्र पेठ प्ण-30। (अन्तरक)
- श्री मोशिन अब्दुल हुन्नैन सुरती सी./आं. श्री फकरुद्दोन घीवाला 78 एम. जी. रोड ग्रीन फील्ड के उत्पर पुना ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लौट नं. 412 सि विंग चौथा माला गुलमोहर 2420 जनरल थिमय्या रोड पुना-1 क्षेत्र 1297 स्के. फीट।

(जैसे की ,रिजिस्ट्रीकृत नं. 513 ता. 27-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकान्त क्लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीख: 4-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेजा, पूना

पूना-411004, दिनांक 24 जून 1983

निद⁵श सं. सि ए 5/37ईई/83-84/177---यत प मुझे, शशिकांत कुलकर्णी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संजागासिसः नं 1212 सः नं 230/1-प हडपसर जि. पूणे (क्षेत्र 682 स्के. फीट प्लाट) क्षेत्र 7623 स्के फीट है तथा जो पूना (हडपसर) में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नं. 275 ता. 2-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री प्रहलाद शंकर शिखरे होल्डोंग पावर आफ अटोरनी फार अदर आठ "अमिना मैनशन" रूम नं. 7 धारवी पोलीस स्टोशन के सामने बंबई -17।

(अन्तरक)

श्री किशोर बाबुराम महोन्द्रकर
 52/53 घोरपडी बकार
 पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

रिकामी जागा सि. स. नं. 1212 सं. नं. 230/1-ए हडपसर जि. पुणे (प्लाट का क्षेत्र 682 स्के. फीट) और जागा क्षेत्र 7623 स्के. फीट (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 275 ता 2-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में तिखा है।)

शिक्षकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 24-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निऱिक्षण) अर्जान रोज, पूना

पूना, दिनांक 2 जुलाई 1983

निवर्षा सं. सि ए 5/एम आर/920/83-84--यत: मूझे, शशिकांत क्लकर्णी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है"), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही और जिसकी सं. सर्वे नं. 92/1/1-ए/1 मिरज है तथा जो जिला-सागली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुय्यम निबंधक मिरजना। में, रजिस्ट्रकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील नवस्थर 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अस्यारेश की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त समासि का स्थित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत अधिक है और यंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिली (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/मा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनूसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चत ब्युक्तियों अर्थात् :---

- . (1) श्रीमती म्हैराजबी अमिरुव्यीन अक्षणीकर,
 - (2) सी. रशिया अब्बूल हमीव भोकर
 - (3) सौ बंबीसारा एम भोकरो
 - (4) जेवर देदीन भोकर भोकर गली, मिरज जिला सांगली।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री कोशव कृष्णा सांडी
 - (2) शंकराव नारायणराव चव्हाण
 - (3) रावसाहोब राम् आमासे बेडग तालुका मिरज जिल्हा सांगली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यिष्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सर्वो नं. 921/1ए/1, मिरज जिला-सांगली क्षेत्र 53आर है। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1568, तारीख नवम्बर 82 को द्य्यम निबंधक मिरज ।। के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज, पुना

तारीब : 2-7-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रोज, पूना

पूणे-411004, दिनांक 23 जून 1983

निवर्षा सं सि.ए. 5/909 एस आर निफाड/83-84 --यतः मुभे, शशिकांत कृतकणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. गट नं. 329/1 कोथ्र तालुका निफाड है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य दुय्यम निबंधक निफाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन् या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था फिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री दत्तामय वास्दिव बर्वे (2) श्री रामानंद पूरु-षोत्तम बर्वे (3) श्रीधर प्रुषोत्तम बर्वे (4) मधुसूदन बर्वे (5) क्. माधुरी प्रूषोत्तम बर्वे (सौ. माधुरी वसंतराव मराठे) (6) सरस्वती प्रुषोत्तम बर्वे (सौ. रश्मी प्रकाशराव आजरकर कोथुरे ताल्रका निफाड जिला नासिक)

(अन्तरक)

2 बाला साहोब रंगनाथ खापरो जगांव तालुका निफाड जिला-नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मस्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां बुक्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45' दिन की जबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थावता में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सर्वों नं. 329/1, कोथुरो तालुका निफाड जिला नासिक क्षेत्र 2 होकेटयर 81 आर. है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 1857 जो नवम्बर 82 को बूप्यम निबंधक निफाड के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत क लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना

तारीख : 23-6-1983

प्रकृप माई. टी. एन. एस्.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक सायुक्त सायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

पुणे-411004, दिनांक 23 जून 1983

निर्देश सं. सि.ए. 5/910 एस आर निफाड/83-84-----यतः मुफ्ते, शशिकांत कुलकणी,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कीथूर गट नं. 329/1 तालका निफाड है तथा जो जिला नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्की में और पूर्ण रूप से विधान है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्यम निबंधक निफाड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को प्रोंक्त संपरित के ज़िष्त बाजार मूल्य से कम के रहधमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- ख) ऐसी किसी बास या किसी बन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्रीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. (1) श्री क्तामयवासुबेय वर्षे (2) श्री रामानंद पुरु-षोत्तम वर्षे (3) श्रीधर पुरूषोत्तम वर्षे (4) मधुसूदन पुरूषोत्तम वर्षे (5) सौ माधुरी वसंलराव मराठे (6) रक्ष्मी प्रकाशराव आजरकर (7) सूमन बार्ष पुरूषोत्तम वर्षे कोदुरे तालुका निफाड जिला-नासिक

(अन्तरक)

 जगन्नाथ तुकाराम खापर कोदुर तालुका निफाड जिला-नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया है।

अमृस्ची

गट मं. 329/1 कोद्रे तालुका निफाड जिला नासिक क्षेत्र 2 हे. 81 आर है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1856 तारीख नवस्वर 82 की द्रायम निवन्धक निफाड के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षकांत क लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारी**स**: 24-6-1983

मोहरः

प्ररूप आहु". टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेज, पूना

पुना-411004, दिनांक 18 पुन 1983

निदर्श सं. सि.ए. 5/37 ई ई/1983-84--यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उथल, अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 1724 सदािषाव पेठ पुणे 30 क्षेत्र 167.2 स्के. मीटर है तथा जो पूना 30 में स्थित है (और इससे उपावस्थ अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1.6) के अधीन, नं 290 तारीख 4-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः ज्व, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नुलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— सुहास गोपाल कुलकणी

 1724 सदाशिव पेठ
 पृणे-30

(अन्तरक)

 (1) शंकर हरी थर्न
 (2) श्रीमिति पृष्पा शंकर थर्न दोनो 1712/1 बी सर्वाशिव पेठ पृणे-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जात सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अओह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिस है, वहीं मुर्थ होगा जो उस् मध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

1724 सवाधिव पेठ पुण-2 क्षेत्र 167.2 क्षेत्र मीटर. (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 290 ता. 4-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शक्षिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन <u>र</u>ेण, पूना

तारीख : 18-6-1983

मोहर ःः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज.

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 22 जून 1983

निर्धेश सं. सि ए 5/37 ईई/1983-84/179--यतः मझे, शशिकान्त कालकर्णी, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- र_ॅ. से अधिक ह और जिसकी सं. गोडाउजन नं. 342 (लीज प्लाट) कृषि उत्पा-दन बाक्षार समिति गुलटोकडी पुना-37 क्षेत्र 1300 स्क्वे. फीट है, तथा को प्ना-37 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नं 536/ता नवम्बर, 82 का पर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उत्यमान प्रतिकल से, एसे उत्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

श्री रामिनवास रामनारायण अग्रवाल,
 10 एलफीस्टन रोड, बोपोडी,
 पुना।

(अन्तरक)

2. श्री कनायालाल भजनलाल अग्रवाल, 854, रविवार पेठ, पुणे।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- ち

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पस्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो , उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोडाउन नं. 342 (लीज प्लाट) कृषि उत्पादन् बाझार समिति, गुलटोकडी, पुना-37, क्षेत्र 1300 स्क्ले. फीट। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 536 ता. नवम्बर, 1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रिज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त क्लकैणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीख : 22-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 22 जून 1983

निर्दोश सं. सि ए 5/37 इंडि/1983-84/180— यतः मुझे, शशिकान्त कुलकणीं, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. गोडाउउन नं. 343 (लीझ प्लाट) कृषि उत्पा-दन बाझार समिती गूलटेकडी, पूणे-37 हो, तथा जो पूणे-37 में स्थित हो (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं. 544/नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों. अर्थात :---

 श्री सत्यदेव एस. अग्रवाल, संतोष होटल, औध रोड, पूर्ण-3।

(अन्सरक)

 श्री लेखराज भजनलाल अग्रवाल, 854, रिववार पठ, पुण-2।

(अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोडाउन नं. 343 (लीज हाल्ड प्लाट) कृषि उत्पादन बाझार समिती, गृलट कडी, पूणे-37, क्षेत्र 1300 स्क्वे फीट (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं. 544 ता. नव्म्ब्यूर, 82 की सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंजा, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

ारीखः 22-6-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

60/61 एरंडवना, कर्व रोड, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 27 जून 1983

निवां सं. सि ए 5/37. ईई/1983-84--यतः मुझे, शशिकान्त कुलकणी,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 302, तिस्रा माला, प्लाट नं. 19., रू. नं. 17, वानवज्ञी, पूणे-1 है, तथा जो पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं. 96/83-84 ता. 6-4-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई है और म्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (ख) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--9—186 GI/83 मेसर्स एम के एन्टरप्राइसेस, 616, नानापेठ, पुणे-2।

(अन्तरक)

श्री आर. लेखो.,
 नं. 12, सिमर अपार्टमेन्टस,
 बंड गार्डन रोड, पुना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 302, तिसरा भाला, फ्लैट नं 19, रू. नं 17 वानवाडी, पूर्ण, क्षेत्र 740 स्क्वे फीट। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 96/83-84 ता 6-4-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, प्ना के विकार में लिखा है।)

शशिकान्त कर्लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना

नारी**स** : 27-6-1983

मोहार 🔅

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज्

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 9 जून 1983

निर्वोश सं. सि ए 5/37 ईई /83-84/183--यक्त: मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी.,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 305, प्रविण पैलेस, फ्लैंट नं. 37/38, रू. नं. 5, 6, 7, नवहारगांद, ता. वसर्हा, जि. ठाणा, क्षेत्र 630 स्ववे. फीट है, तथा जो जिल्हा ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीय नं. 327 ता. 8-11-1982

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फ्रेयह िह्हाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तस्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के िए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया एसा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— मे. विश्वकर्मा बिल्डर्स,
प्रविण पैलेस,
विश्वकर्मा निवास, स्टोशन रोड, वसई (वेस्ट),
जिल्हा ठाणा।
 (अन्तरक्

श्री तिरुविनवमाला लक्ष्मण कृष्णन, सी/ओ इंडियन आइल कारपोरोशन लिमिटोड, प्राडकट एक्सचेन्ज डिपार्टमेन्ट, बम्बई-34। (अन्तरिर्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो व अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं. 305, प्रविण पैलेस, फ्लैंट नं .37/38 रू. नं. 5, 6, 7, नवघर गांव, त. बसर्ड, जि. ठाणा, क्षेत्र 630 स्वयं. फीट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं. 327 ता. 8-11-1982 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्स कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

सारीस : 9-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

पुना-411004, विनांक 9 जून 1983

निवर्षे सं. सि ए 5 /37 ईई/1983-84/184--यतः मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी.,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 32, चौथा माला, ए वींग, मध्बन अपार्टमेन्ट्स, घनज्ञाम गूप्तं पथ, डोंबीयली (वेस्ट), जि. ठाणा क्षेत्र 386 स्क्बें फीट हैं, तथा जो जि. ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्थन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं 518 ता 27-11-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में थास्तिबक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसन व्यक्तियों, अर्थात् :-- मे. गांधी आणि अमरसी,
 10, जे. एन. होरांडीया मार्ग,
 बलार्ड इस्टेंट, बम्बई -400038।

(अन्तरक)

 श्रीमती श्रीलेखा सिंग, सी/ओ सरवार ओम प्रकाश सिंग, सी/ओ एन. आर. चैटर्जी, डेपूटी मैंनेजर, क्यू. नं. सी आई/VII/6बी, औरडीनस इस्टोट, अंबरनाथ-421502।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं 32, चौथा माला, ए वींग, मधूबन अपार्ट-मेन्ट्स, घनशाम गुप्ते पथ, डोंबीवली (वेस्ट), जि. ठाणा, क्षेत्र 386 स्क्वे फीट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 518 ता 27-11-1982 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में निखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, पूना

तारीख: 9-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

60/61 एर डवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 30 मर्६ 1983

निर्दोश सं सि ए 5/37 ईई/1983-84/185— यत: मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी.,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 512, के. पी. टावर 1, प्लाट नं. 2, हिस्सा नं. 8, रू. नं. 17-ए, वानवडी, पूना (क्षेत्र 620 स्क्वे. फीट) है, तथा जो पूना-1 में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण), अर्जन रंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)। के अधीन, तारीक नं. 306 ता. 5-11-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक, जिम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उमत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन मा जन्य ब्रास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्तिया के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मेंं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिन्तित व्यक्तिसायों, अर्थात ः——

- मेसर्स परमार कन्स्ट्रकशनस,
 321/3, न्यु टिम्बर मार्कीट रोड, पूना-2।
 (अन्तरक)
- श्री रिवन्त्र दिगम्बर गोसावी,
 15, मृकनुद नगर, पृना-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं. 512, को. पी. टावर 1, प्लाट नं. 2, हिस्सा नं. 8, रू. नं. 17-ए, वानवडी, पूना (क्षेत्र 720 स्क्वे. फीट)।

और की रिजस्ट्रीकृत नं 306 ता. 5-11-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर मे लिखा है।

शशिकान्त कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, प्ना

तारीस : 30-5-1983

प्रक्प नाई. टी. एन. एस.------

e du amente mada de apolició de la decario de colongen de la col

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

. भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 60/61 एरंडवना, कर्व रोड, पूना-411004 पूना-411004, विनांक 23 जून 1983

निवांश सं. सि ए 5/37 ईई/1983-84/182---यतः मृक्षे, शशिकान्त कालकर्णीः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्नास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक ही

और जिसकी सं प्लाट नं 16, बिल्डिंग 'अ', हायवे वर्षन को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ठाणा (वेस्ट), क्षेत्र 475 स्क्वे फीट हैं, तथा जो ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्र्हा अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रंज, पना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं 873 ता 13-6-83

को पर्वोक्त सम्पत्ति के छिषत बाजार मूक्य से कम के दृश्यतान प्रतिकत के लिए अलिएत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यवापूर्वोक्त सल्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान परिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय गाया गया चित्रकल, निम्निश्चित सहेथ्य से उन्त अन्तरण निश्चित में वास्तिबक रूप से कियत गृही किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भ्रम्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिविनयम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम; या ध्रमकर ध्रिविनयम 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ भ्रन्ति सी द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के थिए;

अत: प्रव, उक्त ग्रधिनियम का धारा 269-ग के अमु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 299-व की उपचारा (1) वे प्रजीत. निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:—

- श्री विजय जी केतवानी,
 ए/16, हायदर्शन को-आपरटेविह हाउसिंग सोसायटी, मोहजी सुन्दरजी राड, नौपाडा ठाणा, जिल्हा ठाणा।
 (अन्तरक)
- श्रीमती जानऋिका ऋी क्रांडीया, कृष्ण निवास, एम. जी. रोड। ठाणा।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों दूर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि , को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीच से
 45 दिन के चीतर अक्त क्यावर संचीत में
 हितबस किसी सन्य व्यक्ति क्षारा, स्वोह्स्ताखरी
 के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

रणस्त्रीक्षरणः :-- इसमें प्रगुक्त सम्बोधीर वर्षोका, को उनस श्रविनियम के सम्याय 26-क में परिकाषित हैं, वही सर्व होगा जो उस सम्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 16., बिल्डींग 'ए', हायवे वर्शन को-आपरोटीकु हाउसिंग सोसायटी लिमिटंड, ठाणा (वेस्ट), क्षेत्र 475 स्वयं प्रिट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं 873 ता 10-12-1982 को सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र्रेज, पूना औं स्पत्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कृतकर्गी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ः अर्जन रोज, पूना

तारीख: 23-6-1983

प्रकृष् बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, मद्रास

मधास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निविश सं. 17780—यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मार जिसकी सं. 50, है, तथा जो जानस रोड, मद्रास-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सीत जाक मेंट 3745-3747/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के खश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष से किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त व्यधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्तिभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए;

1. श्री दरम चंद धुलेचा और अदरस ।

(अन्तरक)

2. श्री पन्नीरसेलवम और अदरस ।

(अन्तिरती)

को यह सुचना आरी करके पृवरिक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

भूमी और निर्माण-50, जोनस रोड मग्रास-15 (डाक्र्मेंट सं. 3745-3747/82)

आर. **पी**. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, छक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीब : 4-7-1983

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मबास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निदेश सं. 17845--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं अर्ौर जिसकी सं. आर. एस. 67/78, है, तथा जो मेलापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेलापुर (डाक्ट्रमेंट 1436, 1437,1438,1439/82) में भारतीय ,रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिर्फल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री लकाशमनं और कृष्णम्माल

(अन्तरक)

2. वैठ अन्नेकसर

(बन्तरितीं)

- 1. बीवर कनस्ट्रकशन कम्पनी, 38,10 अवन्यू अशोक नगर, मदास-83।
 - 2. अरोग, 28, मृंगमबासम है रोड मग्रास-34 ।
- 3 न्राटिम लाल कालरा, 168, फ्रीफाफटस रोब, सदास-14।
 - 4. ओ. पी. बल्ला-6, रिची स्ट्रीट, म्यास्-21

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन की सिष्ट् कार्यवाहियाः करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उत्रत स्थावर सम्मत्ति में हित क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अलह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

भूमी-आर. एस. 67/78, मैलापूर (डाकाूमेंट 1436—1439/82)

> नाइ. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिका) अर्जन रोज, मद्रास

तारीख*ः 4-7-*1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री एस. पालपाठी, कार्यिलराज ।

(अन्तरक)

भागकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

2. श्रीमती सरसवती ।

(बन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज्, मद्रास

मग्रस, दिनांक 4 जुलाई 1983

निद्येश सं. 17786---यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, बायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के जभीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ही **औ**र जिसकी सं. सर्वे 51/2, है, तथा जो विरुगमबासम, **पदास-92** में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विचित्त हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, विरुगमबाखम (डाक मेन्ट 1217/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल से, एसे द्रुयमान प्रतिफल का नम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिकित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किसीन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए, था, छिपाने में स्विधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

भूमि -सर्व[°] 51/2, विरुगमबालम। (डाकूमेन्ट 1217/82)

> आर पी पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, मद्राग

अन्तः अव्यः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :----

तारीख : 4-7-1983

प्ररूप बाई• टी॰ एन• एस•----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की झारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निदेश सं. 17786---यद्भः मुभ्ते, आर्. पी. पिल्ली, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं सर्वे 51/2, है, जो विरुगमबाखम मदास-92 में स्थित है (और इससे उपाबदुध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विरुगमबाखम (डाक -मेन्ट 1216 , 1218 / 82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तेयह विद्यास् करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, धसके दुश्यमान प्रतिफाम से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है भौर धन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—186GI/83

1. श्री संगपांठियन और सेलवराज।

(अन्तरक)

2. श्री बिनता के बट अनंतु बट।

(अन्तरिसीं)

ाते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस नूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखें से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताकारी के
 पन्स क्रिकिन में किए जा सकेंगे।

हराबतीकरण:--इसमें प्रयुक्त नग्बों ग्रीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में वियोगिया है

अनसर्च

भूमी आर. एस. 51/2, विरुगमबासम् मद्रास-92 । (डाक्रमेन्ट 1216, 1218/82)

> आर पी पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रज, मुद्रास

तारीख ः 4*-*7-1983

मोहर 🖫

प्रकृष् भाष्टी , टी., पुन्,, एस्., त = व - व-

1∴ श्रीहुसेन ।

(अन्तरुक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुचना 2 श्रीश्रीदर i

(अन्तरिती)

भारत् सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, मग्रस

मकास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निविध सं. 17843---यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत् अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- व के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर** सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/- रतः से अधिक है **अरि जिसकी** सं प्लाट 24, रामकृष्ण नगर है, तथा जो मद्रास 28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक मेन्ट 1453/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्थार 1982 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मं^स कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; बाँड/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (आ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमी-प्लाट 24, रामकृष्ना नगर, मुब्रस-28 [] (डाक्रूमेन्ट 1453/82)

आऱ् पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर् आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज, मुक्सस

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

तारीख । 4-7-1983 मोहरु । ः प्रकल कार्याः हो : एकः एकः ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन राज्, मद्रास

मब्रास, विनांक 4 जुलाई 1983

निद्शेष सं. 17843—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

नार जिसकी सं. 24, रामकृष्ना नगर है, तथा जो मझस-28 में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (आकूमेन्ट 1454/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्ववेश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आग की धानत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्ने या उससे बुनने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्व वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 , श्री हुसेन् ।।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुसीला ,।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप≾--(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक त 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्यु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए !

(स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पाइ सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिवा गया है।

अमृसूची

भूमी-प्लाट 24, रामकृष्ना नगर, सकीम, मन्नास-28। (डाक्रूमेन्ट 1454/82)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज्, मुक्रास

तारीख □ 4-7-1983

मोष्टर 🖫

प्ररूप मार्च ही ुएग् एस ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, मद्रास

मदास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निद्धा सं. 17782—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 38, जी एन मेंट्टि रोड है, जो मुझास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से मिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाक् मेन्ट 3405—3415/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के हिन्दु; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भी प्रतीय आय-कर अधिकारी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धराकर अधिनियम, या धराकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा अहे लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— अनकर् त्यनटरप्रसस ।

(अन्तरक)

2. बैठी अन्तेकसर ।

- 1. रा. थी. जयचंद्रन, 107, लस चरच रोड, मद्रास-4।
- 2. आर. एस. नारायन, 14 वी, पंधादरन मुदली स्ट्रीट, मग्रास-34 ।
- 3 जानकी विसवनातत डाक्टर श्यामला कृष्न, मल्लिका धनसन्ति, घोपालकृष्ना रोड, मद्रास-17।
- 4. सी. ठी. सुबुमनियम, 1/8 बी. ब्लाक, अन्नासीले, मधास-6।
- 5. कीरन एस. कातरे, 128, सेयनंत मेरीस योड, मुद्रास-18।
- 6. मारुती आर. कातर 129, संयनत मोरीस रोड मन्नास-18।
- 7. के. श्रीनिवासन, 4, बनक स्टाल स्ट्रीट सी /ओ. शा. वाल्लस कमपनी, कलकत्ता-।
 - 8 विजया श्रीनिवासन पी 600, केयटोल्ला, कलकत्ता-29
 - 9. कमला रामचंद्रन, 129, बरिकट रोड, मद्रास-17 ।
- 10. थी. रामसुब्रमनियन, ए 7/ए 2735, नेताजी नगर नयी दिल्ली-110023 ।
- 11. पी. के. बालकृष्त ई 63, बदवार पारक, कोलाबा, बाम्बे-5 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पतों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस सुध्याय में विया गया है।

अनुसूधी

भूमी-38, जी. एन. चेंट्टि रोड, मन्नास-17 । (डाक्रमेन्ट 3405--3415/82)

> आर. पी. पिल्ल सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मक्सार

तारीख: 4-7-1983

महर:

प्रस्थ बाह्ं. टी..पन्. एस . ------

्र नायकर वर्षित्यम्, 1961 ((1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्प्रीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, मद्रास

मग्रास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निद्येष सं. 17774—यत:, मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,060/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 3/4, किलफटन, अनतु स्ट्रीट हैं, तथा जो कुणम, सेनतोम मदास में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सीत (डाक मेन्ट 3909—3912/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण पीहुई किसी लागु की वाबतु, उक्त जीभीनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के वास्तिय में कमी करने या उससे व्यन्ते में सूर्विधा कें किए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया बाना वाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

मतः ब्रंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उष्भारा (1) के अधीन, निम्नलिखीत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) राम श. पारतसारती ।

(अन्तरक)

(2) बाइड्र अन्नेकसर ।

1. आर. घोषिंद, फ्लेट 4, 16 **रोड, शिवक**ुन्**ज, चेम**-बुर बाम्बे।

2. राजकामार, 52, बीमन्न मुक्ली घारठन स्ट्रीट मद्रासु-4

3. शानता विसवनातन, 20 रोठि्ठ रायर टोनक, कुम-बकानम ।

4 . बार माला . 15, बालाजी वर्वनयू । स्ट्रीट, मग्रास-17 (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृशांक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तासीच स्ते, 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-नव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा स्थाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीक एणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, ओ. उबस् अधिमित्रम के अध्याय 20-क नमें परिभाषित ही, यही अर्था, होगा मो जन्म अस्यस्य से दिक्ता गया ही।

अनुसूची

भूमि-3/4, कलिफटन, अनत् स्ट्रीट कृप्यम, सेनतीमः,। मग्रास । (डाक्रूमेन्ट सं 3909--3912/82)

> आ<u>र्रः</u> पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज्, मुद्रास

तारील ा 4-7-1983 मेहर्ड प्ररूप आहें, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्षांसय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>ोक्षण) अर्जन रेज्, मदास

मधास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निवेश सं. 17775—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लें, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टूचत बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं और जिसकी से. टीं. एस. 75, हो, तथा जो इश्वाठुतानगल सैवापेट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हों), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (शक् मेन्ट 3848, 3849, 3850/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम औं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधिक व्यक्तियों, अधित् ः— 1. श्री पी रावाकृष्य ।

(अन्तरक)

2. श्री पी. नारायनं और अवरस ।

(अन्तर्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क्र में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी-टी. एस. 75, इंग्वाठुतानगल सैदापेत (डाकूमेन्ट 3848, 3849, 3850/82)

> आर∴ पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रुज, मद्रास

तारीख : 4-7-1983

मोहर 🖁

प्रकृष वाद्र दी हुन् । प्रस्तानननन

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निचेश सं. 17838---यतः मुभ्ते, आहरः पी. पिल्ले, भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अभिक है और जिसकी सं. 669, है, तथा जी मींट रोड, मन्नास-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौरनटलटस (डाकामेन्ट 776/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्वर 82 क्यों पूर्वेक्स सम्पर्तित के उमित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

-) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- ाः श्रीमती लिला पठमा चोर्राठिया द्वियल प्रसटेटसः। (बन्तरक)
- श्री कौलाशचंद चोर्ठिया।

(बन्तरिकी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः संस्पत्ति के कर्षम् के जिल्लु कार्यवाहियां करता हुं। उकत संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्हीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हाँ।

वन्सूची

अनिटिवैटेड शेर-भूमी-669 मॉॅंट <u>रोड, मन्नस-6</u> (डाक्रूमेन्ट 776/82)

> आर. पीं. पिरुले समान प्रापिकारी सहायक जायकर भागुक्त (निर्देशका) अर्जन हर्जन-१११_{२)} मन्नास

तारी**व** । 4-7-1983 मोहर । प्ररूप आहें.टी.एन ्एस . -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज-११, मद्रास्

मग्रस, दिनांक 4 जुलाई 1983

निदेश सं. 17838---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. 669, हैं, तथा जो माँट रोड, मन्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाधवध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाकूमेन्ट) 772,775/82) में भारतीय ,रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, नवम्बर 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल . का पन्त्रहं प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती लिली पदमा चोर्टिया रियल । रासटेटस । (अन्तरक)

2 ् श्रीमती जमपा बाय पठमा चोरठिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अनिठिबैठेड घोर-भूमी-669, मींट <u>दां</u>ड मम्रास-6। (डाक्यूमेंट 772, 775/82)

> आ<u>र</u>. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रोज-।।, मद्रास

अतः। अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :—

तारीख : 4-7-1983

मोक्स्य 👸

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, मदास

मदास, दिनांक 4 जुलाई 1983

निदंश सं. 17838--यतः मभ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अभिक हैं और जिसकी सं. 669, है, तथा जो मींट रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीमनटलटस (डाक्रमेट 773, 774/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नदम्बर 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्यदेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--11-186GI/83

- 1. श्रीमती लिली ५ठमा चोरिठया रियल रासटेटस ।
- 2. श्री नावल चौरिठया है मनद चौरिठया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (ख़) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स**े** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

रांबल भाग-भूमी-669, मोंट रोड मदास-6 (डाक् मेंट 773, 774/82)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रें भ-।।, मदास

तारीख : 4-7-1983

म(हुर 🖫

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निविश नं /ए. पी. नं . 4445 और 4448---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृह्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है, रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नदम्बर 1982

- को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उतिन बाजार मूख्य से कम के दृष्य-मान प्रतिकृत के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास बरने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उतके दृष्यमान प्रतिकृत में ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का पश्चक्क प्रतिगत धर्षिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) प्रीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीज ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाय। चया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में कारतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण लिखित में
 - (का) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/बा
 - (च) एसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चोहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सम् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बुगरसिंह पुत्र चत्तर सिंह वासी जलालाबाद रोड, मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभा सचद वा पत्नी डा. जगदीश सिंह वासी जलालाबाद रोड, मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूबना जारो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्टि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो प्लाट मृक्तसर में स्थित है जैसा कि विलेख नं 2570 और 2621 दिनांक नवम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मृक्तसर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्**धर**

वाराब : 8-7-1983

भोहर :

प्रकृष मार्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

ि निदोश नं ∕ए. पी. नं. 4446 और 4447--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नदम्बर 1982

10) पर जियान, ताराख नयस्थर 1902
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
गितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुई किशो आत्र की बाधत, उता अपि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री गुरदेव सिंह पुत्र चत्तर सिंह वासी जलालाबाद रोड, मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. डा. अगदीश सिंह सम्बद्धेवा पृत्र श्री भगवान दास वासी जलालाबाद रोड, मुक्ससर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति प्लाट जो मुक्तसर में स्थित है जैसा कि विलेख नं 2571 और 2620 दिनांक नवस्वर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जालुन्धर

तारील : 8-7-1983

प्रकृष बाद्दं .टी . एन् . एस . ------

आयकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के धर्मान सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 ज्लाई 1983

निदाश नं /ए. पी. नं, 4449--यतः मुभ्ते, जे. एल , गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित शाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नदम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जैतरण से हुइ किसी जाम की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; अहि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने भे स्विभा की लिए,

मतः। अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26०-म की उणधारा (1) के वृधीन हिम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— श्री नरिन्द्र कुमार और दिवन्द्र कुमार सपुत्र लाजपत् राय वासी मुहल्ला राम बारा मुक्तसर।

(अन्तरक)

20 श्रीमती रामदुलारी १८नी नंदलाल और सूखपाल कार्र पत्नी सतकार सिंह वासी बस्ती गाँविन्द नगरी भक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मध्यत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्धीं और पवीं का, थो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा औं उस अध्याय में विया ग्वा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति ½ हिस्सा दुकान जो रिलर्ब रोड मुक्तसर में स्थित है जैसा कि विलेख नं 2540 दिनांक नवस्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे, जालन्धर

तारीख 🕄 8-7=1983 मोहरु 🖰 प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क अधीन सुवना

भारत् सुरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 8 ज्लाई 1983

िनद^{*}क नं.∕ए. पी. नं. 4450——यतः मूक्ते, जे. एल. गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, राजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नदम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है थीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घोर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित म वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; कोर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना खाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

जतः जध, उक्त जिभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री लाजपत राय पृत्र बेस राज और श्रीमिति सिवत्री देवी पत्नी लाजपत राय वासी मोहल्ला राम बारा मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र, निरन्द्र क्मार सप्त्र संत लाल वासी गली मोहन लाल नजबीक पाहवा हस्पताल, रॉलवे रोड मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथानित सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियाँ उन् सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी स्वध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वृद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उनस विधानयम, ने बध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्या है।

ज**नसूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति र्वे हिस्सा बुकान जो रोलवे रोड मुक्तसर मों स्थित है जैसा कि विलंख नं . 2541 विनांक नवस्बर, 1982 को राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ट्रजे, आलुन्धर

तारीख ः 8-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निकांश नं \sqrt{v} पी नं . $4451--4\pi$: मूभ्ते, जे एल . गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक जालन्धर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कभी कर्ने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थन या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री निरजन सिंह पुत्र फाूला सिंह वासी मोहिलपुर सहसील गढशकर जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमति शरन कुमारी पत्नी श्री उजागर सैन वासी चन्द्र सिंह बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति मकान जो शिव नगर, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं . 5058 दिनांक नवंबर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयप्र

तारीख : 8-7-1983 मोहर ६ प्रकल भाइरें, टी., एवं., एस्.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

िनकोश नंः∕ए. पी. नं. 4452—–यतः मुभ्ते, जं. एल_ं गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्थर में स्थित है (और इससे उपाबक्षध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्थर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सुम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है दुन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए)।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्

 श्री निकान सिंह, गुरनाम सिंह सपुत्र और श्रीमति कश्मीर कीर विधवा जगतार सिंह वासी काजी मण्डी, जालन्थर।

(अन्तरक)

 श्री मनोहर लाल पुत्र खुशी राम और श्रीमति काइनया दोनी पत्नी जीवन दास 576 प्रीत नगर सोढल रोड, जालन्थर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन एरिया 1 कनाल जो किशनप्रा, जालन्धर में स्थित हैं जैसा कि विलेख नं 5061 दिनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (दिरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 8-7-1983

श्रूकप् आई. टा. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत तरकार

क्तर्याल्य, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदोश नं /ए. पी. नं . 4453--यतः मुक्ते, जे एल.] गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रहृष्टितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण निष्तित में वास्तिषक रूप से किथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्तु, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः बब् उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जगराज सिंह पुत्र गुरबस्था सिंह वासी गांव ढोरियां तहसील नकोदर जिला. जालन्धर

(अन्तरक)

(1) परोमिला चड्डा पत्नी मनोहर लाल
 (2) श्रीमती नीलम चड्डा पत्नी तरसेम लाल चड्डा वासी 165-आर-माडल टाऊन, जालन्धर (3) कैलाझ रानी जुलका पत्नी रिजन्द कुमार 952/5, प्रेम नगर, जालन्धर (4) उर्मल दामी पत्नी सुद्देशन कुमार गांव और पोस्ट आफिस तरवला जिला अमृत-सर 5. सतीश कुमार कुसंत राम और (6) आशा पत्नी सतीश कुमार वासी ई. आर. 230, पक्का बाग जालन्धर 7, नरशपूरी पुत्र मुलबराज वासी पुरिया मोहल्ला सुलतानपुर लोधी जिला कपूरथला (8) रखा पुरी पत्नी मोहिन्द्र पाल वासी टी-141-हरिवयाल रांड, जालन्धर छावनी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे [1]

स्पष्टिक इण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पृद्धों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 6 कनाल 18 मरले जो गांव किगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं 5056 दिनांक नवस्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मंतिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जन रेज, जानन्धर

तारीख : 8-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निद्रोश नं /ए. पी. नं . 4454--यतः मुभ्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फरीबकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, फरीबकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वित सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्स संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा की लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
12—186GI/83

श्री हरीश चन्द्र,
 विनोद क्यूमार,
 रिजन्द्र क्यूमार
 सपुत्र शाम सुन्दर सेठी क्लाथ भरचैन्ट,
 मने बाजार.,
 फरीदकोट।

(अन्तरक)

 श्री जसवन्त सिंह चड्डा-एस. ई पूत्र उत्तम सिंह वासी छावनी रोड, फरीदकोट।

(अन्तरिती)

जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति मकान जो छावनी, रोड फरीक्कोट में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं. 4348 दिनांक नयम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉंग, जालन्धर

तारील : 8-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्थायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश नं /ए े. पी. नं . 4455 और 4457—यतः मुक्ते, जे. एत. गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति गजार मूल्य 25.000 - रा. में पधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञ हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी और अप्रैल 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुला से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण है कि वा पाता गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उस अंतरण विचित्त में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षेत्रत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कभी करने या असमे बचने में स्पिधा के किस स्पेर/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्रधीन, किन्निक्ति व्यक्तियों, अधित् ः--- श्री प्रेम चन्द पुत्र किशार चन्द वासी मानसा।

(अन्तरक)

 श्री कृष्ण सिंह पुत्र कान सिंह सुनार वासी मानसा।

'(अन्तरिती)

को यह प्रचार जारो करके एवॉक्च सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता

उन्त समालि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन की सवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, ओ भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ाकसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतेकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो एक्त श्रीक्षिक नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है. उहां अर्थ होगा जा एस अध्याय में दिया

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति दुकान जो मानसा में स्थित है जैसा कि यिलेख नं. 4126 दिनांक जनवरी, 1983 और विलेख नं. 45 दिनांक अप्रैल, 1983 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीलं : 8-7-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

अगयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृ**ध**ना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निद[े]श नं ं ए. पी. नं . 4456---यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अनवरी 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वरस करने का कारण है कि गथापूर्वोक्स संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्योध्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्रभ्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री अमर नाथ पुत्र किशोर चन्द वासी मानसा।

(अन्तरक)

 श्री बलियन्दर सिंह पुत्र कृष्ण सिंह सुनार वासी मानसा।

(अन्तरिती)

को यह मधना जारों करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवांध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित, बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिंगानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति दुकान जो मानसा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं 4127 दिनांक जनवरी, 1983 को रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीव : 8-7-1983

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------

नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशाण)

अर्जन राज, आलन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवर्भेश नं. ∕ए. पीं. नं. 4458---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वस्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रयमान प्रतिफल से, एसे ब्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उथा जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविषित स्पिक्तियों, अर्थात्:—-

 श्री असर नाथ पुत्र किशोर चन्द वासी मानसा।

(अन्तरक)

2. श्री गोपास सिंह पुत्र कृष्ण सिंह सुनार वासी मानसा।

(अन्तरिती)

का बहुस्चना जारी करके पूर्वान्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जब्धि काद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति दुकान जो मानसा में स्थित है। जैसा कि यिलेख नं. 46 दिनांक औल 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी मानसा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ा]ज, जालन्धर

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आदे. टी. एन्. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नागपूर

नागपूर, दिनांक 6 जूलाई 1983

निवोश सं. आई. ए. सी./एक्ट्यू-3/1/83-84---यतः। मुक्ते, एम सी जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. खेत जमीन 1/6/2 है, तथा जो माँना सोम-ल्याडा, नागपुर त. जो. नगपुर पू. ह. न. 44 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपूर (डाक्-मेंड सं. 6746/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-1982

कः पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्ध (अन्तर्ों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथित नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूनिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 (1) श्रीमती जनाबाई सिसाराम जी में धरे, (2) श्रीमती खंद्रभागाबाई रामचेन्द्र जी हांडे सांमल्वाडा नागप्र।

(अन्तरक)

2. (1) सों. सोमाबाई नत्थुजी तेल्संघे (2) श्री इश्यर नत्थुजी तेजरोधे वोनों भी, तो. भगवान नगर नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकेत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिश्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कार्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

जन्सूची

खेत जमीन नं 116/2 जीसकी आराजी 2-62 अंकर्स पं.ह नं . 44 और जो की मौजा सोमल्वाडा नागपुर तः जी . नागपु मे स्थित है ।

> एमः सी जोर सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रॉज, नागपु

वारी**ल** : 6-7-1983

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 30 जून 1983

निदर्भा सं. 36337/82-83--यतः मुभ्ते, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं और जिसकी सं. 4/4 (पुराना नं. 4) है, तथा जो । कास, डाकास्टा लंऔट कुक टौन, बंगलूर-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 26-11-82 को पूर्वीक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित.

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) 1. श्री बॉजिमिन जान, सन/आफ लेट रेबर्ड ए. जे. जान 2. डाक्टर (श्रीमती) जायस जा वैफ/आफ श्री बॉजिमिन उनके प्रतिनिधि जान जेक हैं, जान जेकब, सन/आफ. पी. वी. जान कोट्टिगेतिम्मनहल्ली, काराहल्ली पोस्ट देवना हल्ली, बंगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री फ्रांसिस आन्तोनी कवालाकट सन/आफ श्री आन्टोनी पौलोस कवालाकट, करानचिरा पोस्ट, एरगलकुडा, करेल क्रेर/आफ बेबी जोसफ अलापट नं. 62-बी, मिल्रस रोड, बेनसन टॉन, बंगलूर-

(अन्तरिती)

का यह सुजना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा ऋथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 25.96/82-83 ता 26-11-1982) सब सम्पत्ति है जिसकी सं 4/4 (पुराना नं .4) । कास, डकास्टा, कर्क टौन, बंगलूर-5

> मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, बंगलूर

नारीख : 30-6-1983

माहर .

प्ररूप आई टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बेंगलूर

ं बोंगल्र, दिनांक 29 जून 1983

निदाँश नं . /36329/82-83---यतः मुभ्ते, मंजू माधवन, यायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. 13/1 (नया) है, तथा जो रिनियस स्ट्रीट, रिचमन्ड टौन, बेंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरणे अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 18-11-1982 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वें क्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. (1) श्री एम. एल. रणजीत, सन/आफ लोल्माल (2) श्री ए. एल. रवि मोहन, सन/आफ लक्ष्मी-नारायण उसके पी. ए. होलंडर एम. एल. रणजीत है, वे नं. 64, पाली हिल्स बान्द्रा बंबई-50 में रहसे हैं। (अन्तरक)

2. (1) कुमारी वाफे शोरीफ (2) मिस. हाया शोरीफ (3) मिसु नीडा शेरीफ (4) मिस फारा शेरीफ, मैन्द्रस उनके प्रतिनिधि हैं अपने मां/बाप श्रीमती असमा घोरीफ। श्री न्र अहमद घरीफ नं 53/2, रिचमंड टान, बेंगलर-25

(अन्तरिती)

को सह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2512/82-83 ता. 18-11-1982) सब सम्परित है जिसका सं. 13/1, जो रीनियस स्ट्रीट बेंगलूर-25 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलूर

तारीख : 29-6-1983

पस्प आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्यः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 29 जून 1983

निर्दोश नं. 37229/82-83—-यतः मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18 है, तथा जो 111 कास, नागणा ब्लाक, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीराम पुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 10-1-1983

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाल्लिक के कमा करने या उससे वचन पो सुविधा क िल्ल कोर्/गाः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का प्रशिवस्म, स्वाप्त अधिनियम, या धन-का प्रशिवस्म, स्वाप्त (1937 का 27) के प्रशिवस्म अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्री एस. दासप्पा नं. 18, ।।। क्रास नागप्पा व्लाक बेगलूर ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की अविधिया तत्सम्अन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविध में जिस् का सके में।

स्पर्व्हांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्ताविष सं. 3357/82-83 ता. 10-1-1983) सब सम्परित है जिसका सं. 18 जो ।। कास नागप्पा ब्लाक वींगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बेगलूर

तारी**ल** : 29-6**-**1983

प्रकृषार्थः की., इन्., यस.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक भागकर भागक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1983

निर्दोश सं. 36336/82-83—यतः मुक्ते, संजू माधवन, बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं) की धास 269-स के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4/3 है, तथा जो हालस रोड, रिक्ट्स टौन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 24-11-1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्त-विक कम से कथित नहीं किया भया है:--

- (क) बन्दरण वे हुई किथी नाम को नामत उपत नीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कबी करने ना समये वचने में सुनिधा के निये; होर/श
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कौसर अमन नं 4/3, हालस रोड , रिचरड्स टौन, बेगलूर-5 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सिंतिया कोयिलहों नं 17/7, स्पेनस्र रोड बेंगलूर-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता होू।

उक्त सम्मिर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं. 2578/82-83 ता. 24-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका मं. 4/3 जो हालस रोड- रिचरङ्स टौन वेंगलूर-5 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगल्ड

तारीय : 30-6-1983

मोष्ट्र :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलूर

बोंगलूर, दिनांक 14 जून 1983

नि**व**िश नं. सी. आर. नं. 62/36366/82-83--यत: मुभ्ते, मंजु माधवन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी प्रधात 'उक्त अधिनियश' कहा गमा है), की बाग 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका एचित नाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

आर जिसकी सं. 28 ही, तथा जो 4 मैंन रोड चामराजरेट, बोंगलूर मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसन-नगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 26-11-1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, स्थाके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया पति-**फल, 'नम्मलिखित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में** हाम्त-विक ः∧प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) **अन्तरण से हुई कि**सी बाय वर्ग कावत, **उक्त** क्षिनियम में सभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अपने में सिवधा के सिए; कार/यह
- '(का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्यः अवस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 "(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् 🖫

- 1. श्री सी., एसं. कृष्णम् रती नं. 61/15, बसप्पा लेऔट हनुमन्तानगर, बेंगलूर-560019 (अन्तरक)
- 2. श्री होच कवारिलाल और श्री के. प्रकाशचन्द, 247, मैसूर गोड, बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पुर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और उदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय मे गया है।

अनसची

(दस्तावेज सं. 3024/82-83 ता. 26-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं. 28, जो 4 मैन रोडि चामराज-पेट बेंगलूर में स्थि**त ह**ै।

> मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बेंगलूर

तारी**ल** : 14-6-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 मई 1983

निर्देश सं. सि. आर. 62/36257/82-83.——यतः मुफ्ते, मंजुमाधवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 12/40 हैं, तथा जो उदानि लेऔट, अल्सूर, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 11 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीबी के त्रिवंदी,
 सं 145, गांधी नगर 5-कास, बंगलूर-9

(अन्तरक)

 श्री ए. पौल पेरिन्चेरि, सं. 12/47, उदानि लेऔट, बंगलूर.

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्त्री

(दस्तावंज सं. 20-39/82-83 ता. 11-1-1-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं. 12/40, जो उदानि लंबीट, अलसूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, बंगलुर

तारीब : 21-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारते सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन राजि, बंगल्र

बंगलूर, विनांक 29 जून 1983

निवंश सं. नोटिस नं. 35898/82-83——यतः मुफ्ते, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत. से अभिक हैं।

और जिसकी सं. सर्वों नं. 138-1ए 2, नं. 76ही, तथा जो बडगबंट्ट विलेज, उड्रुपी टोन में स्थित ही (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उड्रुपी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर ता. 20-11-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरके (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्क अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म् की उपधारा (1) के अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 डाक्टर सिरिल कौनीडन्या सपुत्र श्री असुदाङ कौनीडन्या बैलूर नं . 76., बडगबेट्ट विलेज उडुपी तालुक

(अन्तरक)

 श्रीमती ए. इ. अन्यन पत्नी श्री ए. ए. एस. अन्यन सुपुत्री श्री सम्बुगल जेसुदास कौनीडन्या नं. 76, बडगबंट्ट विलेज उडगी तालुक

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीय से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्योग जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसची

(दस्तावेज सं 521/82-83 ता 20-11-82) सब सम्पत्ति ही जिसका सं सर्वो सं 138-1ए 2 नं 76 जो बडगबेट्ट विलेज, उडुपी टॉन में स्थित ही।

> मंजु माधवन सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलुर

तारीख : 29-6-1983

मार्रः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायंकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्धेश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/ 11-82/9723——अतः मुभ्के, सुधीर चन्द्रा, क्षायकर अभिनियम 1961 (1961 का 42) (जिस्से इससे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 2989 है, तथा जो काजीवारा, वरीया गंज, वार्ड नं 11, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री राम सरन वास मलहोता,
 श्री राम जी दास मलहोता,
 श्रीमती सुमित्रा कपूर,
 श्री जे. एन. कपूर,
 श्री सुभाश चन्द कपूर,
 श्री नरन्दर कुमार कपूर,
 श्रीमती कृष्णा देवी,
 श्रीमती स्वर्ण मलहोता,
 निवासी—

(अन्तरक)

श्री ओम प्रकाश जैन स्पृत्र
 श्री प्रीतम चन्द जैन,
 निवासी—1789-ए, पहली मंजिल,
 नया बाजार, दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अमृत्यी

3/4भा (अबिभाजित) प्रो. नं. 2989 तादादी 201.75 वर्गगज, स्थापित--काजीवारा, दरीया गंज, वार्ड नं. 11,

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदंश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-2/एस. आर. 1/11-82/9724—अत: मुफे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

शौर जिसकी सं. 2989 हैं, तथा जो वार्ड नं. 11, काजीवारा, बरीया गंज, दल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982
को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ग्रा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्रीमती बिद्यावती पत्नी
स्व. श्री राम नाथ मलहात्रा,
श्री विमन लाल मलहात्रा,
श्री तिलक राज मलहात्रा,
श्री जगदीश चन्द मलहात्रा, सुपूत्र
स्व. श्री राम नाथ,
शीमती कैलाश रानी सुपूत्री
श्री राम नाथ मलहात्रा,
पत्नी श्री वेद प्रकाश ओवराय,
निवासी——श्रनाज मंडी, अम्बाला सीटी,
श्रीमती निर्मल रानी सुपूत्री
श्री राम नाथ मलहात्रा,
पत्नी श्री मेघ राम,
निवासी——29-ए/435 चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री ओम प्रकाश जैन सूपुत्र श्री प्रीतम चन्द जैन, निवासी—1789-ए, पहली मंजिल, नया बाजार, दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/4 अजिभाजित हिस्से प्रो. नं. 2989, तादादी 201.75 वर्गगज, स्थापित—काजीवारा, दरीया गंज, वार्ड नं. 11, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नह दिल्ली-110002

तारीष · 7·7-1983 मोहर - प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाई 1985

आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/ निर्देश सं. 11-82/9732--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. 103, ब्लाक 'एफ' है, तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में ,रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती चन्दर वती महता पत्नी डा. शिव सरन महता, निवासी-8-ए, एल. आई. जी. फ्लंट्स, हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एस अजीत सिंह सेठी सुपृत्र एस दर्शन सिंह सेठी, निवासी—-6/13 इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बना हुआ मकान तादादी 100 वर्गगज, पश्चिम 1/2 भाग प्रो. नं. प्लाट नं. 103, ब्लाक-'एफ' स्थापित-बाली नगर, एरीया ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्तै (निरीक्षण) अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983 ्

= आर् \pm . ए. सी./एक्यू $\pm/2/$ एस \pm -आर $\pm-1/2$ निर्दोश सं. 11-82/9749---अतः म्भे, स्धीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. 5656, प्लाट नं. 20 है, तथा जो बस्ती हरफाल सिंह,, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य से कम के इरुथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाप्रित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फो अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री सुरन्द्र नाथ सुपुत्र श्री वेद प्रकाश, निवासी---बी-बी-10बी, डी.डी.ए. फ्लेंट्स, मुनिरका,, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. में. मितल इन्डस्ट्रीज, 5654, बस्ती हरफाल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली-6, भागीदार श्री मंगत राम।

(अन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्ख) इस सूचना के राजपत्रा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु ।

अनुसूची

पहली मंजिल, मियानी मंजिल और भरसाती प्रो. नं. 5656, प्लाट नं. 20, बस्ती हरफुल सिंह, सदर बाजार, विल्ली-6, भूमि तादादी 125 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख: 8-7-1983

मोहर 🖫

प्रस्प आई. टी. एन. एस. - - - ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं. आर्ट. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.~1/ 11-81/9755--अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है बौर जिसकी संख्या 111/2841, है तथा जो अशोक गली, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीर, सारील नवम्बर-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्री सर्व कीतर्रि क्यार सुपुत्र स्वः श्री साम प्रकाशः,
 निवासी-17/2, रमेश नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती इंघवर वंबी पत्नी श्री जगन नाथ, निवासी-1/19, गली बंदीयन, मोरी गेंट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क़ो सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्स् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

थ्रो. नं. 111/2841, अशोक गली, मोरी गेट, दिल्ली भूमि तादादी 125 वर्ग गजन

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

टारीख : 8-7-1983

भोहर :

प्रस्य आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, जी-13, ग्राउन्छ फ्लोर, सी. गार. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नह बिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/ 11-82/9897--अतः मुभ्हे, सुधीर चन्द्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं और जिसकी सं. (एफ-एफ) 30/22 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर-1982 का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफन से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गभा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदेय से उक्त अंतरण लिखित में भारतिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उपत जिथिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसे बचने में सुविधा के लिए; औट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री ओम प्रकाश बंसल सुपुत्र श्री जय लाल,
 निवासी-सी-10, अशोक विहार, दिल्ली-52,
 (अन्तरक)
- श्रीभती तारा दोवी गर्ग पत्नी श्री पितम्बर दास गर्ग, निवासी-38/144, नारीयल बाजार, कानपुर (यु.पी.)।
 (अन्तद्विती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रं---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वी का; जी उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20का में पिरिमाणित है, वही प्रथी होगा, जो उस अव्यवका में विया गया है।

जन संची

पहली मंजिल का भाग प्रों नं. 30/22, म्यूनिसीपल नं 11611, वार्ड नं 111, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी-1200 वर्गगज ।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारील ः 8-7-1983 मोहरः प्ररूप बाह्", दी. एन्. एस्., नन------

भायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269वा (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्षण)

अर्जन रंज-2, जी-13, प्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 8 जुलाही 1983

निवाँश सं आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. - आर. -1/1-82/9899—अतः मुभी, सुधीर धन्द्रा, आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रक्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

कि से प्रिष्ठिक हैं
और जिसकी सं. 15, ब्लाक-'सी' हैं तथा जो नेताजी रोड, बादर्श नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील नवम्बर-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिगत ने परिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निकालिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण निव्धित में वास्तिक स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी ग्राय की बाबत, उपत श्रीविष्यम के श्रीम कर देने के श्रान्तदन के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आर्य या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ प्रस्तदिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उप-भारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ए--

- श्री जगवीश प्रसाव गुप्ता सुपृत्र श्री राम गोपाल गुप्ता निवासी-एच-2/3 माङल टाउनन, विल्ली-9। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती ललीता वंदी जैन पत्नी श्री मदन लाल जैन, श्री ,राकेश कुमार जैन सुपुत्र श्री मदन लाल जैन, श्री मदन लाल जैन, श्री मदन लाल जैन, निवासी-सबर बाजार नं. 3, फीरोजपुर कैन्ट (पंजाब) एण्ड सष्टी अभिभावक श्री पवन कुमार और अनिल कुमार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील री 30 दिन की श्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितयों में ने किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) उस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होग्म, जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

वन्त्जी

प्लाट नं . 15, ब्लाक-'सी' नेताजी रांड, आदर्श नगर, दिल्लीं-33, भूमि तादादी 200 वर्गगज।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीब : 8-7-1983

मोहरु 🗇

प्ररूप जाही, दीन एन एस्न : :-----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रोक्षण)

अर्जन रोज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1983

निवर्षा सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. -आर. -1/ ।।-82/9734---यतः मुभे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का फारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/-रः. से अधिक है.

और जिसकी संख्या 2746, 2749, है तथा जो रोशनपूरा जीरा जना, नई सड़क, विल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर-1982

को प्रवीवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल सो, ऐसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिक्त उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखक में बास्तरिक् रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई कि बी आव की बाबत, उसक वीचितित्रम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने वा उक्को बुक्ते में सुन्धि। के शिक्ष; कीर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नास-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अस उक्त निधिनियम की भारा 269-ग की जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिल्चित अमिक्तुयों, अर्थात् ≟—⇒

- श्रीमती द्रोपवी दोनी पत्नी श्री राम चन्दर, निवासी-431 काचा बुज नाथ, चान्दनी चौक दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शशी बाला पत्नी श्री पदम चन्द अग्रवाल निवासी-416 कुचा बृजनाथ चान्दनी चौंक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वश जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपरा सम्पत्ति को भूजन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध काल में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

ल्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थो उक्त विश्वास के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची -

मकान नं 2746, 2749 रोशनपुरा चीरा खन्ता, नई सब्क, दिल्ली (1/2 अविभाजित भाग) तादादी 156 वर्गणा।

> सुधीर चन्द्र। सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 4-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवरंश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस.-आर.-1/
11-82/9798—अत: मुफे, सूधीर चन्द्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- फ. से अधिक हैं
और जिसकी सं. 137, हैं तथा जो गुप्ता कालोनी, दिल्ली में
स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर-1982
को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल की पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- श्रीमती जगजीत कार पत्नी श्री कुलवन्त सिंह, निवासी-44-ए/डी, ओल्ड गृप्ता कालोनी, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री बलदोव राज पंगासा सुपुत्र श्री बंस राज पंगासा,, निवासी-103 ओल्ड गुप्ता कालोनी, विल्ली, श्रीमती संतोष पंगासा पत्नी श्री बलदोव राज पंगासा,, निवासी-103 ओल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी उपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण: ---इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मीं परिप्राणित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मीं दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तावादी 390 वर्गगज्ञ, प्लाट नं . 137, खसरा नं नु 754/219/2/2 स्थापित-गृप्ता कालानी, एरीया ग्राम-राजपुर छावनी, दिल्ली।

> सुधीर **चन्ता** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

स्रीख: 8-7-1983

मोहर 🐎

प्ररूप् .. आहें .. टी.. धन् .. एस... -----

आयुकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मृ (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग-,ा इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नहीं दिल्ली, दिनाक 8 जुलाही 1983

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार० 1/11-82/9767, भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उदत प्रधिनियम' कशा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विकास करते का कारण है कि स्मावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृह्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

और जिसको सं 8973 है तथा जो गली बूसवाली, नया मोहला, राम बाग रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बत्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर-

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के षूत्रयमान प्रति-फल के क्षिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाणार मूल्य, उसके पूत्रयमान श्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वत प्रतिशत से अक्षित्र है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच पेसे अन्तरक के नियं तय नाया गया प्रतिफल, निस्तिवित्ति उद्देश्य से उचत अन्तरण विवित्त में वास्त्रविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भ्राय की बाबत; उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या प्रससे यचने में सुविधा के खिए। भीर/या
- (व) खंती किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तियों को रिजम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत किसिनयम, या धन-कर प्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा; दिस्पाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तिसमी, अधीत् हिन्स श्री विजय कुमार अरोड़ा सुपुत्र श्री तहेल राम अरोड़ा, निवासी-10/39 लायबुरी दुडिहा आजाद मार्केट, दिल्ली-6।

(अन्तर्क)

श्रीमती राम देवी
पत्नी श्री हरीश चन्द अग्रवाल,
निवासी-252 गली प्रकाश तेलीवारा,
दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सुवतः जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्वति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धासेव :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की भवधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूलना के राजान में प्रकाशन की लारीज में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिवसद किसी जन्म व्यक्ति द्वारा प्रधीहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यब्धी करण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर नदीं का, जो उक्त श्रीखें/ नियम के श्रव्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बहा मर्थे होगा, जो उस अव्याय वें दिया गया है।

अनुस्ची

गाउन्ड फ्लोर और टोरोश भाग प्रों नं 8975, गली ब्रावाली नया मोहला, राम बाग-राड, दिल्ली-6, भूमि ताबादी 163 वर्गगजा

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन <u>र</u>जे-2, विल्ली, नर्झ विल्ली-110002

तारीच : 8-7-1983

मोहरू ।

प्रकार बाह् दी एक एक नन्नन

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

बाद्धा 269-व (1) के क्पीम स्वाना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग

नर्ह दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदांश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. -आर. -1/ '11-82/9793--- अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मुख्य 25.000/- रतः से अपिक है और जिसकी सं. 8973 है तथा जो नया मोहला, आजाद मार्केट विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबवध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह विल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर-1982 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात् से मुभिन, ह्रे मीर बन्तरक (संतरकों) जौर नंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कान निम्नलिखित उद्देश्य से उत्कत अन्तरण लिखित में वास्तु-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में क्ली करूने वा उक्त से अपने में सुविधा के दिला; की रूप
- (प्राामका नाम मामका नगमा मन्य भास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय नाय-कर निभीनयम, 1922 [(1922 का 11) या चक्त अधिनियम, या भनकर जिम्हाँनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायँ भन्तरिती इंचारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क्रो अभीन, निम्नलिखिद व्यक्तियों, अर्थात् क्रेन्स 1. श्रीमती शोवसवरी दोवी पत्नी श्री टहल राम, निवासी-10139, लायब्रेरी रोड, आजाद मार्कोट, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हरीशचन्द अग्रवाल सुपृत्र श्री व्वारका दास, निवासी-2812, प्रताप मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तर्सि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत् सम्मित्त के कर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण् :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूनों कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मुद्दी मुर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल, दूसरी मंजिल और टोरोस का ढांचा बना हुआ प्रो. नं. 8973, नया मोहला, आजाद मार्केट, दिल्ली, तादादी 163 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीब ः 8-7-1983 मीहरु ः

प्ररूप: जाइ. टी. एन: एस: ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रोज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर विल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 8 जुलाही 1983

निर्देश सं. आई .ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.1, 11-82/9783—अतः मुभ्ने, सुधीर चन्द्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. 9774-9774ए-से हैं तथा जो सी. 9918-डी से 9918-आई, 9919 से 9924, अपे. में स्थित हैं इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सराय रोहीला, रोलवे स्टोशना, नई दिल्ली में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस नवम्बर-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दुरुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके इत्रयमान प्रतिफल से, ऐसे इत्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है डू--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या छससे बचने में स्विधा के लिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति भी को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना करिंहण था, छिपाने भी सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री एसः पीः बिन्द्रा सृपुत्र श्री ज्ञान सिंह, निवासी-बी-176, इस्ट आफ कैलाश, नहीं बिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अजय कुमार गर्ग सृपुत्र श्री एस पी अग्रवाल, निवासी-2-अन्द्रर हिल राङ, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थनु के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राधपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवर्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास जिलित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिम्हिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. का हिस्सा ससरा नं. 312/2, म्यूनिसिपल नं. 9774, 9774ए से 'सी', 9918-डी से 9918-आइं, 9919 से 9924, अपोजिट सराय रोहिला, रेलबे स्टोशन, नई दिल्ली।

सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्द्द दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेन-२,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग

गई दिल्ली,, दिनांक 8 जुलाई 1983

निद[®]श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर/11-82/9784——अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 9774, 9974 ए हैं तथा जो ए-सी, 9918-डी, से 9918-आई, 9919-9924, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अपो. सराय रोहिल्ला, रोलवे स्टोबन, दिल्ली, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982 को प्वावत सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से, कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (म) एमी फिसी आय या किमी थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-वार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के, अनुसरण को, रौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

15-186-GI/83

- 1. श्रीमित सरला महिन्द्रु पत्नी श्री आर. एस. महिन्द्रु, निवासी-413 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, द्वारा जनरल अटानी श्री एस. पी. बिन्द्रा सपुत्र स्व. श्री ज्ञान सिंह, निवासी बी-176 इस्ट आफ कौलाश, नई दिल्ली (अन्तरिती)
- श्रीमती वीर बाला अग्रवाल पत्नी श्री डी. सी. अग्रवाल निवासी के-एफ-48, न्यू किव नगर, गाजियाबाद, यू. पी.
 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तिस्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. का हिस्सा खसरा नं. 312/2, म्यूप्रेनसीपल नं. 9774, 9774ए, सं-सी, 9918-डी से 9918-आई, 9919, 9924, अपोजिट सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली, तादादी 273 वर्गगज।

स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नुई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1983

प्रकप बाह्र टी एन एस . ---- ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रंज-2

जी-13, ग्राजन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नक्ष विल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निंदांश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/11-32/9785--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक है

शौर जिसकी सं. 9774, 9774 ए- है तथा जो से सी, 9918 जी से 9918-आई, 9919-9924, अपो. में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से विणित हैं),, रिजम्द्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय, सराय रोहिला, रोतवे स्टोशन, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील नवम्बर, 1982

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिता नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय याय-कार विशिष्टित, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कार अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में मुजिबा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमित सावित्री दंशी पत्नी

रव. श्री के. गी. तनाली,
निदामी-एस-242, गृंदर कैलाश,
द्वारा श्री एस. पी. बिन्द्रा,
निदासी-वी-176 इस्ट आफ कैलाल,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमित सराज गुप्ता पत्नी श्री दिवन्द्र गप्ता, दिवासी- डिपटी गंज, सदर द्वाजार, नर्ड दिल्ली

(अन्तरिसी)

को यह स्पना जारी करके पुतिकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों से से किसी वर्माक दुवारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टौंकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

प्रो. नं का हिस्सा खसरा नं 312/2, स्युनिसीपल नं 9774 9774ए-से-सी, 9918-डी से 9918-आई., 9919-9924, अपोजिट सराय रोहिला रालवे स्टेशन, नई दिल्ली, नाबादी 273 वर्गणज ।

स्धीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण अर्जन रॉज-2, दिल्ली, तर्क दिल्ली-11000%

तारील : १८-७-१०८३

TIPE.

प्रकृप आहें. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 8 जुलाई 1983

निवर्षा सं आई ए. सी./एवयू./2/एस.आर-1/11-82/9797—यतः मुफे, मुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं डी-1/9 है, तथा जो राजोरी गार्डोन, नर्ह विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्द्ध अनुसूची में पूर्ण स्प में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवस्वर 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई हैं और क्रि यह तिस्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एस द्र्यमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिक्षत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वरेयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीन, निम्निचिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- डा. घोखर अग्रवाल, निवासी-5 सुख्याम, स्टेशन रोड, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा रानी कर्मा, निवासी-डी-1/9 राजोरी गार्डन, नर्ड दिल्ली।

(अन्सिर्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों सं 45 दिन की अविधि या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग प्रो. नं डी-1/9, राजांरी गाडोंन, नई विल्ली, भूमि तादादी 519 वर्ग गज ।

> गूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

त्रांख : 8-7-1983

प्ररूप आर्ड टी.एप.एस. .- -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाही 1983

निर्दोश सं. आई ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर-1/11-82/9794—यतः मुभी, सधीर चन्द्रा, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 264-क के

इसके पदकात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-६ के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रू. सं अधिक है

और जिसकी सं 153, ब्लाक सी हैं, तथा जो मानसरांवर गाडोंन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय हिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्वर 1982

को पूर्विकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्चन में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरक मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जुगल किशोर स्पृत्र एल असर नाथ, निवासी---मकान नं 2499, 8-बिंडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जंग बहाबुर सिंह सुपूत्र श्री जीवन सिंह, निवासी ई-40, मानसरोवर गाउँन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति म हित्तभ्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त जिथान, के अध्याय 20-क की परिकारिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुमा हैं।

अनुस्ची

प्लाट नं. 153, ब्लाक-मी, ताबादी 241.66 वर्गगज, स्थापित-मानसरोवर गार्डीन, नई विल्ली ।

सूधीन शन्द्रा मक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारील : 8-7-1983

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर मध्युका (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नक दिल्ली

नई विल्ली; दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं. आई ए. सी./एक्यु./2/एस.आर-1/11-82/9726—स्तः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

श्राक र श्रिषिनियम, १०६० (1961 सा 43) (जिसे समाने असीच पंकार उद्देश अश्रिमियम कहा गया ६), की श्राम 269-ज के प्रयोग रक्षम पालिकारों की, यन्न विश्वाप कारने का कार्या के रूप क्षाकर समानि जिसास खिला वाचार मूल्य 25,000/- रक से अधिक ही

और जिसकी सं डी-9, है, तथा जो राजोरी गार्डोन, नर्झ दिल्ली में स्थित हैं (और हमसे उपायद्दध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को 16) के अधार, ताराख नवम्बर 1982 को पूर्णिकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्त्रीकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का मूल्य पांच्यान से क्षित से और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरिति (अंतरितिसो) के सीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित से बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर रोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य कास्त्रियों की, जिन्हें भारतीत आफर अधिनियम, 1922 े 1922 का 11) या अकत अभिनेयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री किशन सिंह सुपुत्र श्री निहाल सिंह, निवासी-डव्ल्यु-जंड-170, खानपुर, दिल्ली।
 (अन्तरक)
- 2. श्री श्रीकृशन गर्ग सुपुत्र श्री काली राम गर्ग श्रीमती शारदा दोनी पत्नी श्री महाबीर प्रसाद, श्रीमित सृषीला गर्ग पत्नी श्री रतन लाल गर्ग सभी निवासी-डी-9, राजोरी गार्डोन, नर्ह दिल्ली ।
 (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताहूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निर्मालत में किए जा सकरेंगे।

स्पर्व्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

1/4 भाग प्रो. नं. डी-9, बना हुआ तादादी 489-1/2 वर्गगज, टोटल तादादी 1958 वर्गगज, स्थापित-ग्राम-बसक्-दारापुर राजोरी गाडेंन, नर्ह दिल्ली।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

अत. प्रज्ञा, उक्त अधिनियम, को धारा १६९-म के जनमरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 8-7-1983

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 8 जलाई 1983

निवास सं आहाँ ए. सी /एक्यू./2/एस. आर-1/11-82/9796---यतः मुके, स्थीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए से अधिक हैं और जिसकी सं एस.-34, है तथा जो राजोरी गाडोंन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली

मों भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम्, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री बूटा सिंह सुपुत्र स्वः श्री उत्तम सिंह, निवासी-मोहल्ला राम नगर, जगराव मंडी, पंजाब । (अन्तरक)
- श्री कृषान देव सिंह और श्री रणधीर सुपुत्र श्री रघुनाथ सिंह., निवासी-एम-34, राजोरी गाड^अन, नद्दे विल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतप उकत स्थातर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. एम-34, सादादी 200 वर्ग गज, राजोरी गार्डीन, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्यत्म (चिरक्षिण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नहीं तिल्ली (1000)

तार्राय : 8-7-1983

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

al in the company of the control of

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भागत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिशांक 8 जुलाई 1983

निद ${\tilde {}}$ श ंसं. आर्ड्ड ए. सी ाप्क्य्. $^{\prime}$ ं/एस.आर-। $^{\prime}$ 11-82 $^{\prime}$ 9777—यतः सुक्षे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का, कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25000 ए० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या एस-46, है तथा जो राजोरी गाडोंन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-एल, जिन्दितियों के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-एल, जिन्दितियों के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-एल, जिन्दितियों के किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त प्रशिनियम के पशीन कर डोन के अन्ताक के -दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1992 की १२) या चळ्टा ग्रीक्टिंग्यम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण का का किया जो का किया के स्थान के सिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ <mark>की उपधारा (1)</mark> के अ<mark>धीयः,</mark> निम्नसि**खि**त व्यक्तियौं, अर्थात् क्ष्— श्री रिविन्दर चढ़ा सुपुत्र श्री मनोहर लाल चढ़ा नियासी जे.-48 राजोरी गांड किं, नहीं दिल्ली । (अन्तरक)

Contribution for the for the property of the relative property of the r

 श्री प्रेम खन्ना सुपृत्र एल. चिह्न्याजित लाल खन्ना और श्रीमती नरोश खन्ना पत्नी श्री प्रेम खन्ना, निवासी-1088/18 सी-संक्टर, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्ची

2-1/2 मंजिला बिल्डींग प्लाट नं 46, ब्लाक-एम, ताबादी 213 वर्गगज, स्थापित-राजोरी गार्डोन, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आदकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारी**व** : 8-7-1983

शरूप बाहै. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रोज-२, नर्षो दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निद^{्ध}श सं. आई ए. सी./एक्यू./?/एस.आर-।/11-82/9752---यतः मुफ्ते, सु**धीर चन्द्रा**,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं. 53 हौ, तथा जो ब्लाक य्-बी, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित हो (और इससे उपाब्द्ध अन्-स्मी में पूर्ण रूप से बिणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1982

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवस्वर 1982 को पृवांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के. दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं, और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उवत अधि-निवंब के बधीन कर देने के जन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में ज्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती लमलेश कुमारी एलीयस प्रकाश वती, निवासी-53 यू-बी, अवाहर स्गर, दिल्ली, द्वारा श्री मोहर लाल भल्ला ।

(अन्सरक)

 श्री राम अवतार अग्रवाल सृपृत्र श्री खजान सिंह अग्रवाल श्रीमती सृमित्रा दोवी पत्नी श्री राम अवनार अग्रवाल निवासी-79-डी, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वता कारी करके प्रवांकि सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता रा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविश्व या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस प्रचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे:

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनस्ची

एक मंजिला मकान प्रो. नं. 6097, सादादी 172.2 वर्गः गज प्लाट नं. 53, ब्लाक-यु-बी, जवाहर नगर, दिल्ली।

> सूधीर चन्द्र सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

तारी**ख** : 8-7-1983

प्ररूप आहुर्.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निद[™]श सं. आर्इ ए. सी. ⁄ एक्यू. ∕ 2 ∕ एस . आर- । ∕ 11 -82/9747--- यतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याहै"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी मं. 30, रोड नं. 73, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नदम्जर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्दर्भय से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 16—186GI/83

- श्रीमित लाज बन्ती सुराना विधवा पत्नी श्री गाँबिन्द लाल खुराना, श्री बिशम्बर लाल खुराना, सुपूत्र श्री लधा राम, निवासी-30/73, पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री एस नानक सिंह सूपूत्र श्री धना राम, श्री परिवन्दर सिंह सूपूत्र एस. नानक सिंह निवासी-जंड-1/सी, राजारी गार्डिन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सूची

1/2 भाग प्रो. नं. 30 रोड नं. 73, भूमि सादादी 545.415 वर्गगज्ञ, पंजाबी बाग, दिल्ली।

स्धीर चन्द्रा सक्षय प्राधिकारी सह्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1923

प्रस्य आहे, टी. एन्. एस्.------

भायकरु मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नाक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाई 1983

निद^{*}श सं. आर्द्ध ए. सी./एक्यू./2/एस.आर-1/11-82/9**7**35--यतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार 25,000/-रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं 129, ब्लाक-सी, है तथा जो मानसरावर गार्डोन, नर्ड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची भें पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नर्दं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्सरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोनेके जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने मं सविधा के निए; और/बा
- (श्रः) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य अगस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री राधेयरयाम सुपुत्र श्री शिव लाल, निवासी-480 की. एस. न्यून्यजिन्दर नगर, नक् विल्ली। (अन्सरक)
- श्रीमती कृष्णा अखन, पत्नी श्री कृशन धवन निवासी-जे-391, न्यु-राजिन्दर नगर, नद्रं विल्ली।

(अन्त_िरती)

को यहसूचनाबारीकरके पूर्योक्त सम्प**त्तिके धर्यन** के लिए कार्यशिद्धियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील सं 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबर किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का; जो **उक्**त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थड़ोगा,जो उस प्रध्याय में दिय' गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं . 129, ब्लाक-'सी', तादादी 372 वर्गगज, स्थापित मानसरोवर गार्डीन, नई दिल्ली ।

> सधीर धन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारोख : 8-7-1983

प्रकप बाह्य, टी. एम्. एस्.-

नायकर वृधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की 269-म् (1) के मधीन स्वृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्घन रंघ-2, नह विल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 जुलाई 1983

निविश्वा सं. बार्इ ए. सी. /एक्यू. $\frac{1}{2}$ /एस. आर- $\frac{1}{1}$ - $\frac{1}{2}$

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 14/10939-40, है तथा जो 10947-10951/मंबिर मार्ग, घरीवालन, सिंदीपूरा, विल्लो में स्थित है, (और इससे उपावव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बार 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- 1. श्रीमती रणिष्त कार पत्नी एस रघबीर सिंह, निवासी-101 भाडल बस्ती, नई विल्ली और गुर-चारन कार पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह, निवासी-10108, एनी भांसी रोड, फील्मीस्तान, विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री राजेश कुमार और विनोद कुमार सुपृत्रगण श्री रणजित सिंह निवासी-331डी-25, राज्यक, गांधी , नगर, दिल्ली-31 ।

(अन्तीरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई 🔀 जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं $\cdot 1/10939-10940$, 10947-10951, मंबिर मार्ग, दरीवालन, सिंदीपुरा, दिल्ली ।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीस : 8-7-1983

प्रकृष आई.टा.एम..एम..एम..

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भाउत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस.आर.-ए-2/ ।।-82/8180--यतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रा. से अधिक है[®] और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा वो ग्राम-अलीपर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नहीं दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बार 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिल की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण निश्चित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के बायित्य में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए जा, जियाने में अ्तिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

 श्री राधेश्याम अग्रवाल और श्री श्रीकिशन अग्रवाल स्व. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल, निवासी-43-सी, कौन्ट रोड, लखनउर यू. पी.

(अन्तरक)

2. श्री धरम नरायण अग्रवाल सुपृत्र स्व. श्री त्रामजी लाल अग्रवाल निवासी-1 डा. एम. इशाकु रोड, प्लेट नं. 48 (क. स्ट्रीट) कलकत्ता-16 ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन् के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास स्वित में किए जा सकोंगे।

स्यध्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों., यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि खसरा नं. 1536 मिन (2-00), 1547 (4-16) 1548 (4-16) और 1551 मिन (1-03), स्थापित-ग्राम-अलीपुर, दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 विल्ली, नर्झ विल्ली-110002

तारी**ल : 8-7-1983**

प्रक्ष आई. टी. एन. एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्देश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/11-82/8212--यतः मृभ्रे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत्प**ए** से अ**धिक ह**ै और जिसको सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम दिचांव कलां, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, नर्दा दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित साजार मुल्य, जसके रुशामान प्रतिफल सी. एसे रुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उप्तत अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (स) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य आग्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए;

त्रतः अस्, उक्त सधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1 श्री अरम चन्द्र सुपुत्र श्री गरीब त्यम, राम चन्दर, सिंह राम फल सुपुत्रगण श्री साभा चन्द्र, निवासी-ग्राम-सहरी, जिला-रोहतक, हरियाणा । (अन्सरक)
- 2. श्री चातर सिंह सुपुत्र श्री मल्खान सिंह निवासी-ग्राम सकावती, दिल्ली ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन को तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादो 147 विषये । विषये , (1/6 भाग) ससरा नं 20/16/3 (2-8), 24 (4-16) 25 (4-16), 21/20 (2-8), 21/20 (2-8) 21 (4-16), 25/3/3 (1-0), 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (-16), 60/25/2 (1-8), 44/3 (4-16), 4 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (4-16), 24/1 (4-16), 93/24 (4-16), 25/1 (3-4), 77/18 (4-16), 19 (4-16), 20/1 (0-3), 20/2 (4-13), 21 (4-16), 22 (4-16), 88/4 (4-16), 5 (4-16) 6 (4-16) 7/1 (0-4), 7/2 (4-13), 15/1 (2-4), 107/22 (4-16), 23 (4-16), और 24 (4-16), ग्राम दिषांव कलां, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2 विल्ली, नर्ह दिल्ली

तारील 8-7-1983 मोहर: प्ररूप गाइ.टी.एन.एस.=====

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्दोश सं आर्घ ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/11-82/8210--यतः मुभे, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मू*ल्य* 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-दिचाय कला, दिल्ली में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्पयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बलने म सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री घरम चन्द सुपृत्र श्री गरीब त्यम, चन्दर, राज सिंह, राम फल सुपृत्रगण श्री सुभाश चन्द्र, निवासी ग्राम-सेहरी, जिला-रोहतक, हरियाणा ।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रर सुपृत्र श्री भोला, निवासी-ग्राम-इशार, जिला-रोहतक, हरियाणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्स्ची

भूमि तावादी 147 विश्वे 1 विष्वे, (1/6 भाग) खसरा नं 20/16/3 (2-8), 24 (4-16), 25 (4-16), 21/20 (2-8), 21 (4-16), 25/3/3 (1-0), 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (4-16), 60/25/2 (1-8), 44/3 (4-16), 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (4-16), 24/1 (4-16), 93/24 (4-16), 25/1 (3-4), 77/18 (4-16), 19 (4-16), 20/1 (0-3), 20/2 (4-13), 21 (4-16), 22 (4-16), 88/4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7/1 (0-4) 7/2 (4-13), 15/1 (2-4), 107/22 (4-16) 23 (4-16), और 24 (4-16), ग्राम दिचाय कला, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जाप-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीच : 8-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रंज-2, नुई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

82/8211--यतः म्भे, स्धीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000⁷ - रा. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो दिचांव कलां, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई गिवल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक ्(अन्तरकाॅ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री धरम चन्द सुपुत्र श्री गरीब राम, राम चन्दर, राज सिंह, राम फल सुपूत्रगण श्री सभा चन्द, निवासी-ग्राम-सेंहरी, जिला रोहतक, हरियाणा । (अन्दरक)
- 2. श्री यूधबीर सिंह सुपुत्र श्री मखन सिंह, निवासी-ग्राम नांगली सकावती दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताषाची 147 बिघे 1 बिघ्ये, (1/6 भाग) स्वस्रा नं. 20/16/3 (2-8), 24 (4-16), 25 (4-16), 21/20 (2-8), 21 (4-16), 25/3/3 (1-0), 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (4-16), 60/25/2 (1-8), 44/3 (4-16), 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (4-16), 24/1 (4-16), 93/24 (4-16), 25/1 (3-4), 77/18 (4-16), 19 (4-16), 20/1 (0-3), 20/2 (4-13), 21 (4-16), 22 (4-16), 88/4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7/1 (0-4), 7/2 (4-13), 15/1 (4-16), 107/22 (4-16), 23 (4-16), और 24 (4-16), ग्राम-िष्णाँव कलाँ, विल्ली राज्य, विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नुई दिल्ली

तारीब 8'-7-1983 मोहार : प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, न**र्झ दि**ल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाई 1983

निद[®]श सं आई ए. सी. /एक्यू. $\frac{2}{v}$ स-आर- $\frac{2}{11}$ -82/8175—यतः मुक्ते, स्धीर जन्द्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसक परचात् उपत जावानयम कहा गया ह), का पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य

25,000/- रह. से अधिक ह**ै**

अरि जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-अलीपुर, दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सची मों पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिदः में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री राधे रेगाम अग्रवाल और श्री श्रीकिशन अग्रवाल सृष्यगण स्व. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल, निवासी 43-सी कौन्ट होड, लखनऊ, सू. पी. ।

(अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार अग्रवाल सुपृत्र श्री धरम नरायण अग्रवाल निवासी-।-डा. एम. इशाक् राड, फ्लंट नं. 48 (क. स्ट्रीट) कलकत्ता-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ससरा नं. 1905 (4-09), 1906 (4-16), और 1527 (3-07), स्थापित ग्राम-अलीपूर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्द आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीय 8-7-1983 मोहर: प्रकृष साई० ही : एन : एस :----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 जुलाई 1983

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/11-82/8177-~यतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-अलीपूर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

अधान, ताराख नवम्बर, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावन उरत शिक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन वा बन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 के 1922 की 19 कि 19 कि विकास के लिया किया किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों अर्थातः :--17—186GI/83

- श्री राधे ध्याम अग्रवाल, श्री श्रीिकशन अग्रवाल सुपृत्रगण स्व. श्री जगवीश प्रसाद अग्रवाल निवासी-43-सी, कौन्ट रोड, लखनऊ, यू. पी.। (अन्तरक)
- श्री संजय कुमार अग्रवात सुपृत्र श्री धरम नरायण अग्रवाल निवासी-1-छा. एम. इशाकु राउ, पलेट नं. 48, (के. स्ट्रीट) कलकल्ला-16। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रिक्त अरहा हो।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश में 45 दिन की अविधि या तत्स्यव्यन्धी व्यक्तित्यों वर गुचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि तावाची खसरा नं 1861 मिन (2-8), 1866 (4-16), 1867 (1-12), और 1869/2 (2-16), ग्राम-अलीप्र, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयफर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारील : 8-7-1983

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) कसको (मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली

नर्श दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाई 1983

निवीश सं. आर्थ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/11-82/8179—जतः म्भे, स्थीर चन्द्रा, आयकण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त यथिनियम' कहा भाग है), दी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिखका उपित जाजार मून्य 25,000/- २० ने अधिव है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्रांम-अलीपुर, दिल्ली मों रिश्त है (और इसमें अपानद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से व्याणित है), रिजस्ट्रीप्तर्मा अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली मों भारतीर रिजस्ट्रीप्तरण शिंधिकाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय नवस्वर, 1982

को पूर्वित संपति के किन बाजार मृहय से कम क दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि समाप्रशिक्त संपत्ति का प्रतिकृत बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृत सिताल अधिक है और अन्तरक (उस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से किया गया है:—

- (क) मन्तरं में हुई किसी आय की बाबन जक्स आण-नियम के अर्थन्य गार देने के मन्तरं के बायिस्य में कर्यन करने था एससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसा पान पा कि ए बन मा पत्थ पाहिल्यों को, जिस्ते भारतीय श्रायकर श्रीविनयम, 192/ (1922 का 11) या उत्तर प्रशिनयम पा प्रत्य कर स्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त रिश्तियः की छातः 269-म के धन्ष्णण में, में, उक्त अधिनित्म का श्रारा 269-व की नपधारां (1) के को अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री राधे श्याम अग्रवाल और
 श्री श्री किशन अग्रवाल स्पृत्रगण स्व. श्री जगवीश प्रसाद अग्रवाल, निवासी—-43-सी., कौन्ट रोड, लखनऊ, यु. पी.।.

(अन्तरक)

2. श्री धरम नरायण अंग्रवाल सुपृत्र स्व. श्री रामजी लाल अग्रवाल, निवासी——1-डा, एम. इशाक् रोड, फ्लंट नं. 48 (के. स्ट्रीट), कलकत्ता-16 । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी कार्जप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्यं संधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्वक्षीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हुँ, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

कृष्टि भूमि असरा नं 1520(3-00), 1521(6-06), 1541(0-05),, और 1542 मिन (2-15), स्थापित-ग्राम-अलीपुर, दिल्ली।

> म्घार चन्तः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख : 8-7-198**3**

गाहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-≅ (1) के सभीन सूचना

भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई विल्ली

नर्ष विल्ली, दिनांक 8 जुलार्ष 1983

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/11-82/8178—अतः मुफ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कः सं अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा ओ ग्राम-अलीपुर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विल्ली है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार भूल्य सं क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त मध्यिति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिल्यों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय एया गया प्रति-फल निक्निलिंबत उद्यक्य सं उक्त अंतरण सिक्ति में वास्तिकक इस से क्रिथित नहीं किया ग्या हैं:---

- (क) अन्तरण तं हुई किती आज की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/का
- (ब) एसी विकसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या का या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

श्री राधे क्याम अग्रवाल और
श्री श्रीकिशन अग्रवाल सूप्त्रगण
स्व. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल,
निवासी—-43-सी., कंन्ट रोड,
लखनज, यू. पी.।

(अन्तरक)

 श्री धरम नरायण अग्रवाल सुपूत्र स्व. श्री रामजी लाल अग्रवाल, निवासी—-1-डा. एम. इशाक् रोड, फ्लंट नं. 48 (के. स्ट्रीट), कलकत्ता-16 । (अन्तरिती)।

को यह सूचना जार करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उसत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तित्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सपरित में हित- खब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें शय्क्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय, में दिया गया है।

.अनुसूची

भूमि तादाची खसरा नं 1542 मिन (4-09), 1539 (4-16) और 1536 मिन (2-16), स्थापित-ग्राम-अलीपूर, दिल्ली।

स्धीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1983

प्ररूप बार्यः दी. एव. एस.,----

आयक्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निवर्षा सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8176---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) बी अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तिवारों, अर्थात् क्र- श्री राधे श्याम अग्रवाल और श्री श्री किशन अग्रवाल सृप्त्रगण स्व. श्री अगदीश प्रसाद अग्रवाल, नियासी——43-सी, कौन्ट राड, लखनऊ, यू. पी.।

(अन्तरक)

 श्री संजय कुमार अग्रवाल सुपृत्र श्री धरम नरायण अग्रवाल, निवासी---1-छा. एम. इशाक रोड, फ्लेट नं. 48 (के स्ट्रीट), कलकत्ता-16 । (अन्तिरिती)]

. को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि प्रा तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति च्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि्त- अब्ध किमी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अभूसूची

कृषि भूमि ससरा नं. 1825 (4-16), 1860 (4-16), और 1862 (1-16), स्थापित-ग्राम-अलीप्र, विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुंक्त (निरीक्षण) अर्जन र'ज-2, विल्ली, नर्इ दिल्ली-110002

तारीब : 8-7-1983

मोहर 🖫

प्रक्रम अन्तर् . टी. एन्. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्^भना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई विल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निद्रोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8174---अतः मुफ्ते, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन राज्य आधिकारिका, को ने जार के का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-अलीप्र, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विष्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मभ्ने यह विश्वाम कारने का कारण हैं कि यथाप्योक्त संपन्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया प्रतिफल, निम्निलिस उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुए फिसी त्राय की बाबत, उत्तक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; ज्रीर/याः
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आर्थित्यः को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्नत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्नरण मो, मो अक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभित् क्ष्य श्री राधे क्याम अग्रवाल और श्री श्रीकिशन अग्रवाल सुपृत्रगण श्व. श्री अगदीश प्रसाद अग्रवाल, निवासी——43-सी, कौन्ट रोड, लखनऊ, यू. पी.।

(अन्तरक)

श्री संजय कुमार अग्रवाल सुपृत्र
श्री धरम नरायण अग्रवाल,
निवासी~-1-डा. एम. इशाकु रोड,
फ्लंट नं. 48 (के. स्ट्रीट), कलकत्ता-16 ।
(अन्तरिक्षी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों वस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पृत्री क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दूबारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति मो हित-बव्ध विल्ले जन्य व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास विवादत मों किए जा मकेंग।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं 1870/2 (3-16)., 1903 (4-09), और 1904 (4-16), स्थापित-ग्राम-अलीपुर, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

नार**ीय** : 8-7-1983

मोहर 🖫

प्रस्प कार्य. की. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली
नर्द्र दिल्ली, दिनांक 8 जलाई 1983

निर्वोध सं. आई. ए. सी./एक्य्./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8218---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसम इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-साहिबाबाद, वांलतपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1982 को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्योग्य से उन्त श्रृन्तरण निश्चित में नास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मूँ कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधाँ के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- सेन्ट मार्गरेट एजुकेशनल सोसायटी, ग्राम-शीरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती पांची दोनी पत्नी श्री जय नरायण खन्डोबाल, निवासी---6176 कच्चा शिय मंदीर, फतेहणुरी, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्थन के लिए कार्यताहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग भूमि ताबादी 19 बिघे और 1 विघा खसरा नं 4 36/18, 19 मिन-येस्ट, 22 मिन-वेस्ट, 23, 24, और 28, ग्राम-साहिबाबाद, दौलतपूर, दिल्ली।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1983

मोहर 🛭

2777-7-3-11

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

े शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निष्णां सं. आहं. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/11-82/8203--अत: मुके, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. में अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि हैं, तथा जो प्राम-होलम्बी ख्र्बं, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख न्तम्बर, 1982

को पूर्वोक्षत संपरित के उचिन बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल में ऐसे द्वयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- '(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— श्री अजित सिंह सूपृत्र
 श्री मौजी राम,
 निवासी—-ग्राम-और पो. होलम्बी खुर्द,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती आशा नहता पत्नी श्री ललीत क्मार नहता, निवासी—-6-सी., तिलक नगर, 9-बी, सागर अपार्टमेन्ट, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्तं होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- '(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरीया 16 विघा, 16 विष्वे, सप्तरा नं 30/10, 11, 12, 31/15, 14/2, ग्राम-होलम्बी सुर्दे, दिल्ली।

स्धीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

अध्यक्रर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्जेज-2, जी-13, गाउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, हुई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 8 जूलाई 1983

निवर्श सं. आई. ए. सी./एक्स्./2/एस.-आर.-2/ ·11-82/8188---अतः स्क्रो, स्धीर चन्द्रा, आपया अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 25,000'- रा. से अधिक है और जिसकी मं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-बसतावर प्र, विल्ली-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को प्रवीक्त सम्मत्ति के उजित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यान करने का कारण है कि रूथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भर या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ब्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. जब उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अज मोहन लाल सृपुत्र
 श्री मंसा राम,
 निवासी---21-राम नगर, विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री राजंश क्मार स्प्त श्री जिलं सिंह, निवासी---ग्राम-बखतावर प्र, दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पान्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 14 बिघे, और 8 बिश्वो, खसरा नं. 60/23एम (2-8), 22(4-16), 77/2(4-16), 3एम (2-8), ग्राम-बखतावरपुर, दिल्ली-36।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्द्द दिल्ली-110002

तारीस : 8-7-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नर्इ चिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 8 ज्लाई 1983

निवाँश सं आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8189--अतःम्भे, स्थीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूगिम है, तथा जो ग्राम-बलतावरप्र, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रॉजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निसिश्त उव्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्री बृज मोहन लाल स्पृत्र
 श्री मंसा राम,
 निवासी--21-राम नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री भूले राम सुपृत्र
 श्री बंसी लाल,
 निवासी——ग्राम-पाला, दिल्ली-36 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गृक्तों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि ताबादी 14 बिभे, और 8 बिश्वे, खसरा नं 60/13 (2-8), 12 (4-16), 18 (2-8), 19 (4-16), एरीया ग्राम-अखतावरप्र, विल्ली-36।

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नुई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1983

त्ररूपु आइ. टी. एन. एस. -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्श दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8193--अतः मुभ्ते, स्थीर पन्द्रां, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-नरोला, दिल्ली मों स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, नई विल्ली मं भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि गथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया अन या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृतिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री चन्दगी सुपूत्र
 श्री जय सिंह,
 निवासी---सी-69, राणा उद्यान, नरेला,
 दिल्ली राज्य,, दिल्ली।
 (अन्तरक)
- श्री वया नन्द और
 श्री इश्वर सिंह सूपृत्रगण
 श्री पेम राज और
 भास्टर विनोद कुमार (माइनर) सूपृत्र
 श्री पेम राज,
 निवासी—456, राणा उद्यान, नरेला,
 दिल्ली राज्य, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/3 भाग भूमि तादादी 36 बिषे, 15 बिश्वे, खसरा नं 20/25, 21/10, 11, 22/16/2, 26/3/2, 3/3, 4, 5, 8/2, 5/3, 6, 31/22/2, 23/2, स्थापित-नरं ला, दिल्ली राष्य, दिल्ली।

सूधीर वन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-7-1983

मोहर 😲

प्ररूप बार् टी. एन्. एस्.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्दोश सं आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8217--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रह. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-साहिबाबाव, दौलतपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द्र दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर, 1982 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंत-रिसी (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं कवा गया है !---

- (क) अम्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उनक अधिनियम के अभीन कर दोनें के अम्सरक के दायित्व के कभी करने या छत्से अचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, फिन्हाँ भारतीय अत्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुप्रिधा के सिए:

अतः अब्, उस्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- सेन्ट मार्गरेट एजुक्केन्न सोसायटी, ग्राम-धीरपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री नवल किशोर खन्डेवाल सुपुत्र श्री जय नरायण, निवासी——6176 कुचा शिव मंदीर, फतहेपुरी, विल्ली।

'(अन्ति'रती)

भ्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के कर्पन के सम्बन्ध में क्येंड भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध सार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग भूमि ताबादी 19 बिघे, और 1 बिश्वा, खसरा नं. 36/18, 19 मिन-बेस्ट- 22 मिन-बेस्ट, 23, 24, और 28, ग्राम-साहिबाधाद, दौलतपूर, विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख** : 8-7-1983

मोहर 🙏

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूज-2, नहीं विल्ली नहीं दिल्ली, दिनांक 8 जुलाही 1983

निवर्षा सं आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर. 11-82/8136---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिध्यम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. आर-बी-5 हैं, तथा जो इन्दरपुरी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विषित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री कुलजास राय सुपृत्र स्व. श्री आतम चन्द झम्ब, निवासी---ए-ई-34, टोगोर गाडॉन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

शी जितित्वर कुमार तनेजा सुपूत्र श्री सुंदर लाल तनेजा, श्रीमती चन्चल तनेजा विधवा पत्नी श्री सुभास चन्द्र तनेजा, निवासी—जे-73, किटीं नगर, नद्दे विल्ली।

(अन्तरिती)∣

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं आर बी-5, इन्दरपुरी, दिल्ली, तादादी 300 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ट्रॉज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली-110002

तारीय : 8-7-1983

प्रकष् नार्ं. टी. एन्. एस्. - - - - --

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिश)

अर्जन रोज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1983

निर्दोश सं आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8191---अतः म्भे, सुधीर चन्द्रा, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से गिधक है और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-ब्रारी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क्री अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खबमान प्रतिफल में, एसे खबमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थास् :---

श्री प्रेम चन्द सैनी सुपृत
 श्री राम चन्दर,
 निवासी——ग्राम-सिवीपुरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री नाथु,
 श्री चन्दर सूपुत्रगण
 श्री हनभन्ता,
 निवासी—वरारी, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धींकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उधर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमलची

भूमि तादादी 10 बिघे, 15 बिदवे, म्स्तातील नं 106, किला नं 22, 26, और मुस्तातील नं 116, किला नं $\frac{1}{2}$

सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नहीं विल्ली-110002

न्।रीख 🗆 8-7-1983

मोहर 💠

प्ररूप आहर् ुटी, एन ु एस ु------

नायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत चर्डकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 8 जुलाई 1983

· निकांक सं आर्कः ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8187--अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-बसतावरपूर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्इ दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुकने में सृदिधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ा—

श्री बुज मोहन लाल सूपूत्र
 श्री मनसा राम,
 निवासी —~21-राम नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती कमला परनी
 श्री जिले सिंह,
 निवासी—-ग्राम-बस्ततावरपुर, दिल्ली-36 ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना को तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास लिख्तु में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाधी 15 बिघे, 8 बिश्वे, खसरा नं. 60/1/2 (1-0), 2 (4-16), 3 मिन (2-8), 8 मिन (2-8), और 9 (4-16), रविन्यु इस्टेट, एरीया ग्राम-बखतावरपुर, दिल्ली-36 ।

. सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रुप्त-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1983

मोहर 🕄

रक्प आहर्ष, टी. एन्. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2,

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाई 1983

निर्दोश सं आई. ए. सी./एक्य्./2/एस.-आर.-2/ 11-82/8208---अतः मुभ्ते, सुधीर चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्शारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रत. सं अधिक हैं और जिसकी सं 67, ब्लाक-जेड हैं, तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायता, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितारों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अबं, उक्त अधिनिक्षम की धार्ड 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म श्रीमती चानन वेवी एण्ड अवस्,
 ित्यासां-21/37,
 एस. आ. आर्ड-1, चाराँव सन्त ओगांव रोड,
 थापारा वैगकोक (आइलेन्ड) ख्वारा
 श्री गुरदर्शन सिंह सुपृत्र
 श्री विज्ञ सिंह,
 निवासी-3003 सैक्टर 21/डी,
 चन्डीगढ़ एण्ड अवस्।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी एण्ड श्रीमती सरला देवी निवासी-जंड-67, राजोरी गार्डोन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्दु सुम्पुरित में वर्षन से बुम्बन्ध में कोई भी आसीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी अधिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इपारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकी।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया **है**।

अन्सुची

दो मंजिला मकान तादादी 489 वर्गगज, प्लाट नं क्लाक-जेड, राजोरी गार्डेन, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 8-7-1983

मोहर 🔃

प्ररूप बार्ड : टी. एच. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-ध (1/ के अधीर स्थान

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर लायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली नई विल्ली दिनांक 6 जुलाई 1983

निद^{*}श सं आर्द्द ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/11-82/1201—यतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह बिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित साजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-आया नगर, नहीं विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ जिथितियम के जभीत कर देने के अन्तरक को उपित्य में कची करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, सकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रभू सुपुत्र श्री छजुआ, निवासी-ग्राम-आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मीं. नवरंग कमसीयल कं प्रा. लि. 219, चितरंजन एवन्यू, कलकत्ता, द्वारा श्री एम्. सी. गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूर्यना जारी करके पृत्रों क्त सम्तत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहित्यों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्दारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/6 भाग तादावी 22 बिधे और 9 बिह्वे, सस्य नं. 1554/1 (2-4), 1552/3 (1-6), 1553/1 (2-4), 1555/2 (1-3), 1820/1 (1-18), 1821/2 (3-11), 1844/2 (3-11), 1845/2 (2-9), 1848/3 (0-4), 1884/1 (2-4), 1885/3 (0-13), 1883/3 (1-3), ग्राम-आया नगर, नहें दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। दिल्ली, नहीं बिल्ली-110002

तारीख: 6-7-1983

मोहर 🙄

प्रारूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नर्झ दिल्ली नर्झ दिल्ली दिनांक 6 जुलाई 1983

निवां सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/11-82/1164—यतः मुफे, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है लार जो ग्राम-राजोकरी, तहसील महगैली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982
पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,अर्थात् :——
19---186G1/83

- 1 श्री रघबीर, सामपता, जगलाल, स्पूत्रगण श्री हर-व व , निवासी-राजोकरी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. पालम स्टाइ एण्ड एग्रीकलचर फर्मस (इन्डीया). प्रा. लि. ग्राभ-राजेकरी, नर्झ दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के गर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय गया है।

अनुसूची

3/4 भाग कृषि भूमि ताबादी 23 विघे और 10 विश्वे, ससरा नं 150/2 (2-8), 151 (4-16) 157 (4-16), 158 (3-8), 160 (4-12), 161/2 (3-10), ग्राम-राजो-करी, तहसील-महरौली, नई बिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। दिल्ली, नद्दों दिल्ली-110002

तारीस : 6-7-1983

प्रकृष नाह्". ट्री. एष्. एस . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्द विल्ली नर्द विल्ली, विनाय 6 जलार्द 1983

निवैश्व सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./ ι /एस-आर-3/11-82/1195—यतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयक्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ू(बिसे इसमें

शायकर आभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा भो ग्राम-धिटोनी, नर्द विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नर्द्द विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के के अधीन, तारीख नवस्बर 1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्रमान प्रतिफल से, एमे इत्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिगयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम का भारा 269-ग के अनुसरक हैं., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री खचरू, छत्तर, अतर सिंह सुपूत्रगण श्री खवानी थाना, किरपा, श्रीराम, हरकेश सुपूत्रगण श्री सूर-जान, निवासी ग्राम-घिटोनी, तहसील-महरोली, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)
 2. कुमारी शकुन शर्मा सुपृत्री श्री एम. आर. शर्मा,
 निवासी-।।।-एफ/19, लाजपत नग्र, नई विल्ली
 (अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पृत्रांकत सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रिथनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया युगा है।

अन्तुची

कृषि भूमि तावादी 4 विघे और 16 विश्वे, खसरा नं 324, नं 324, ग्राम-चिटोनी, तहसील-महरौती, नई विल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। दिल्ली, नर्हा दिल्ली-110002

तारीख : 6-7-1983

प्ररूप आर्च, टी. एन. एस्.,-----

बायक<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्द दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 जूलाई 1983

निर्वांश सं आर्धः ए. सी./एक्य्./।/एस-आर-3/11-82/1194- यतः मुभ्ते, नरन्त्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य . 25,000√ - रुः. से अधिक हैं और जसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-घिटोनी, तहसील-महरौली, नर्ह दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ध दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अभीन, तारीख नवम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त मंतरण** लिचित में बास्तविक रूप किंपत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; औड़/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जयः, उक्त जीभिनियमं की भारा 269-गं के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिल्चित व्यक्तियों, जुर्थात् :---- श्री विशन लाल कानोडीया सृपृत्र श्री ज्योती प्रसाद कानोडीया निवासी-बी-368 न्यु फ्रोंडस कालोनी, नद्दी दिल्ली।

(अन्तरक)

2. महरा जेवल पैलेस प्रा. लि., जी-25, एन. डी. एस. ई-1, नई दिल्ली द्वारा श्री सी. एल. महरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादावी 2 बिधे और 13 बिष्ये, खसरा नं वि 333/1, ग्राम-षिदाेनी, तहसील-महरीली, नई दिल्ली।

नरन्त्र सिंह सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीब** : 6-7-1983

(अन्तरक)

प्ररूप बाह्र . टी . एन . एस . -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नहीं दिल्ली

नर्ष दिल्ली दिनांक 6 जुलाई 1983

निवर्षा सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/। 1182-1222--यतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह,

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संदाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से प्रधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजयाशन, नहीं विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नहीं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस नवस्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक लग्न के किए तसही किया प्रया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत् अभ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—

- श्री जगत सिंह एलीयस जगदीश सुपृत्र श्री हुकम जन्द, श्रीमती दरीयाई और श्रीमती ओमवती सुपृत्री श्री हुकम जन्द, निवासी-ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली।
- 2. मीं. ग्रीन पार्क विल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा. वि. 115 अंसल भवन, 16-के. जी. मार्ग, नर्ह दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अयिक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

कृषि गूमि तादादी 5 बिधे और 9 बिस्वे, जो भूमि का 1/5 भाग है, रोक्ट नं. 36, किला नं. 24 (4-16), 25 (4-16), द्रोक्ट. नं. 45, किला नं. 4 (4-06), और किला नं. 180 मिन (13-08), ग्राम बिजवारीन, नर्द्र दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-। दिल्ली, नर्दा दिल्ली-110002

तारीख : 6-7-1983

मोहर 🗈

प्रकृप आई। ठी। एन। एस।-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे-।, नक्षे दिल्ली

नक् दिल्ली दिनांक 6 जूलाई 1983

निवाहा सं आई. ए. सी /एक्यू./।/एस-आर-3/11=82/1197—यतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यये से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-षिटोर्नी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिफल, निम्नलिखित उद्बरियों से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए। शौर/मा
- (स) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निष्तिक व्यक्तियों, अर्थान् स्—

- श्री खर्चरू, चातर, अतर सिंह सुपुत्र श्री खवानी थाना, िकरपा, श्रीराम हरकोश सुपुत्रगण श्री सुरजान, िनवासी ग्राम घिटोनीं, महरोली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री भार्षालाल पटोल सूपृतः श्री बी. एस. पटोल हा निवासी-48 जनपथ, नर्ष दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह **सूचना जारी करके पूर्वोक्**त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए का**र्यवाहियों** करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ।==

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 9 निषे और 12 निष्ये, ससरा नं 321 (4-16), 322 (4-16), ग्राम-धिटोनी, तहसील-महर्गली, नर्षे विल्ली (1)

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज्-। विल्ली, नद्दों दिल्ली-110002

तारील : 6-**7-1**983

मोहर 🕄

प्रकप् अल्हाः, दी., एन., पुर्य .=----

नायक<u>र भी</u>धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मुधीत सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिवांक 6 जुलाई 1983

निवर्भेश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/11-82/1196--यतः मुभ्ते, नरन्त्र सिंह, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-घिटोनी, महरौली नर्घ दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्हों दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरुण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीव, निम्नीनिचत अधिनवर्यों हु अर्थाव् ध—-

- श्री खचेरू, चातर, अंतर सिंह सुपुत्रगण श्री खवानी थाना, किरपा, श्रीराम, हरकेश सुपुत्रगण श्री सुरजान, निवासी-ग्राम-घिटोनी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- श्री राहुल पटोल (माइनर) सृपुत्र बी. बी. पटोल, निवासी-48 जनपथ, नई दिल्ली व्यारा उसके पिता और सही अभिभावक श्री बी. बी. पटोल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

कृषि भूमि तावादी 9 विधे और 12 विषये, खसरा न 308 मिन (1-3), 309 मिन (2-17), 310 (4-16), 311 (0-16), प्राम चिटानी तहसील-महरीली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कर्जन रोज-। दिल्ली, नर्द् दिल्ली-110002

त्**रीस**ः 6-7-1983

मोहरू 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नई विल्ली नुई विल्ली, विनोक 6 जुलाई 1983

निदंश सं आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/11-82/1186—यतः मुफे, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री राम मेहर, निवासी-ग्राम-विजवाशन, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 में ग्रीन पार्क बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा. लि. 115 अंसल भवन, 16 क्षे. जी. मार्ग, नई दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि ताबाबी 24 बिघे कोबल, रोक्ट नं. 77, किला नं. 16 (4-16), रोक्ट नं. 78, किला नं. 10 (4-16), 11 (4-16), 20 (4-16), और 21 (4-16), ग्राम्-बिज-वाह्मन, नर्ह दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। दिल्ली, नद्द दिल्ली-110002

तारीख : 6-7-1983

मोहर 💸

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन स्चना भारत सरकात

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-ा, नह दिल्ली

नुह दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निद^रश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. / । /एस-आर-3/11-82/1202—-यतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाजार मूख्य 25,000/-ए० से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गवाईपुर, नह दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्विकत सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान
प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पिति का उचित बाजार
व्रूट्य उसके धृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों)
ग्रीर शन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं चिया चया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बावत बक्त अक्रिनियम के सधीन कर देने के सम्तरक के अधिस्थ में कभी करने या उक्क बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या कियी घन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिकियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री अशोक क्रुमार जैन और अनील कुमार जैन सप्तर-गण श्री दरबारी मल जैन निवासी-। अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली, व्वारा अटानी श्रीमती भूला रानी पत्नी श्री खुशी राम निवासी एफ-92 ईस्ट औफ कैलाश-नई दिल्ली।
- श्री अशांक कुमार कक्कड़ सुपूत्र श्री दर्गाहि दास, व स्वयं तथा अटानीं श्री सुरश कुमार सुपुत्र श्री दर्गाही दास, निवासी-इं -20, ग्रेट्र कैलाश इनकलेव नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की **यह मुचना** जारी श्वरके पृथाँक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य**गाहियां** शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के उनक न कार नो आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करे 45 दित की मनकि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करे 30 दिन की अवधि; जो भी धनकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य श्यक्ति द्वारा प्रजीवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, जो सक्त शिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो सस सक्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 विषे और 5 विषये, खसरा नं. 530 ग्राम- गदाईपुर, नई दिल्ली ।

नर**ेन्द्र सिंह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। **दि**ल्ली, न**र्हा विल्ली**-110002

तारीख: 6-7-1983

मोहर 🧓

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस्.-- ----

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निव[™]श सं. आर्ह. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/11-62/1218—-यतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

भायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भ्रष्टिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-ध्या से प्रक्रिक है

और जिसकी सं आर-265, तथा जो ग्रेटर कौनाश-।, नहीं दिल्ली मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्व रूप में विज्ञात ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली मों भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है बीर यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (प्रन्यरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्त- विक अप से बिकत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई विक्षी याम की बाबत वक्त श्रीध-निवम के संजीत कर देने के अन्तरक के वावित्व में कमी करने या उक्त से नचने में सविधा के किए। और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 20 -186GI/83

- 1. श्री वी. पी. वोह्न्स, निवासी-आर-265, (ग्राउन्ड फ्लोर ग्रेटर कौलाश-। न**र्इ दिल्ली-**48। (अन्तरक)
- 2. श्री जनार्दान सेहगल, निवासी-एस-59 ग्रेटर कौलाश-। नर्द्र दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के प्रीतर उनका स्थानर संपरित में हितनहरं कियी जन्म व्यक्ति इवास वभोहस्ताक्षरी के पास निवत में किए या सकने।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रो. नं अार. 265 (बुसरी मंजिल) ग्रेटर कौलाश-। नर्ही विल्ली, ताबाबी 325 धर्ग फीट, लगभग ।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख ': 6-7-1983

प्रकृप धाई • ही • एव • एस • ----

भ्रायकर **प्रशिष्यम, 1981 (1961** का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नक दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदांश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/ 11-82/1232---अतः मुभ्ते, नरोन्द्र सिंहः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-ध के प्रधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- स्पये से अधिक है

और जिसकी सं बी-56, ही तथा जो एन. डी. एस. ई-11, नई दिल्ली में स्थित हूँ (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिल हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिग्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रधिक है और **पन्तरक (अन्तरकों) धो**र अन्तरिह्यी (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत सक्त शिधिनियम के सधीन कर देने के घम्सरक के दायित्व में कभी करने पा नमसे मनने में सविधा के लिए और या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की जिन्हें मारतीय आयकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिविनयम, या धन-कर ग्रिशिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिधी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा को लिए:

ग्रतः अब, उन्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उस्त धविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अभीत निस्त्रलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--

1. श्रीबी. डी. शर्मासपुत्र श्रीबी. सी. शर्मा. निवासी-सी/186., निर्माण विहार, नर्ष विल्ली

(अन्सरक)

2. थी दिवन्द्र कमार डंग और (2) श्री हरीश डंग सप्त्रगण श्री हंस राज डंग, निवासी-बी-56, एन. डी. एस. ई-।।, नर्श विल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचनाजारी कर को पूर्वोक्स संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्रेप :--

- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तासील से 30 दिन की घषित, जो भी भवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्वावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त लिंबिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-56, एनं. डी. एसं. ई-।।, नइ । ६९९।, तादादी 250 वर्गगज,

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज-1, दिल्ली, नुई दिल्ली-110002

तारीख: 6-7-1983 मोहर 🖫

प्ररूपः, आर्हः, टीः, एतः, एसः, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नर्घ दिल्ली, विनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं आई. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/11-82/1162—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का

कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार

25,000/- रतः से अधिक हैं।

और जिसकी सं एक -445, है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री रघुबीर सिंह मल्होत्रा
(2)श्री हरबंस सिंह मल्होत्रा
निवासी-एच-445, न्यु राजिन्द्र नगर,
नृष्ट्र विल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमित स्निनला चोपड़ा, निवासी-15-ए/13, डब्ल्यू-ई-ए-करोल बाग, नई विल्ली-5,

(अन्तरिती)

.का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

बन्स्ची

भो . ने . एथ-445, न्यू राजिन्त्र नगर, नई दिल्ली, एरीया 202 वर्गगज,

> नरोन्द्रं सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। , दिल्ली,, नक्षे दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अधीत :---

तारीख: 6-7-1983

मोहर ः

प्ररूप भाई • टो० एन० एत०------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्क्रप्रस्थ स्टॉट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्दोश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /1/एस-आर-3/ 11-82/1185---अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, ग्रायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-काए से भिधक है

मौर जिसकी सं 12/14 है तथा जो डब्ल्यु-ई-ए करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नथम्बर 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं भूऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या,
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी क्रम या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, क्रियामें में सुविधा के सिए।

प्रतः अबः, उदतः प्रकिनियम की कारा 269-ग के, प्रनुप्तरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को स्थीन, निम्नुसिचित स्युक्तियों, सुभीत् हिन्स 1 श्रीमती सूरण रानी भागवा एण्ड श्री ए. एस. भागवा, नियासी-7-बाजार लैन, बंगाली मार्केट, नहीं दिल्ली,

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती कान्ता चावला
 - (2) श्रीमती राज कुमारी चावला
 - (3) श्रीमती रेखा चावला और
 - (4) श्रीमती रामा चावला, निवासी-20/22, पं<mark>जाबी</mark> बाग, तर्द्व दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त नम्पति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के झड़्याय 20-क में परिभाषित है, वक्की ग्रार्थ होगा, जो उस अड़्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 12/14, डब्ल्यु-ई-ए-करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी-548 33 वृर्गगज

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-7-1983

मोहर 💈

प्ररूप भाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. ब्रिन्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नर्इ विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदर्श सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/. 11-82/1184——अतः मुफ्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

और जिसकी सं डब्ल्यू-169 है तथा जो ग्रेटर कीलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्बर 1982,

25,000 /- रह. से अधिक हैं:

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एन्से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; आर्ट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्री स्रोध सी. वर्मा सपृत्र श्री एम. आर. वर्मा, निवासी-31/17 इस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 मास्टर पवन एम. उत्तम और मास्टर अमृत एम. उत्तम सुपुत्रगण श्री मोहिन्द्र बी. उत्तम, ख्वारा उसके पिता और सही अभिभावक श्री मोहिन्द्र बी. उत्तम, नियासी-एस-285 पंचशीला पार्क, नर्ष दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्थित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इंसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . 169, ब्लाक-डब्ल्यू, ताबादी 400 वर्गगज, ग्रेटर् कलाश-।।, नर्ष विल्ली

> नरन्य सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, दिल्ली,, नई दिल्ली-110002

वतः वकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 6-7-1983

प्रकप बार्क, टी. एवं. एस , --------

भायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रीज-।, नई दिल्ली जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नर्दः विल्ली, विनांक 6 जुलाई 1983

निदेंश सं. आई. ए. सी./एक्य्./1/एस-आर-3/11-82/1163—अतः मुफे, नरेन्द्र सिंह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं. 6. ब्लाक-डी है तथा जो एन डी एम डी.-

और जिसकी सं 6, ब्लाक-डी हैं तथा जो एन डी.एस.ई.-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नयम्बर 1982,

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुइ किसी जाव की वावक, उपत अविनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा

किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मिलिचित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक श्री असवन्त लाल सुपूत्र श्री सेन धास, निवासी-नं. 12, ब्लाक जे/1, पहली मंजिल, सुजान तिसंह पार्को, नई दिल्ली

(अन्सरक)

 श्रीएम. एस. आहूजा सुपृत्र श्री सैन दास, निवासी-5/11, बेस्ट पटोल नगर, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्रो ा 1/4 भाग अविभाजित हिस्से एन वा जा पर छ, ब्लाक नं 'डी' तादादी 50 वर्गगज, स्थापित-एन डी. एस. ई-1, नई दिल्ली

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, बिल्ली,, नर्झ दिल्ली-110002

त्रीख: 6-7-1983

मोहर ः

प्रस्प भाई० टी॰ धन॰ व्र-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श् (1) के अधीन सूचना

भारतः सङ्ख्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, न**र्इ दि**ल्ली जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्**इ दिल्ली**

नई बिल्ली, विनास 6 जुलाई 1983
निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/
11-82/1193—अतः मुम्मे, नरन्त्र सिंह,
स्नामकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की सारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विगवान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/ द॰ से प्रधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घटानी तहसील
महराली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीस नवम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के बिक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तिरित की पर्दे है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बिक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत प्रविक्त है भीर जन्तरिक (प्रन्तरकों) बीर जन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिये तय पाना गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वय से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तिक कर से किवन नहीं किया गया है म्ल्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुक्ने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (च) ऐसी किसी बाय या फिली घन या खम्य बाहितयों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम; 1922 (1922का 11) या उपत प्रधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह श्री विशन लाल कानोडिया सपुत्र श्री ज्योती प्रसाद कानोडिया निवासी-बी-368, न्यू फ्रेंन्डस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्सरक)

 महरा जेवेल पैलेस प्रा. लि. जी-25, एन. खी. एस. ई-।, नई दिल्ली दुवारा श्री सी. एल. महरा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्थ कार्वेमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तक्तंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की घर्वीय, जो भी
 धर्वीय बाद में समाध्य होती हो, के मीतर पूर्वोवस
 स्पित्यों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदृशीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बांशिवियम के सध्याय 20-क में परिवाधित ंहै, बही अर्च होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 4 बिघे और 16 बिघेबे, खसरा नं 332, ग्राम-चिटानी, तहसील-महरोली, नई दिल्ली,

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली,, नक्षे दिल्ली-110002

तारीख ३ 6-7-1983 भोहर ॥ प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, नई दिल्ली जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवर्षा सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/ 11-82/1460—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 127, ब्लाक-17 है तथा जो सुन्दर नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुके यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√बा
- (क) एरेसी किसी जाय या किसी भन या जन्य ज़स्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिर्दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान कि श्री प्रभात और आलोक, सपृत्रगण
स्व. श्री मदन मोहा,
निवासी--निश्वकाम प्रेस बिल्डींग,
बंगम बृज रोड, मेरट एण्ड 105 एवरस्ट
जे. एल., नेहरू रोड, बाम्बे, लोकल स्थान-मार्फतएम. के. गुप्ता,
निवासी-2-बाबर रोड,
नर्ह दिल्ली

(अन्तरक)

श्रीमती कृष्णा स्वरूप पत्नी
 श्री शैलेन्द्रा स्वरूप,
 निवासी-127-सुन्दर नगर,
 नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यित्सयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा. जी उस अध्याय में दिया गया है ।

जनसंची

प्लाट नं . 127, ब्लाक नं . 171, तावावी 0 . 179, एकड़, सुन्दर नगर, नई दिली,

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली., नई दिल्ली-11/002

तारीख: 6-7-1983

भोहर :

प्ररूप आर्चुटी. एन. एस्. - ≥ - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नहीं दिल्ली

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट,

नई विल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं. आई. ए. मी./एक्यू./।/एस-आर-3/11-82/1472—अत: मुक्ते, नरन्द्र सिंह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 18 है तथा जे टोडरमल रोज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में पूर्व रूप में वृष्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन तारीस नवम्बर 1982,

(1908 का 16) के अधीन ताराय नवम्बर 1982, को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बालांविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आदि/या

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21-186 GI/83

 श्रीमती वलबीर कार मल्हन, पत्नी म्व. श्री गूरदीत सिंह मल्हन, निवासी-एस-62, पंचशील पार्क, नई दिल्ली-17,

(अन्तरक)

2. में. बूज इन्टरप्राइजेज प्रा. लि ई-2/6, भेडेबालन, नई दिल्ली, द्वारा डाईरिक्टर श्री नवल किशोर अप्रवाल, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

्रस्पटिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, खो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पुरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

अनुसूची

प्लाट नं. 18, पुराना प्लाट नं. 77,, ब्लाक 205-सीं टोडरमल रोड, नई दिल्ली, तावादी 261.87 वर्गगज,

> नर**ेन्द्र सिंह्** सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्इ दिल्ली-110002

रामील : 6-7-19**8**3

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई विल्ली भी-13, ग्राउन्ड फ्लार, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 जुलाई 1983

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-3/11-82/1471—अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. बी-3/13 है तथा जो सफवरजंग इनकलेष, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील नयम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एेमे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोर्य से उक्त अंतरण लिखित

में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत् :--- श्री जीवन कुमार सुपुत्र श्री बाल कृष्ण, निवासी-10ए, पौकेट 'बी' हरी नगर, नई दिल्ली≀

(अन्तरक)

श्री सर्वा तन्द शास्त्री सपृत्र
 पं. मधुसुदन
 निवासी-बी-3/13, सफदरअंग इनक्लेद,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कांड्रों भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की क्षारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पतों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची .

प्रो. नं. बी-3/13., सफदरअंग इनक्लेघ, नई दिल्ली, भूमि तादादी 300 वर्गग्य,

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

टारीव : 6-7-1983

माहर :

प्ररूप आहें. टी. एन, एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्इ बिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यु./1/एस-आर-3/ 11-82/1180--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-एड. से अधिक हैं और जिसकी सं. ई-58 है तथा जो ग्रंटर कीलाश-।।, नई दिल्ली में म्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृह दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनेयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह ु---

- 1. श्री कौलाश चन्द्रा महोशवरी, निवासी-ई-58, ग्रंटर कौलाश-11, नई दिल्ली, जयस्यन्ठ डायकेम प्रा. लि., ई-16, एवरोस्ट (6-मंजिल) तारवीव रोड, बाम्बे-34,
- श्री शिव प्रताप मिश्रा, मंदिर स्ट्रीट 3840 पहारी धीरज, दिल्ली

(अन्ति रती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृज्ञारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. ई-58, तादादी 250 वर्गगज, ग्रंटर कौलाश-।।, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-1, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख : 6-7-1983 ---

प्रकृष बाइ, टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रॉज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदंश सं. आई. ए. सी./एक्य्./1/एस-आर-3/11-82/1229——अतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह, बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं ई-85, प्लाट नं 'सी' है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उदत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सृविधा के लिए; ब्रॉट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री राकेश जैन सुपृत्र
श्री चन्दर सेन जैन,
मार्फत श्री एस. पी. अग्रवाल,
निवासी——ई-482,
ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली।

(अन्तरक)•

 श्री बी. एस. खुराना सुपुत्र स्व. श्री प्रीतम दास खुराना, निवासी--3/1, शिवाजी नगर, गुडगाँव, हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- ्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कॉंगे।

रमस्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं,। वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिखा न्या हैं।।

अनुसूची

पलेट नं. 'सी' (दुसरी मंजिल), तादादी 1611 वर्ग फीट, प्रो. नं. ई-85, ग्रेटर कैलाश-।।, नंई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रज-1, दिल्ली, नर्इ दिल्ली-110002

तारीख: 6-7-1983

मोहर् 🖫

प्ररूप आईं.टी पुन .एस :------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयम्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, पी-13; ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिर्लिडग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवर्षेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/ 11-82/1238--अतः म्भो, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ी और जिसकी सं. ई-458 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई षिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्रत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यानत, उक्त म्भिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री एस : रणजीत सिंह,
 श्रीमती क्लवन्त करि और एस : गुरमित सिंह,
 निवासी——6-सी,
 उधम सिंह नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

 श्री जय क्रमार आनन्द और श्रीमती रीना आनन्द, निवासी ~~17ए/26, डब्ल्यु-ई-ए करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिलए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है ।

मन्स्ची

प्लाट नं. ई-458,, ग्रेटर कौलाश-।।, नई दिल्ली, भूमि तादादी 250 वर्ग गज, अर्थात 209 वर्ग मीटर।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, विल्ली, नर्द दिल्ली-110002

सारीस : 6-7-1983

प्रसम जाई. टी. एन . एस . ------

भायसर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 28% घ(1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, झहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रोज-1, जी-13, ग्राउन्ड क्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निद्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/11-82/1236—अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, जामकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाजर नंपील, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-यक से जाधिक है

और जिसकी सं सी-116 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-।, नह विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्द्रीकर्ता व्यधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण विधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंसरित को गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के। एके दश्यमान प्रतिकल का पत्कह प्रतिज्ञत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त ज़िधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सूविधा के लिए: और्/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः नव, बक्त विभिनियम की भारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्तिविधित व्यक्तिस्मां, स्थात् :---

- श्रीमती जगवीश कौर पत्नी श्री करतार सिंह, निवासी—सी-116, ग्रेंटर कौलाश-।, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- कुमारी ऱोमा बाहुजा सूपूती
 श्री राज कुमार आहुजा,
 निवासी---आहुजा मार्केट, 459,
 हमिल्टन राड, दिल्ली-6,
 द्वारा उसके पता--श्री राज कुमार आहुजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. सी-116, ग्रेटर कौलाश-।, नई दिल्ली, तादावी 300 वर्ग गण।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-7-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

निद्धां सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/11-82/1469—अतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं विश्वास करने का की कार्य कि स्थावर सम्पत्ति । जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं डो-8 है, तथा जो वसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विल्ली हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत नारीस नवस्तर, 1982

के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबेत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने यें सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा एकट नहीं किया एटा था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्यस्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री त्रस्तम खुषाशे शपूजी गांधी सपुत्र श्री के. एस. गाँधी,
 श्रीमती खुरशीद रुस्तम गाँधी पत्नी श्री आर. के. एस. गाँधी,
 निवासी—-डालफीन अपार्टमेन्ट,
 पार्डलट बन्डर रोड, कोलाबा, बम्बे।

(अन्तरक)

श्रीमती निर्मल सँगल पत्नी
श्री सूनिल सँगल,
द्वारा अटानी,
श्रीमती आर. नाथुरमल होमनानी पत्नी
श्री बी. एन. होमनानी,
निवासी—3/बी,
कोट लैन, खिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में संकिमा व्यक्तिन द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबहूथ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रों नं प्लाट नं . ८, स्ट्रीट नं . डी/८, वसन्त विहार, नर्ष दिल्ली-57, तादादी 400 वर्ग गज।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रॉज-1, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

सारीय : 6-7-1983

प्ररूप: बार्ड: टी: एन: एस: -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकाऱ

कार्याजय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनजः

संबन्क, दिनांक 6 जुलाई 1983

जी. बार्ड. आर. सं. डी-45/एसीक्यू.---यतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 1 बी, खसरा नं 649 है, तथा जो घोखपूर चावगंज गाडेंन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-11-1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग्य से उनत अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई कि बी आब की बाबता सकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए।

जतः जब, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को जभीन, निक्लिनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्रीमती शान्ती कोहली।

(अन्तरक)

2. श्रीडी पी बोरा, श्रीपंकण बोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के नर्धन के संबंध में करेड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का. जो उक्स सिंभितन, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिसा सवा है।

वन्त्रची

सम्पत्ति संख्या 1 बी, बसरा नं 469, जोिक शेखपूर जांवगंज गार्डन रोड, लखनऊ में स्थित ही, जिसकी पैमाइशी 18401 स्कायरफीट ही, जिसका सम्पूर्ण बिवरण सेल डीड य फार्म 37-जी संख्या 9630/82 में विणित ही, जिसका पंजी-करण सब रजिस्टार, एशोरोन्सस, कलकता में किया जा चुका है।

> ए प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीह : 6-7-1983

मोहर 🖫

प्रकप बाइं.टी.एप.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क़ी भारा 269-व (1) के सधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनउन लखनउन, विनांक 3 जुन 1983

जी. आर्द्र. आर. संख्या एन-56/एक्वी.—— यतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा 141/9 है, तथा जो जियामक, लखनक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-1982

क अवान, विनाक 24-11-1982
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अधीत् हि——
22—186 G1/83

1. श्री गंगा।

(अन्तरक)

 मेसर्स नूर सहकारी गृह निर्माण समिति लि., लखनज द्वारा मो. हनीफ खान, सचिव।

(अन्तरि**ती)**।

उपरोक्त अन्तरिती।
 (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया हैं।

अनुसूची

भूमि खसरा नं. 141/9 पैमाइशी 11 बिस्वा (14971 स्ववायर फिट) जोकि जियामज्ज, लखनज्ज में स्थित है, जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल खीड व फार्म 37-जी संख्या 9310 में विणित है। जिसका पंजीकरण सम-रिजस्टार लखनज्ज के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनऊ

तारीख ः 3-6-1983 मोहरः ६

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखन्डा लखन्डा, दिनांक 4 जुलाई 1983

जी अर्इ. आर. संख्या एस. 264/एक्द्री ---यतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मकान है, तथा जो नेकपुर मनसूमा, सिविल लाइन, बदायूं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बदायूं में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-11-1982

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्वैविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सराज प्रधान।

(अन्तरक)

2. श्री सोमश्वर दयाल सक्सेना।

(अन्तिरती)

3. उपरोक्त अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि सिविल लाईन, बदायुं में स्थित है, जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 6351/82 में विर्णत है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, बदायूं के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए . प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , लक्षनऊ

अतः अब, उक्त के धिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

तारीख : 4-7-1983

मोहर 🗓

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनज लखनज, दिनांक 4 जुलाई 1983

जी. आई. आर. संख्या बी-115/एक्वी.—
यतः मुक्ते, ए. प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान है तथा जो मौजा गोरखपुर पल्ला तह.
हल्द्वानी, जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हल्द्वानी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनाक 25-11-1982

(1908 का 16) के अवान, दिनाक 25-11-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भ्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; जाँर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री गोपाल दत्ता,
 श्री पुरन चन्द्र।

(अन्तरक)

2. श्री भुवन चन्द्र श्री चन्द्र शेखर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उपत अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि मौजा गोरखपुर पल्ला तह. हल्द्वानी, जिला नैनीताल में स्थित है, जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 2521/82 में विणित है। जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, हल्द्वानी के कार्यालय में किया जा चूका है।

ए. प्रसाद सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लखनऊ

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 4-7-1983

मोहर 🗧

धुरूपु आहें. टी. एन्. एस.,-----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत त्रकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनजर लखनजर, दिनांक 3 जुलाई 1983

जी. आर्ड. आर. संख्या एन. 54/एक्वी.— यतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आराजी है, तथा जो मौजा जियामजा, लखनजा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, लखनजा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिष्ठित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी क<u>र</u>ने या उक्त से बचने में सुविधा के लिए; ज़ॉर्ड/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट पहीं किया गया था किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 . भी प्रेमो।

(अन्तरक)

2. मेसर्स न्र सहकारी गृह निर्माण समिति लि., लखनक द्वारा मो. हनीफ खान, सचिव।

3 उपरोक्त अन्त्रारक।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, ज़िसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 पिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

अनुसूची

आराजी पैमाइशी 11 विस्ता जो कि मौजा जियामक, लखनक में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण दिवरण सेलडीड द फार्म 37-जी संख्या 9308/82 में वर्णित है, जिसका पंजी-करण सब-रजिस्ट्रार, लखनक के कार्यालय में किया जा चूका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोष, तसनउठ

तारीब : 3-6-1983

प्ररूप आर्डं टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनज्ज, विनांक 3 जून 1983

जी. आई आर. संख्या एन-55/एक्वी.--यतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आराजी है, तथा जो मौजा जियामक, लखनक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्लरण से हुई किसी आग की बाबत छक्त समि-नियम के प्रधीन करदेशे के सन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। शौर/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्सरण में ,मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री देवी दयाल।

(अन्तरक)

2. भेसर्स नूर सहकारी गृह निर्माण समिति लि., लखनजः द्वारा मो. हनीफ खान, सचिव।

(अन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरिती।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

आराजी पैमार्श्वी 11 बिस्या जो कि मौजा जियामंत्र, तसनज में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण संलडीड व फार्म 37-जी संख्या 9309/82 में वर्णित है, जिसका पंजी-करण सब-रजिस्ट्रार, लखनज के कार्यातय में किया जा चूका है।

एः प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनउऽ

तारीख : 3-6-1983

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनक

लखनज, दिनांक 3 जून 1983

ंजीं. आर्दः आर. संख्या एन-59∕एक्वी.—–यतः मुफ्ते,_ः गुप्रमातः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जियामजः, लखनजः में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः, लखनजः में रिजस्ट्रीकरण अधिनियमः, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-82

को प्वेंक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, छिपाने में सृनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीकन्धइ

(अन्तरक)

2. मेसर्स नूर सहकारी गृह निर्माण समिति लि. लखनज द्वारा सचिव, मो. हनीफ खान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करेके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगस परि

भूमि पैमाई शी 11 बिस्वा (14971 स्क्वायरिफट) जोकि जियामज्ज, लखनज्ज में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विदरण सेल-डिड व फार्म 37-जी संख्या 9313/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार, लखनज्ज के कार्यालय में किया जा चूका है।

> ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, लखनऊ

तारीस : 3-6-1983

प्ररूप बाईं, टी. एन., एस.,----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनज लखनज, विनाक 4 जुलाई 1983

जी. आर्ड. आर. संख्या एस. 265/एक्वी.---यत्ः, मुक्ते,,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो हल्द्वानी मल्ली, नेनीताल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हल्द्वानी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-11-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उत्कर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन िनिनिनिष्कृ व्यक्तियों, निर्माति हिन्

1. श्रीमसी काँशल्या रानी

(अन्तरक)

2. श्री सत्यदेव थरेजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिनी की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि पैमाईशी 3248 स्क्वायर फिट जोिक हस्त्वानी मल्ली जिला नैनीताल में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड क फार्म 37-जी संख्या 2408/82 में विजित है, सम्पत्ति का सब-रिजस्ट्रार, हल्द्वानी के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, लखनऊ

ता्**रीय** : 4-7-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आर्घ.टी.एन ऱ्एस . -----

मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, 57-ताम तीर्थ मार्ग, लखनउर लखनक, दिनांक 3 जून 1983

र्जी. आर्द. आर. संख्या एन-57 ∕एक्वी. ——यतः मुभ्के, ए. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं आराजी है तथा जो जियामका, लखनका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्देश्य से उयत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्तू अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा 🐝 लिए: और/या
- (स्रा) एेसी किसी अराय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या र्थन∽कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27)[™] के प्रयोक्षतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गबा भाषा किया भाना चाहिए था, छिपाने सें स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रों अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

1. श्रीराम कामार

(अन्तरक)

2. मेसेर्स नुर सहकारी गृह निर्माण समिति लि. लखनजः द्वारा सचिव्, मो हनीफ खान

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए। कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बवृध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा जो उस अध्यास में दिया

अनुसूची

आराजी पैमाइँकी 11 बिस्वा जी कि जियामुक, सखनक में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी संख्या 9311/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में कया जा चुका है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् र्ज, लखनज

तारीख : 3-6-1983

मोहर 🕹

प्रक्ष बाइ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनउर

लखनउर, दिनांक 3 जून 1983

निवर्षा सं. जी. आर्द. आर. संख्या एन-58/अर्जन— यतः मुभ्ते, ए. प्रसाद,

भायकर मिर्भानमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि संस्था 141/10 है तथा जो जियामक लखनक में स्थित है (और इससे जपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय लखनक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-1982

16) के अधीन, दिनाक 24-11-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तिण्यों, अधीत :--- 23—186GI/83

1. श्री रामचरन

(अन्तरक)

 मेसर्स नूरसहकारी गृह निर्माण समिति लि. लखनक द्वारा मो. हनीफ सान सिचव

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह मुखना बारी करके पृताँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, **जो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि नं. 141/10 पैमाई शी 11 बिस्वा (14971 स्ववायरिफट) जोकि जियामक लखनक में स्थित है जिसक सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 9312/82 में विर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनक के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सह(यक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन् र्रज, लखनउर

तारीख : 3-6-1983

मंहर:

प्रक्य आई.टी.एन.एस.------

आयक स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत चरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनजः लखनजः, दिनांक 3 जून 1983

निर्देश सं. जी. आर्दः आर. संख्या एन-60/अर्जन—— यतः मुफ्ते, ए. प्रसाद,

≀तः मुक्त, ए प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद जिन्हें अधिनियम कहा पया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 141/1 है तथा जो मौजा जियामक लखनक मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनक मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) को अधीन, विनांक 24-11-1982

को पृशोंक्त संपत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्त्रप् से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ---- 1. श्री मुन्तुलाल

(अन्तरक)

2. मेसर्स नुर सहकारी गृह निर्माण समिति लि. लखनज द्वारा मो. हनीफ खान सचिव

(अन्तरिती)

उपारोक्त अन्तरिती
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

. अनुसूची

आराजी पैमाईशी 11 बिस्वा ससरा नं. 141/1 जोिक मीजा जियामज लखनज में स्थित है एवं जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संस्था 9307/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनज के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, लखनज

तारीख : 3-6-1983

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 20 जून 1983

निर्देश सं. ए. आर. 1/37 इ इ-13/83-84---युतः मुक्ते, आर. के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 10, श्री जगदीश निवास कोआपर टिव हाउ िसंग सोसायटी लिमिट ड हैं तथा जो सायन
पूर्व बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कस के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में
क. अर्जने इलाका 1 के अंसर्गत तारीख 2-11-82 को रिजस्ट्री
हैं।

को पृथेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं हैं किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या-
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती जबक्लक्ष्मी नारायणस्यामी
 - (2) श्रीमती नागप्रभा

(अन्तरक)

2. श्री भद्रेश जयंतीलाल संधवी

(अन्तिर्दती)

3. अन्तरक

(वह ध्युक्ति, जिसके अधिभोगुमें सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थाना संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्च}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनस्यो

पलैट नं. 10, श्री ज्यदीश निवास को-आप्रेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, सायन (पूर्व) बम्बई-400022। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क. 1/37 इ ६-24/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि. 2-11-82 को रजिस्टर्ड हो गया है।

आहर के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेण-।, बम्बर्ड

तारीख : 20-6-1983

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-11, the 30th June 1983

No. P/1180-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri R. P. Kukrety, a permanent Grade I officer of the CSS cadre and officiating in the Selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th June, 1983.

S. K. F. KUJUR Dy. Scey. (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th June 1983

No. A.32014/2/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Ahuja, a selection Grade Personal Assistant of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely temporary and ad-hoc capacity with effect from 2-6-83 to 1-9-83 or until further orders, which is earlier.

- 2. His appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in {Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.
- 3. Shri V. K. Ahuja, Selection Grade Personal Assistant is outside the zone for long term promotion as Senior P.A. (Grade B of CSSS). As such his promotion as Sr. P.A. is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs for the period 15-7-1983 to 1-9-1983 i.e. the period exceeding 120 days during the calendar year 1983.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th July 1983

No. S-22/65-AD.V.—Shri S. N. Singhal, Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi on attaining the age of superannuation retired from Govrenment service with effect from the afternoon of 30th June, 1983.

The 19th July 1983

No. Λ-19020/4/83-ΔD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Gupta, IPS (Punjab: 1969) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 11th July, 1983.

K. CHAKRAVARTHI Deputy Director (Admn.) CBI

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110003, the 18th July 1983

No. O. II-1808/83-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. P. Daruka as Junior Medical officer Grade-II in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 15th June 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

FINANCE COMMISSION New Delhi, the 11th July 1983

No. 8-FC-2(33)-A/82.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Singh, Retired Senior Research Officer, Economic Administrative Reforms Commission, as Deputy Director in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1100-1600 23—186GI/83

with effect from the forenoon of 5th July, 1983 to 31st October, 1983, on re-employment basis.

T. C. NANDA, Administrative-cum-Accounts Officer

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas-455003, the 15th July 1983

F. No. BNP/C/5/83.—Shri V. Venkataramani, a permanent Junior Supervisor (Intaglio Printing) and ad-hoc Technical-Officer (Printing & Platemaking) is appointed to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1600-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 28-3-82 (FN) until further orders.

M. V. CHAR, General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 16th July 1983

No. M-6/3952.—In continuation to this office Notification No. M-6/12469, dated 17-2-1983, the ad-hoc appointment of Shri B. L. Sharma as Assistant Engineer (Mechanical) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a further period of 6 months from 1st July, 1983 or till the post of Engineer (Mechanical) is filled on regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA Trivandrum-695039, the 11th July 1983

No. Estt. A/VII/9-86/Vol/II/103—The Accountant General I Kerala, is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the date shown against each until further orders:—

S/Shri/Smt.

1. M. Mahadevan			24-6-83
2. Santha Mary Thomas			24-6-83
3. K. Karunakaran Nair (proforma)			24-6-83
4. V. K. Velayudhan (No. 1) .			24-6-83
V. Soundarajan		,	8-7-83

S. GOPALAKRISHNAN

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 11th July, 1983.

No. Admn 1/G. Os Promotion/137—The Accountant General-1, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officer as Account-Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000 EB-40-1200, until furtner orders, with effect from the date of his taking over charge as noted against him:

The manage of the same of the						
Sl. No. Name	Permanent No.	Date of taking				
		over				
1. Shri R. S. Chitranshi	02/301	30-6-1983 F.N.				

(Authority: A. G. I. orders dated 30-6-1983)
B. K. ROY

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 11th July 1983

No. 58(213)/79-Admn.1.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhagotra, in the post of Assistant Director (Group 'A') in the Olince of the Development Commissioner (Handicrafts), in a substantive capacity with effect from the 27th July, 1981.

SHIROMANI SHARMA, Development Commissioner for Handicrafts

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st May 1983

No. 12(401)/63-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri M. G. Malpeni, Assistant Director (Gr. I) (El) in Small Industries Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from atternoon of 31-5-1982 while on deputation as Senior Economist in Small Industries Development Organisation Tanzania.

The 6th June 1983

No. A-19018(141)/74-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. D. Supta, Assistant Director (Gr. I) (Electronics), Small Industries Service Institute, Indore as Deputy Director (Electronics), on ad-hoc basis as Small Industries Service Institute (Hyderabad, with effect from the forenoon of 11-4-83 until further orders.

No. A-19018(595)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Pamesh Chander Chopra as Assistant Director (Gr. I) (IMT) at Small Industries Service Institute Solan with effect from the forenoon of 2-4-83 until further orders.

The 10th June 1983

No. 12(182)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri R. N. Chakraborty, Director (Gr. I) (Chem.), Regional Testing Centre, Calcutta, to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28-2-1983.

No. 12(690)/71-A(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Majumdar, Dy. Director (EP) SISI, Calcutta as Dy. Director (IMT) in the O. o DC (SSI) New Delhi, with effect from the forenoon of 16-4-83, until further orders.

No. A-19018(582)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. B. Dutta as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) at PPD Centre, Ranchi with effect from the forenoon of 28-4-1983 until further orders.

No. A-19018(583)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Ramashankar Prasad as Assistant Director (Gr.1) (G/C) at Small Industries Service Institute, Solan with effect from the forenoon of 16-4-1983 until further orders.

Deputy Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-70001, the 7th July 1983

No. 6140B/A-19012(3-NGRO/83-19B,—Shri N. G. Reddy is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological

Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16-5-1983, until further orders.

No. 6153B/A-19012(4-TRR)/82-19B.—Shri T. R. Ravindranath is appointed as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th June, 1983, until further orders.

The 15th July 1983

No. 3335D/A-19012(1-AKPS)/82-19A.—Shri Anil Kumar P. S. is appointed as an Assistant Geologist in the G.S.I. on an initial pay of Rs. 650-7 per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2-4-1983, until further orders.

S. K. MUKERJEE, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th July 1983

No. A-19011(72) 773-Estl.A.—Shri H. G. Goel, Deputy Mineral Economist (Statistics) is appointed to officiate as Mineral Economist (Statistics), a Grade II post of ISS, w.e.f. the forenoon of 24th May, 1983, until further orders.

No. A-19011(319)/83-Estt.A.—Shri P. R. Sarkar, Mineral Officer (Stat.) is appointed to officiate as Assistant Mineral Economist (Stat.), a Grade IV post of I.S.S., w.e.f. the afterneon of 24th May, 1983, until further orders.

No. A-19011(321) /82-Estt.A.—Shri M. N. Chari, Assistant Mineral Economist (Statistics) is appointed to officiate as Deputy Mineral Economist (Statistics), a Grade III post of I.S.S., w.e.f. the forenoon of 17th May, 1983, until further orders.

The 16th July 1983

No. A-19011(320) /83-Estt.A.—Shri K. K. Dhawan, Mineral Officer (Stat.) is appointed to officiate as Assistant Mineral Economist (Stat.) a Grade IV post of I.S.S., w.e.f. afternoon of 24th May, 1983, until further orders.

B. C. MISHRA, Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 13th July 1983

No. C-5975/594.—Shri Ram Singh Rawat, Technical Assistant (Map Reproduction) Selection Grade is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group 'B' post) in Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 5-5-83, on ad hoc basis and posted to No. 103 (PZO) Printing Group (M.P. Dte.), Dehra Dun.

No. C-5976/707.—Shri Sangram Oraon, Draftsman Division I, Selection Grade is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 20-5-83 (FN), purely on ad hoc provisional basis, and posted in Directorate, Survey (Air), New Delhi.

No. C--5977/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-

EB-40-1200 with effect from the date as shown against eac purely on ad hoc provisional basis:---

Sl. No. Name and Designation	Unit Office	With effect from	
1. Shri S. K. Chakravarty, Surveyor Sel. Gd.		26-2-83 (FN)	
 Shri Sachida Nand, Surveyor Sel. Gd. Bhubaneswar. 	• •	30-3-83 (F.N.)	

No. C-5978/594.—Shri P. K. Bhattacharjee, Technical Assistant, Map Reproduction (Selection Grade) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-3-83 (FN) and posted to No, 105 (DLI) Printing Group (Surair), New Delhi.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 11th July 1983

No. 4(103)/75-SI.—Dr. S. K. Satapathy, Programme Executive, All India Radio, Sambalpur resigned from Government service with effect from 1st July, 1983.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th July 1983

No. A.12025/10/81(JIP)/Admn.I/M(F&S).—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) M. Doloi to the post of Assistant Professor of Biochemistry at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of 22nd June, 1983, in a temporary capacity and until further orders.

P. N. THAKUR Deputy Director, Administration (C&B)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 16th July 1983 CORRIGENDUM

No. A-19023/5/83-A.III.—Please read "4.6.1983" for "4.4.1983" occurring in para two of this Directorate Notification of even number dated 2-7-1983, regarding Sh. Shaligram Shukla.

No. A.19025/30/81-A-III.—The resignation tendered by Shri Satish Chandra Srivastava, from the post of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Dte, of Marketing & Inspection, is hereby accepted w.e.f. the afternoon of 8-5-1983.

No. A-19025/72/81-A.III.—The resignation tendered by Shri G. Vidyasagar from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate is hereby accepted with effect from 4-5-83 (AN).

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 16th July 1983

No. DNB/VECC/Estt.II/2946.—Shri Deb Narayan Bagchi relinquished charge of the post of Security Officer on 30-6-1983 (AN) consequent on Superannuation.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 13th July 1983

Ref. DPS/21/1(2)/78-Est./22583.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated April 4, 1983, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. S. Pillai, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto September 30, 1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

The 14th July 1983

Ref. No. DPS/41/10/83-Adm./22715.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. R. Vaidya as permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer, on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 2-5-1983 (FN) to 10-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri M. K. John. Asst. Stores Officer, granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 29th June 1983

No. NFC/PAR/0704/1775.—Competent Authority appoints Shri M. Laxmana Rao, UDC, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basks from 01-07-1983 to 30-07-1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd June 1983

ORDER

Ref. No. NFC/PA. V/2606/3036/716.—WHEREAS Shri Sunder, Watchman, Security. NFC E. C. No. 3036, has been remaining absent from duty unauthorisedly (without prior intimation/sanction of leave) from 26-11-1981;

AND WHEREAS a telegram was issued to him on 26-6-1982 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/Admn, V/2606/3036/1135 dated 26-6-1982 was also sent to his residential address at H. No. 31-43, Rama-krishnapuram, Secunderabad-500 556;

AND WHEREAS the said Shri Sunder did not report for duty and continued to remain absent from duty unauthorisedly;

AND WHEREAS the said Shri Sunder was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA. V/2606/3036/1478 dated 28-8-1982;

AND WHEREAS the said Shri Sunder did not receive the charge sheet and the undelivered cover was returned by the postal authorities with a remark 'party left without instruction, Returned to sender';

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA. V/2606/3036/1575 dated 14-9-1982;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 13-10-1982 stating that an inquiry was held exparte as the said Shri Sunder did not attend the inquiry, the charge was proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report (copy enclosed) held the charge as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri Sunder was not a fit person to be retained in service and the penalty of removal from service should be imposed on him;

AND WHEREAS the said Shri Sunder was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide memo No. NFC/PA.V/2606/3036/616 dated 7-5-83 and was given an opportunity to make any representation on the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum;

AND WHEREAS the said memo dated 17-5-83 sent by registered A. D. to all his known addresses were returned by the postal authorities with the remark 'party left Returned to sender'. Party left Returned to sender, 'No such house number in Mallapur, Incomplete address, Returned to sender' etc.:

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report dated 13-10-82 has come to the final conclusion that the said Shri Sunder is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him:

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred on him under DAE Order No. 22(1)/68-Adm. II dated 7-7-79 read with para 43 of NFC Standing Orders hereby removes the said Shri Sunder from service with immediate effect.

A. W. KHAN Adma, Officer

Encl: one

Shri Sunder 31-43, Ramakrishnapuram, Secunderabad-500 556.

Shri Sunder 3-479, Ashok Nagar, Village P.O. Mallapuram, Hyderabad Shri Sunder H. No. 20/44. Ramakrishnapuram, Secunderabad-500 556.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 8th July 1983

No. AMD-1/31/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. Srinivas as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 7, 1983 until further Orders.

The 11th July 1983

No. AMD-4/1/83-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Ramadoss. a permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C' Atomic Minerals Division as Scientific Officer Engineer 'Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. AMD-4/1/83-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri D. Tewani a permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Sceintific Assistant 'C' Atomic Minerals Division as Sceintific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Senior Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st July 1983

No. A. 12026/1/82-ES.—The President is pleased to appoint Wg. Cdr. A. A. Thosar (8209) F (P) as Pilot in the Calibration Unit of the Civil Aviation Department on deputation basis for a period of two years with effect from 20-6-1983 (FN).

J. C. GARG
Asstt. Director of Admn,
for Dir. Gen. of Civil Aviation

New Delhi, the 28th June 1983

No. A. 32013/10/82-EC.—The President is pleased to appoint the following Asstt. Tech. Officers to the grade of Tech. Officer on ad-hoc basis for a period of six months w. e. f. the date of taking over charge of the higher post and to post them at the stations indicated against each:—

Present Station of posting		
ACS, Wa	-	24-5-83
ACS, Madurai.	Bombay ACS, Madras.	12-2-8 3
	Station of posting ACS, Wa	Station of which posts posting ACS, Washim ACS, Bombay ACS, ACS,

The 8th July 1983

No. A. 38013/2/83-EC.—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office with effect from the dates indicated against each on retirement on attaining the age supperannuation—

S. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement	
	S/Shri.			(AN)
1. V. S. Pillay, A. C. O. ACS, Trivandrum			1	31-5-83
2. G. P. Sen Gupta, ACO ACS, Culcutta				31-5-83
3. M. N	Natarajan, ACO	ACS, Madras		31-5-83
4. K. V.	Bhaskran, ACO	ACS, Trivandrum		31-5-83

J. C. GARG, Assistant Director of Admn.

New Delhi, the 30th June 1983

No. A. 32013/7/83-EI.—The President is pleased to appoint Shrimati Nanki Asnani, to the post of Senior Scientific Officer on an ad-hoc basis for a period of six months from 3-6-1983 (FN) to 2-12-1983 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

THAKAR DATT Asstt. Dir. of Admn.

CUSTOMS, EXCISE & GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi the 13th July 1983

No. F. 7-CEGAT/82.—Shri I. Padmanabha Rao. Appraiser, of Madras Customs, House, Madras assumed charge as Technical Officer, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal Madras Bench, Madras in the scale of Rs. 650-1200 plus special pay of Rs. 75/- per month, in the forenoon of 8th July, 1983

F. S. GILL President

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 14th July 1983

No. A. 19012/1006/82-Estt, V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Jatinder Kumar Tyagi, Supervisor (on deputation to N. H. P. C. Ltd., New Delhi posted at Devighat Hydel Project, Nepal), who satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in absentia in an afficiating capacity with effect from the 9th August, 1982 until further orders.

- 2. Shri Jatinder Kumar Tyagi will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from the aforesaid date.
- 3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta,

T. N. FOTEDAR Under Secy. Central Water Commission (C)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of S. M. Marketing & Redistribution (P) Limited Calcutta, the 5th July 1983

No. F/33278/H-D/2038.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 31-1-83 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

(Sd.) ILLEGIBLE
Addl. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Alleppey Chamber of Commerce

Cochin-682 011, the 13th July 1983

No. 19/Liq/560(5)/6211|83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alleppey Chamber of Commerce has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANG KARVE ROAD PUNE-4

Pune-4, the 31st May 1983

ef. No. CA-5/888/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mun. House No. 276, C. S. No. 5919 situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ahmednagar on 4-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—186GI/83

(1) Shri Bhimsen V. Takpire, Mohanbaugh, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri V. L. Jangaonkar, Shri N. V. Jangaonkar, Sou. V. A. Jangaonkar, Ahmednagar. Behind urban Bank.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hun. House No. 276, C. S. No. 5919 Ahmednagar. Area: 73.06 sq. mts. (Property as described in the sale deed registered under do ment No. 3558 in the office of the sub-registrar Ahmedna on 4-11-82).

SHASHIKANT KULKARINI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc

Pute :31-5-83 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE 'INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANG KARVE ROAD PUNE-4

Punc-4, the 30th May 1983

Ref. No. CA-5/886/83-84.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 19, Hissa No. 1 (Part) situated at Dombivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Kalyan on 23-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. B. Pardeshi, Flat No. 7 Prajakta Co.Op. Hsg. Society Ltd., Brahmin Soc. Naupada, Thane.

(Transferor)

(2) The Secretary (Shri L. M. Chavan), New Venus Co.Op. H³g., Plot No. 19 Link Road, Crossing Deenadayal Rd., Dombivali (W), Tal. Kalyan, Dist. Thanc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, Hissa No. 1 (Part) Dombivali (Kalyan Dist, Thane, Area 629.60 sq. mtr. (Property us described in the sale deed registered under document No. 2188 dt. 23-11-82 in the office of the Sub. Registrar Kalyan).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punc

Date: 30-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune-4, the 30th May 1983

Ref. No. CA-5/885/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House at Galli No. 5 C. S. No. 1380 situated at Dhule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at SR Dhule on Nov., 82.

SR Dhule on Nov., 82. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and then the consideration and the property as accordance to the constant of the constant the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Vijaykumar G. Shah & others

 Shri S. G. Shah,
 Shri P. G. Shah,
 Nev Tal. Dhule, Dist. Dhule.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Anima J. Thakare, at Post G. No. 5. Dhule.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Galli No. 5 C. S. No. 1380 Post Dhule Dist Dhule Area 186.5 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under document no. 2342 Nov., 82 in the office of the S. R. Dhule).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANG KARVE ROAD PUNE-4

Pune-4, the 30th May 1983

Ref. No. CA-5/884/83-84.--Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 204 B, 29-A, E.Wd. Kolhapur situated at Kolha-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Karveer on Nov. 82

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the /transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. B. Karekar, 204, E Patankar Coloney, Shaupuri. Kolhapur.

(Transferor

(2) Shri H. C. Shah, The Chief Promoter Madhoorl Co.Op. Hsg. So. G.I.G.E., Shaupuri, Kolhapur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S. No. 204 B, 29-A, E.Wd. Kolhapur 1/2 Hissa Area 454.87 sq.mtr.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 119/Nov., 1982 in the office of the sub. Registrar Karveer).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 30-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANG KARVE ROAD PUNE-4

Punc-4, the 28th May 1983

Ref. No. CA-5/882-SR/Haveli-I/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 66, Hissa No. 1, Post Khadakwasla situated at Talk. Haveli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Haveli on 8-11-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sitaram Bala Nangude,
Shri Dattu Sitaram Nangude,
Gorhe (Bk) Talk: Haveli, Dist: Pune.
Shri Maruti Bala Nangude,
Shri Ambadas Maruti Nangude,
Shri Sahebrao Maruti Nangude,
Donje, Talk: Haveli, Dist: Pune.

(Transferor)

(2) Nandanvan Sahakari Krishi
Phalotpadak Sanstha (Maryadit)
Chief Promoter Shri Hasmukh Shivbhai Patel,
34, "Aditya", 501, Rasta Peth,
Pune-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 66, Hissa No. 1, Post: Khadakwasla, Talk: Haveli, Dist: Pune, area of which is 1 H. and 16 R. (Property as described in the sale Deed registered under No. 5150 with the Sub-Registrar of Haveli-I, in the month of November, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date: 28-5-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANG KARVE ROAD PUNE-4

Pune-4, the 31st May 1983

Ref. No. CA-5/881/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 66 Hissa No. 1, Area OH 77.34 R situated at Khad-Kawasla Tal. Haveli Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Haveli on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) recutating the reduction or eventor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sitaram Bala Nangude & others,
 Shri D. S. Nangude,
 Shri M. B. Nangude.
 Shri A. M. Nangude,
 Shrl S. M. Nangude,
 At Gorhe (BK) Taluka,
 Haveli, Dt. Pune.

(Transferor)

(2) Chief Promoter H. S. Patel, Nandanvan Sahkari Krishi Phalotpadak, Sanstha (Niyojit) 501, Rasta Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 66 Hissa No. 1, Khadakwasla Tal. Haveli Dist. Punc. Area OH 77.34R.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 5151 in the office of the S.R. Haveli-I, on 8-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Punc

Date: 31-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Celestine Christopher Francis, 777/41, Watchmaker Chawl, Bhavani peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Ganpatruo K. Shirsagar, 73, Budhwar peth, Tulsibag lane, Pune-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDWANG, KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 14th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/1983-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 02A, C. S. No. 290/1, Shukrawar peth situated at Pune Area 345 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties mas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 02A C. S. No. 290/1, Shukrawar peth, Pune-2. Area 345 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of IAC, Acqn. Range, Pune under No. 91/83-84 dt. April, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date: 14-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 9th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/1983-84/154.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A/9, Plot No. 9, S. No. 202/1/1 City

S. No. 62, situated at Nagar Road, Yerawada, Pune (Area 575 sq. ft.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC Acqn. Range Pune on 184-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Hari Chugasingh Moorjani, Miss Jasu Chugasingh Moorjani, 7/A, NPS Lines, East Street, Pune-1. (Transferor)

(2) Smt. Poonam Agarwal, Flat No. 9, Hermes Tarrace Co. op. Housing Society, Nagar Road, Pune-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/9, Plot No. 9, S. No. 202/1/1 City Survey No. 62 Nagar Road, Yerawada Pune Area 575 sq. ft. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of IAC Acqn. Range, Pune under No. 134 dt. 18-4-1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-411 004, the 6th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/1983-84/53.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 30, 4th Floor, Bldg. No. 1, Mayanagar situated at Thane (East) Co. op. Society, Talak Road, Thane (East) (5.40 sq. ft)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

at IAC Acqn. Range, Pune on 4-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—25—186GI/83

 Shri Gulabrai H. Wadhwani, near Barrack No. 195, Room No. 7, Govt. Hospital, Ulhasnagar-1, Thane.

(Transferor)

(2) Shri Manidevi Lalitkishor Bansal Jaihind Bldg. No. 2, 4th Floor, Dr. Atmaram Merchant Road, Bombay-2,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 4th Floor, Bldg. No. 1 Maynagar Co. op Housing Society, Tilak Road, Thana (East), Area 540 sq. ft (Property as described in the agreement to sale registered in the office of IAC Acqn. Range, Pune under No. 211 dt. 4-4-1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 6-6-1983

Scal :

(1) M/s. Tamhankar & Bhave 589 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sharad B. Gotkhindikar F/8 Suvarna Nagari, Karve Road, Pune-4. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-411 004, the 25th May 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/143.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (-13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. D, 1st floor, Plot No. 1, C. S. No. 30/2 situated at Sitaram Apartments, Erandawana, Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at at IAC, Acqn. Range Pune on 10-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D. 1st floor, Plot No. 1 C. S. No. 30/2 Sitaram Apartments, Erandawana, Pune-4.

(as described in the agreement to sale registered under No. 361 in the office of the I.A.C. Acq. range, Pune on 10-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting 'Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-411 004, the 27th May 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/144.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1087/D/8, Govind Co-op. Society, C. S. No. 488/D-I S. Nagar, Pune-5 situated at Shivajinagar, Pune-5. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune on 27-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Sati Mahtani 1087/D/8 Govind Co-op. Society Shivajinagar, Punc-5.

(Transferor)

(2) Sh. Ravindra G. Baritkar, Trustee, Saraswati Trust, 1087/D-8 Govind Co-op Society, Punc-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1087/D/8 Govind Co-operative society C. 5. No. 488/D-I, Shivajinagar Pune-16 Area—1000 sq. ft. (as described in the agreement to sale registered under No. 516 in the office of the I.A.C. Acq. Range Pune on 27-11-82)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Dato: 27-5-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-4, the 27th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/152.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 2, 2nd floor, A-wing, S. No. 7, Adarsh Mahal
22 Navghar Vasai, situated at Vasai,

Dist. Thane

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn., Range, Pune on 10-1-1983.

at I.A.C. Acqui, Range, Pune on 10-1-1993.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration have been truly started in the said interpret of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of 'the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Adarsh Builders, B/1/9, Grift, Khira Nagar, S. V. Road, Santacruz (W) Bombay-400 054. (Transferor)
- (2) Shri M. R. Palsodkar, A/202, Yogesh Apartment, Pandurangwadi, Goregaon (E)—Bombay-400 063. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property lay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, Adarsh Mahal, S. No. 7, Plot No. 22, Navghar Village, Vasai, Dist. Thane.
(Area—568 sq. ft.)
(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under R. No. 2753 dated 10-1-1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 27-6-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Parmar Constructions 321/3 New Timber Market Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kashiram Motwani 776 Bhavani Peth, Pune

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune-411 004, the 1st June 1983

Rcf. No. CA5/37EE/1983-84/145.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 222 K. P. Tower No. 2, Plot No. 4 Hissa No. 6 S. No. 17A, Vanavadi, Pune situated at Vanavadi, Pune (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at DAC Acq. Range, Pune on 5-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 222 K. P. Tower No. 2, Plot No. 4, Hissa No. 6 S. No. 17A Vanavadi, Pune Area—530 sq. ft.
(as described in the agreement to sale registered under No. 307 in the office of the IAC Acq. Range Pune on 5-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 1-6-1983.

cal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Pune, the 16th April 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/151.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land alongwith structure there on S. No. 272 Hissa, No. 3, Village Thakurli, Dombivali C. S. No. 217 situated at Dombavali, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Punit Construction Co., 11/100 Garodiya Nagar, Ghatkoper, Bombay-77.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Kagade and S. K. Joshi Promoters of Reserve Bank of India, Employees proposed society, 5-Sawant Bldg., H. Pulo Rd. Opp. Parel Medicals, Vishnu Nagar, Dombivali (W) Dist. Thane. (Transferee)

may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chripter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and old building S. No. 272—Hissa No. 3, Thakurli village Dombivali, C. S. No. 217—(Area 576 sq. yds.)
(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 67 dt. 22-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
luspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-4-1983.

(Transferce)

FORM I.T.N.S.---

 M/s. Vishwakarma Builders, Mahendra Palace, Vishwakarma Niwas, Station Road, Vasai (West) Dist. Thane. (Transferor)

(2) Shri Sudhakar Govind Chandorkar 2. Upakar Bhusar Aali Kalwa, Dist. Thanc.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-4

Poona-4, the 9th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/1983-84/147.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 308, Mahendra Palace, Plot No. 47/48 S. No.
4. 5, 6, 7 Navghargaon, Tal. Vasai, Dist. Thane
situated at Dist. Thane (Arca—415 sq. ft.)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range Pune on 8-11-82, for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the pair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flt. No. 308, Mahendra Palace, Plot No. 47/48, S. No. 4, 5. 6. 7 Navghargaon, Tal. Vasai, Dist. Thane Area 415 sq. ft. (Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under R. No. 326 on 8-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 9-6-1983. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

14212

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 004, the 1st June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/150/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Flat No. FB/1, 4th Floor, Paramound Co. op. Hsg. at Society situated at 1981, Convent Street, Pune-411 004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acq. Range Pune on 20-11-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eve of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Mana F. Bhiwandiwala & Others 356, Rayiwar Peth, Pune-2

(Transferor)

(2) Mrs. Gopi M. Puri, 22 M. G. Marg, Civil Lines, Allahabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-B/1 4th Floor, Paramound Cooperative Housing Society 1981. Convent Street, Pune-411001 (Property as described in the Agreement to Sale, registered in the Office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under No. 439, date 20-1-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 1-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/2 Om Builders, 15, Uco Bunk Colony, Patwardhan Bag, Erandewana, Punc-4. (Transferor)

(2) Mrs. P. M. Bokil, Saukhyada Society, 478/A, Parvati, Punc-9. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc-411 009, the 30th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/146/1983-84.- Wherens, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 2, Plot No. 37, ideal Colony, S. No. 129, Kothrud

Krishnatara Apartments Pune-29, situated at Pune-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Agn. Range on Pune on April, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 2. Plot No. 37, Ideal Colony, S. No. 129, Kothyud, Krishnatara Apartments, Pune-2. (Property as lescribed in the agreement to sale registered in the office of IAC, Acq. Range, Pune under No. 103/1983 84 on April, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-26---186/GI/83

Date: 30th May 1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 28th May 1983

Ref. No. CA-5/37-EE/148/1983-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Flat No. 14, 2nd floor, 403/1, Shanwar Peth situated at Area 470 sq. 1t. Pune-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range Pune on 14-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Landmark Construction Co.
 Pune-Satura Road, Opp. Jakat Naka, Pune-9.
 (Transferor)
- (2) Smt. Subhadrobai Y. Khedekar Shri Anil Yashwant Khedekar 414, Raviwar Peth, Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . -') he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd Floor 403/1, Shanwar Peth. Area 470 sq. feet, Pune. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Pune under R. No. 2411 date 14-3-1983.)

> SHASHIKANT KUI KARNI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Pune

Date: 28th May 1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poone-1, the 30th May 1983

Rcf. No. CA5/37EE/149/83-84.--Whereus, i, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No

Flat No. 117, Guru Prasad Co.op. Hsg. Society 3rd Floor, Bldg. No. 7, situated at 24, 5und Garden Rd., Pune-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., ACQ. Range, Punc on April 1983

101 an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the Iair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

 M/s. S. J. Dayal & Co., Pune-1.

(Transferor)

(2) Mr. Mudi Daswani & Mrs. Bina M. Daswani, Geetanjali Kunj Block No. 5 Flat No. 68, Opp. Nehru Memorial Hall, Punc-2.

(Trunsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Flat in Guru Prasad Co-operative Housing Society bearing No. 117 on 3rd Floor in Bldg. No. 7 situated at 24, Bund Garden Road, Pune-I Area of which is 545 Sq.ft.

(Property as described in the Agreement to Sale, registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Pune under No. 203 in April, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punc

Date: 30-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 18th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/127.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Patwardhan property situated at Parvati Pune-411 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Punc on 12-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s Vishwamitra and Rathi, 103, Suyash chambers, 1149 Sadashiv peth, Pune-411030.

(Transferor)

Shri Govind B. Muddebihalkar, S-14, Bajaj Tempo colony, Akurdi, Pune-411035.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Patwardhan property 117-A, Parvati

Pune-9, (Area-410 sq.ft.)
(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No, 404 dated 12-11-82.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

~atc: 18-5-1983,

Seal' :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 5th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/132/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 11, 3rd floor, Pushkra) Apt. S. No. 37, Hissa No. 2, Dombivili situated at Distt. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C. Acqn. Range. Pune on 27-4-1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Pradhan Enterprises,
 Gurudarshan, Manpada Road,
 Dombiyili (East),
 Dist. Thane,

(Transferor)

(2) Mr. K. V. Krishnan, 18. Vasant Niwas, Gopalwadi, Vishnu Nagar, Dombivili (West), Dist. Thane.

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor. Pushkraj Apartment, S. No. 37, Hissa-No. 2 Dombivili. (Area-380 Sq. ft.). (Property as described in the side of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 228 (Thane) dated 27-4-1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc

Date: 5-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 16th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/126.—Whereas,, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 122, Sony, Apartment, Flat No. 9 situated at Pimpri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1.A.C. Acqu. Range, Pune on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which, have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Basant Construction Co., Pimpri Colony, Pune.

(Transferor)

 Shri R. Rajamani Ramswami, 25, Padam Society, Pimpri, Pune-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

3 SCHEDULE

Plot No. 122, Soni Apartment, Flat No. 9, 2nd floor, Pimpri, Tal. Haveli, Dist; Pune.

(Area-649 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 352 dated 10-11-1982).

SHASHIKANT KUI KARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Pune

Date: 16-4-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-1, the 27th May 1983

Itef. No. CA-5/37EE/83-84/131. -Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKANI KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C-6, Shanti Sadan Co-op. Housing Society, Vaswani Road, Pune-1, situated at Pune-411 001 and more fully described in the Schedule appeared herefole.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 28-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Hashu Motiram Gidwani,

Shri Niranjan Hashu Gidwani,
 B-Building, Shanti Sadan Co-operative Housing Society, Vaswani Road, Pune-411 001.

(Transferor) 2) (a) Mrs. Nirmala A. Sujan and Shri Arjan M. Sunian.

(b) M/s. Ishwar Constructions Pvt. Ltd., 3/4, B. J. Road, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. C-6, Shanti Sadan Co-operative Housing Society, Vaswani Road. Pune-411 001 (Area-1000 sq. ft.).

Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 2680 dated 28-3-1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-5-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satishchandra Madhukar Sakhalka: Shinde Bldg., Ground floor, Raghuyir Nagar Domlivali (E), 421-201.

8, Dilip Kuni, Tilak Nagar, Near Tilak Nagar High-school, Dombivali (E) 421 201.

(1) M/s. Shri Venketesh Builders,

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-1, the 28th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/130.—Whereas, I. SHASHIKANT KÜLKARNI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Guru Prasad Apartments, S. N. 64, Hissa No. 1, Raghuvir Nagar situated at Dombivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on 1-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Guruprasad Apartment, S. No. 64, Hissa No. 1, Raghuvir Nagar, Dombivali (E)-421 201.

(Area-590 sq. ft.).

Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc, under No. 2759 dated 1-3-1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poonu

Date: 28-5-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-1, the 20th May 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/129.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. Rajkiran Apartment, Plot No. 86, S. No. 50, 52 53,

Parvati situated at Pune-411 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on 3-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---27—187GX/83

(1) M/s. Chopra Construction, 245, Narayan Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Vinayak Gaikaiwari, Block No. 1, Akshar Housing Society, Parvati-Pune-411 009.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Rajkiran Apartment, Plot No. 86, S. No. 50, 52, 53-A Parvati, Pune-411 009. (Area-458 sq. ft.) Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune-4 under No. 288 dated 3-11-1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poonts

Seal: Date: 20-5-1983.

FORM NO, I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona-1, the 1st June 1983

No. CA5-900/SR Nasik/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Mauje Gangapur, Survey No. 93/2 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar Nasik on 27-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Smt, Yamunabai Bhaguji Katad.
 Smt. Parvatabai Popat Katad.

At & Post Gangapur, Tal. & Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) (1) Shri Keshavrao Bhikaji Pachorkar

(2) Shri Madhukar Vithal Sonavane Shivajinagar, Nasik-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mauje Gangapur, Survey No. 93/2, Taluka & District Nasik Area—80 Are.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 437 in the office of the Sub-registrar Nasik on 27-1-1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range,
Poona

New, therefere, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-83

Soal :

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-411004

Pune-411004, the 27th June 1983

Ref. No. CA-5/912/SR.Niphad/83-84.--Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agril. land at Kothure, Gat No. 329/1 Tal. Niphad situated at Dist. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Niphad on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (1) Shri Dattatraya Vasudeo Barve,(2) Shri Ramanad Purushottam Barve,

 - (3) Shri Shridhar Purushottam Barve,(4) Smt. Madhuri Purushottam Barve,
 - (5) Shri Madhusudan Purushottam Barve,
 - (6) Smt. Rasmi Prakashrao Amtekar and
- (7) Smt. Sumanbai Purushottam Barve.

All are residing at Kothure, Tal. Niphad.

(Transferor)

(2) Shri R. L. Khapre, at Ugaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ... The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of th Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE-SCHEDULE

Agril, Land at Kothure, Gat No. 329/1, at Kothrue, Tal. Niphad. (Area 2H—81 R)

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Niphad under document No. 1854 in the month of November, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-6-1983

(1) (1) Shri Bapu Bhima Kawade. (2) Smt Chitrabai B. Kawade, at Kupwad, Tal. Miraj, Dist. Sangli. (Transferor)

(2) Smt. Chitrabai B. Kawade, at Kupwade, Tal. Niyojit Trishul Sahakari Griha Nirman Sanstha, Vishrambaug, 1728, Khumbegaon, Sangli. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, PUNE-411004

Pune-411004, the 27th June 1983

Ref. No CA-5/913/SR.Miraj-II/83-84.—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot

No. S. No. 106/1, Mouje Kupwad, Tal. Miraj situated at Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Miraj-II on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 106/1, Mouje Kupwad, Tal. Miraj, Dist. angli (Area—70 R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-registrar, Miraj-II, under document No. 1709 in the month of November, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

'Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-6-83

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUQISITION RANGE, PUNE

Pune-411004, the 3rd June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 18, 5th Flor, Plot No. 35, S. No. 17-A, Fatimanagar, Wanwari, Pune-1, Area, 455 sq.ft. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:——

(1) Vaibhav Builders, 101/102, Kamala Chambers, 687, Bhavani peth, Pune.

(Transferor)

(2) Cecil Vaz & Ida Vaz, Nirmala Niwas, Flat No. 65, 828, Dastur Meher Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 5th Floor, Plot No. 35, S.N. 17-A, Fatima Nagar, Wanwari, Pune-1, Area 455 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acqn. Range, Pune under No. 355 dated 10-11-1982.)

SHASHIKAN'T KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 3-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 17th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/157.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Unit No. 66, 1st floor, Industrial Estate No. 5, Navghar, Vasai Road, S. No. 31, 34 & 36 Thane situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acq Range Pune No. 444 on 22-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bassein Industrial Dev. Corp.
 Dewan Tower, Navghar, Vasui Road, Thane.
 (Transferor)
- (2) Mr. Pradeepkumar, M. Sharma, 5. Ridhi Sidhi Sadan, TPS Road, No. 2 Vile Parle, Bombay-57.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 66, 1st floor, Industrial Estate No. 5 Navghar, Vasai Read, S. No. 31, 34 & 36, Thanc-Area 665 sq. ft. Registration No. 444 dated 12-11-82—In the office of the IAC, Acq. Range, Punc.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 17-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 18th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/158.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25/000/- and bearing No. Unit No. 48, In Diwan & Shah

Industrial Estate No. 5, 1st floor, S. No. 31, 34 (part) & 36, Vasal Road (E) Navghar, Thans

situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acq. Range Pune No. 540 on dated 30-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- M/s Bassein Industrial Development Corp. (1) Dewan Tower, Vasai Rd. (W) Dist. Thane. (Transferor)
- (2) Sh. Premchand Sureshkumar, 114/118, Manek Bhavan, Cavel Street, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 48, In Diwan & Shah Industrial Estate No. 1st Boor, S. No. 31, 34 (part) & 36 Vasai Road (E) Navghar, Dist. Thane. Area 755 sq. ft.

Registration No. 540 dated 30-11-82-In the office of the Acquisition Range, Pune.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 18-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 18th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/1983-84/159.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 15, 4th floor, Plot No. 35 S. No. 17A, Fatimanagar, Wanowrie, Pune Area-455 sq. ft. sintated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acq. Range, Pune R. No. 358 on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) Vaibhav Builders 101 Kamala Chambers 687, Budhwar Peth, Punc.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Jethalal Joshi Smt. Dilbar Suresh Joshi, 2398 Solapur Road Old Poolgate, Pune-1,

(Transferce)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15 4th floor, Plot No. 35 S. No. 17A Fatimanagar, Wanowrie, Pune-1. Area—455 sq. ft.

Registration No. 358 dated 10-11-82-In the office of the IAC Acq. Range, Pune.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona.

Date: 18-6-83

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 17th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/160.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Unit No. 67, 1st floor, Industrial Estate No. 5 Navghar, Vasai Road (E) S. No. 31, 34 & 36, Dist. Thane situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering
Officer at IAC Acq. Range Pune No. 443 on dated 22-11-82
for an apparent consideration which is less than the fair than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-28-186GI/83

 M/s Bassein Industrial Development Corp. Dewan Tower, Navghar, Vasai Road (W) Thane.

(Transferor)

(2) Smt. Gitadevi M. Sharma, 5 Ridhi Sidhi Sadan, TPS Road No. 2 Vile Parle (E) Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 67, 1st floor, Industrial Estate No. 5, Navghar, Vasai Road (F) S. No. 31, 34 & 36 Dist. Thane.

Area 665 sq. ft.

Registration No. 443 dt. 22-11-82—In the office of the IAC Acq. Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona.

Date: 17-6-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 17th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/161.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 68 1st floor, Industrial Estate No. 5, Vasai Road, S. No. 31, 34 & 36 situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune No. 442 on dated 22-11-82

22-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) M/s Bassein Industrial Development Corp. Dewan Tower, Navghar, Vasai Road, Thane. (Transferor)
- (2) Sh. Malchand H. Sharma 5, Ridhi Sidhi Sadan, TPS Road, No. 2 Vile Parle, Bombay-37. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 68, 1st floor, Industrial Estate No. 5 S. No. 31, 34 & 36 Vasai Road, Navghar, Dist. Thane.

Arca—665 sq. ft.

Registration No. 442 dt. 22-11-82—In the office of the

IAC Acquisition Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 17-6-83 Scal :

FORM ITNS -----

(1) M/s Bassein Industrial Development Corp. Dewan Tower, Vasai Road (W) Navghar, Thane. (Transferor)

(2) M/s Mancksha Polymers, 8, Vakharia House, Shradhanand Road, Vile Parele (E) Bombay-57.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 009, the 16th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/162.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKÁRNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Unit No. 6 in Dewan & Shah industrial Complex No. 2 S. No. 2 72/74 At Waliv, Dist. Thane—

Area 1350 sq. ft. situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range Pune on R. No. 405 on 12-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid porperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restriction of the service of notice on the restriction of the service of notice on the restriction. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6, Diwan & Shah Industrial Complex No. 2 S. No. 72/74 At Waliv, Dist. Thane

Area—1350 sq. ft. (property as described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acq. Range Pune under No. 405 on 12-11-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 16-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 16th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/163.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Unit No. 22 of Complex No. 2 at Waliv village, S. No. 74, Tal. Vasai (E) Dist. Thanc-Area 1350 sq. ft. situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acq. Range Pune on R. No. 382 12-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Bassein Industrial Development Corporation Diwan Tower, Navghar, Bassein Road, Dist.

(Transferor)

(2) M/s Prakash Group of Industries, B-3/33 Khira Nagar, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22 of Complex No. 2 at Waliv Village, S. No.

 74, Tal. Vasai (E) Dist. Thane.
 Area 1350 sq. ft.
 Registration No. 382 dated 1-11-82—In the office of the IAC Acq. Range, Punc.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-83

M/s. Bassein Industrial Development.

Diwan Tower, Navghar, Vasai Road, Thane.

(Transferor) (1) M/s. Bassein Industrial Development Corpn.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Premenand Suresnaumar 114/118 Manek Bhavan, Cavel Street, Bombay-2. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 18th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/164.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.
Unit No. 47 In Diwan & Shah Industrial Estate No. 5, 1st 'floor, R. No. 31, 34 (part) 36, Navghar, Vasai (E), Dist. Thane, situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at IAC. Acq. Rg. Pune on R. No. 537 30-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparut consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the main Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 47, In Diwan & Shah Industrial Estate No. 5, 1st floor, Room No. 31, 34 (Part, 36, Navghar, Vasai Road, (E) Dist. Thane.

Area 755 sq. ft.

Registration No. 537 dt. 30-11-82—In the office of the

IAC, Acq. Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 16th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/165.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Unit No. 3 Diwan & Shah Industrial Estate Navghar Village (E) S. No. 31, Pert 34, 35, 36 & 37, Vasai Rd. Dist. Thane situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Rng. Pune on 521—27-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Bassein Industrial Def. Corp. Dewan Tower, Navghar Village, Vasai Station Rd. Dist. Thane.

(Transferor)

(2) R. K. Medical Agencies, 66/70, Princess Street, Ranvir Bldg. 2nd floor, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3, Dewan & Shah Industrial Estate, Navghar (E) S. No. 34, 35, 36 & 37, Vasai Rd. Dist. Thane. Area 700 sq. ft.

Registration No. 521 dt. 27-11-82—In the office of the IAC PR II, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 16th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/1983-84/166,---Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 14, 4th Floor, Plot No. 35, Fatimanagar 620 sq. ft.

situated at Pune-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Vaibhav Builders, 101/102, Kamla Chambers 687 Budhwar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Sh. Rohidas N. Kamble & Mrs Anita R. Kamble 32, Wanowrie Bazar, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 Plot No. 35 S. No. 17A Fatimanagar, Wanowrie Pune 455 sq. ft.
(Registration No. 356 dated 10-11-1982. In the office of the IAC Acq. Range, Pune).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 16-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 16th June 1983,

Ref. No. CA5/37EE/83-84/167.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 12 Plat No. 35 S. No. 17A Fatimanagar, Wanowrie, Pune-1 situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range on B. No. 357 on 10-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

M/s Vaibhav Builders
 Kamla Chambers,
 Budhwar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Sh. Joseph I D'Souza, 785/56 Bhagwandas Chawl, Bhawani Peth, Punc-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 Plot No. 35 S. No. 17A. Fatimanagar, Wanowrie, Pune-1. Area—620 sq. ft.—Registration No. 357 dt. 10-11-82. In the office of the IAC Acq. Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Laspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 18th June 1983

Ref. No. CA5/37EL/83-84/168.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25/000/- and having No Electric Act at the control of the contro bearing No. Flat No. 1 1st floor, Plot No. 35, Fatimanagar, Wanoric Punc situated at Punc

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Rng. Pune No. R. No. 545

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: persons namely : -29—186GI/83

- (1) M/s Vaibhay Builders, 101 Kamla Chambers, 687 Budhwar Peth, Pune. (Transferor)
- (2) Smt. H. A. Poonawala 8 NPS Lines, East Street, Comp. Pune-1, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 35, S. No. 17A Fatimanagar, Wanorie, Pune.
Area 625 sq. ft.
Registration No. 545 dt. 30-11-82.
In the office of the IAC Acq. Range, Pune.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 18-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 16th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/1983-84/169.—Whereas, İ, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Unit No. 16 Dewan & Shah Industrial Estate, No. 2 Navghar (E) Vasai Thana Dist.

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC Acq. Rng. Pune on 520-27-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bassein Industrial Development Corp.
 Diwan Tower Navghat, Vasai Rd. Thane.
 (Transferor)
- (2) M/s Asha Enterprises.
 B3/33 Khira Nagar, Santacruz (W) Bombay-54.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 16, Dewan & Shah Industrial Estate No. 2 S. No. 74 Navghar Vasai, Thane—Area 1350 sq. ft. Registration No. 520 dated 27-11-82. In the office of the IAC Acq. Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6 ERANDAWANE KARVE ROAD, PUNE-411 009

Pune-411009, the 16th June 1983

kef. No. CA-5/37HE/83-84/170.—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Unit No. 5 in Dewan & Shah Industrial Complex No. 2 S. No. 72/74 Waliv, Vasai Road, Thane situated at Distf.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC, Acq. Range Pune R. No. 406 on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcanid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bassein Industrial Dec. Corp.
 Dewan Tower, Navghar, Bassein Rd. Distt. Thane.
 (Transferor)
- (2) Shri Venkateshwata Industries
 1, Novelty Printing Works Co.
 S. V. Road, Danisar (E) Bombay 68.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cillcial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5 - in Dewan & Shah Industrial Complex No. 2 S. No 72/74 Waliv, Vasai Rond, Thane. Area 1350 sq. ft. Registration No. 406 dated 12-11-1982 in the office of the FAC Acq. Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN

60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-411 009

Punc-411 009, the 16th June 1983

CA5/37EE/83-84/171.—Whereas, I, SHASHI-Ref. No. KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Page 25 000/c and bearing No. Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 17 at S. No. 135 (Part) Kothrud, Pune 30 situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range Pune on 12-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely :--

(1) M/s. Tamhankar Agarkar & Co. 1535, Sadashiv Peth, Tilak Rd. Pune 30. (Transferor)

(2) Shri & Smt. Shrikant Chandrashekar Inamdar 1293, Sadashiv Peth, Kaushik Housing Society, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Hat No. 17-Shivganga Housing Scheme, S. No. (Part) Kothrud, Pune 29-Area 813 sq. ft. Registration No. 859 dated 12-11-1982—In the office of the IAC Acq. Range, Pune.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 16-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA KARVF ROAD, PUNE-411 009

Pune-411 009, the 18th June 1983

Rcf. No. CA5/37EF/83-84/172.—Whereas, I. SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 19 No. 14 B-Wing, 4th floor, Anand Deep Bldg. No. 3 at Pendse Nagar Road No. 2 Chole Village, Dombivli (E) Dist. Thane situated at Thane Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

nt IAC, Acq. Rgn. 311 Pune on 5-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to tech, we that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

M/s. L. V. Patel & Co.
 Mahavir Bldg. Adj. Central Bank,
 L. B. Shastri Marg, Ghatkopar (W)
 Bombay-400 086.

(Transferor)

(2) Shri Rampalli Tandaya Krishnamurty, Durga Nikatau, 2nd floor, Flat No. 6, Station Rd. Thakurli (E) Thane Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 14 B-Wing, 4th floor Anand Deep Bldg. No. 3 at Pendse Nagar Road, No. 2 Chole Village, Dombivli (E) Dist, Thane. Area 417 sq. ft. Registration No. 311 dated 5-11-1982—In the office of the IAC Acq. Range, Punc.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 18-6-1983

(1) M/s. L. V. Patel & Co. 14, Mahavir Bldg. Adj. Central Bank, L. B. Shastri Marg, Ghatkoper (W) Bomby-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K, Kasi 163/5099, Kannamwar Nagar-1. Vikhroli (E) Bombay 83.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE FRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-411 009

> > Pune-411 009, the 18th June 1983

No. CA5/37EE/83-84/173.--Whereas, I, SHASHI-Ref . No. CA5/3: KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. Flat No. 9, A-Wing in Angad Deep Bldg. No. 3 at Pendse Nagar, Road No. 2, Chole Village, Dombivli (E) Dist. Thane situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acq. Range Pune on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9. A-Wing in Anand Deep Bldg. No. 3 at Pendse Nagar, Road No. 2, Chole Village, Dombivli (E) Dist. Thane—Area 506 sq. ft. Registration No. 310 dated Nov. 1982—In the office of IAC, Acq. Range, Pune.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 18-6-1983

(1) Dongarshi Machine Construction Pvt. Itd. 22, Bund Garden Road, Punc-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Lalog Homi Irani, Mrs. Kashimira R. Irani, Mr. Rashid Homi Irani, Jolly Highrise Apartments, B. Eldg., 5th floor, Pali Mala Road, Bandra, Bombay-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61 E7RANDAWANA KARVE ROAD, PUNF-411 009

Pune 411 009, the 24th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/1983-84/174.—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Flat No. C-8, Bldg. No. C, Dongarshi Park, Plot No. 260, Bund Garden Road, C. S. No. 19 situated at Sangam-

wadi, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-8, Bldg. C Dongarshi Park, Plot No. 260, 22, Bund Garden Road, C.S. No. 19, Sangamwadi Punc Area 199.27 sq. mt.

(Property as described in the agreement to sell registered in the office of the IAC, Acqn. Range, Pune under No. 878 dated 14-3-1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 24-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-411 009

Pune-411 009, the 24th June 1983

Ref. No. CA-5/37EF/1983-84/175—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 284 C.S. No. 4428 Ward No. 6, House No 333 Kansai Section, Ambarnath, Sarvodaya Co.-op. Society situated at Ambarnath (Area 504 sq. yards)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on 19-3-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shci Sulbha Balkrishna Tilve, A-5, Mohannagar, Hill Road, Chunabhatti, Sion, Bombay.
 - (Transferor)
- (2) Shri Vijay Tryambak Gavan de Gopal Appaji Jinde – Smt. Sunita Moreshwar Kelkar Arun Govind Jinde Residing at Plot No. 284 Kanasi Section, Ambarnath Plot No. 185, Kanasi Section, Ambarnath

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 284 C.S. No. 4428 Ward No. 6, House No. 333, Kansai Section, Ambarnath, Sarvodaya Co-op. Housing Society, Ambarnath (Area 504 sq. ft.)

Society, Ambarnath (Area 504 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sell registered in the office of the IAC, Acqn. Range, Pune under No. 874/83-84 dated 19-3-1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 24-6-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA KARVIE ROAD, PUNE-411 009

Puno-411 009, the 4th June 1983

Ref. No. CA5/37EE/1983-84/176.—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 412 'C' Wing 4th Floor, Gulmohar, 2420 Bhimaya Road, Area 1297 sq. ft. situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune on 27-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-186GI/83

(1) Vishwamitra & Rathi, 103, Suyash Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Mohsin Abdul Husain Surti C/o Mr. Fakruddin Gheewala. 78, M. G. Rd. Above Green Field, Pune 1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, 'C' Wing Facing North on 4th Floor, of Gulmohar at 2420 General Thimayya Road, Pune. Area 1297 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sell registered in the office of the IAC, Acqn. Range, Punc under No. 513. dated 27-11-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 4-6-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61. FRANDAWANA KARVE ROAD. PUNE-411 009

Pune-411 009, the 24th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/177.—Whereas, I, SHASHI-KANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 1212, S. No. 230/1A Hadapsar Area 682 sq ft. situated at Hadapsar, Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe tha tthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' the following persons, namely :---

(1) Shri Pralhad Shankar Shikhare, Holding Power of Attorney, for Other 'Amina Mansion' Room No. 7, Opp. Dharvi Police Station Bombay-17.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Baburao Mahindrakar, 52/53, Ghorpadi Bazar, Pune-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot C.S. No. 1212, S. No. 230/1-A, Hadapsar, Dist. Pune (Flat Area 682 sq. ft.) and open land Area 7623 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sell registered in the office of IAC, Acqn. Range, Pune under No. 275/ dated 2-11-1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 24-6-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-411 009

Pune-411 009, the 2nd July 1983

Ref. No. CA-5/920/SR Miraj-II/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agril, land S. No. 921/1A/1, Miraj situated at Dist. Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Mirai-II on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 (1) (1) Smt. M. A. Athanikar, (2) Smt. Rashida A. Hamid Bhokare, (3) Smt. B. M. Bhokare and (4) Smt. J. S. Bhokare, Residing at Bhokare Galli, Birai.

(Transferor)

(2) (1) Shri Keshav Krishna Khade, (2) Shri Rao-saheb Ramu Omase and (3) Shri Shankarao Nara-yan Rao Chavan. At Bedag, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 921/1A/1, Miraj Dist. Sangli. (Area 53R). (Property as described in the sale deed regisered in the office of the Sub-Registrar, Miraj-II, Miraj under document No. 1568 in the month of November, 1982).

SHASHIKANT KUŁKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 2-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD, PUNE-411 009

Poona-4, the 23rd June 1983

Ref. No. CA-5/909/SR.Niphad/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agril, land Gat No. 329/1, Kodhure, Ial. Niphad, Dist. Nasik, situated at Dist. Nasik,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Niphad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dattatraya Vasudeo Bharve, (2) Shri Ramanad Purushottam Bharve, (3) Shridhar Purushottam Bharve, (4) Madhusudan Purushottam Bharve, (5) Kum, Madhuri Purushottam Bharve (Sou. Madhuri Vasanthrao Marathe) (6) Kum. Saraswati Purushottam Bharve (Sou. Rasmi Prakashrao Ambtekar) Kodhure Tal. Niphad, Distt. Nasik.
- 2. Shri Shir Balasaheb Ranganath Khapare, Ugaon, Tal, Nihad, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, a are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that apter.

THE SCHEDULE

Agril. land Survey No. 329/1, Kodhure, Tal. Niphac Dist. Nasik. (Area—2H 81 R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Niphad under No. 1857 in the month of November, 1982).

SHASHIKANT KULKARN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ta
Acquisition Range, Poon

Date: 23-6-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD PUNE-411 009

Poona-4, the 23rd June 1983

Ref. No. CA-5/910/S.R.Niphad/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Gat No. 329/1, Kodhure, Tal. Niphad situated at Dist. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Niphad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Dattatraya Vasudeo Barve 2. Shri Ramanad Tukaram Barve

 - 3. Shri Sridhar Purushottam Barve 4. Madusudan Purushottam Barve
 - 5. Sou Maduri Vasantrao Marathe 6. Rsmi Prakashrao Ametekar and
 - 7. Sumanbai Purushottam Barve All are residing at Kodhure, Tal, Niphad, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Jaggnath Thukaram Khapre, Kodhure, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. hall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Gat No. 329/1 Kodhure, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Area-2H 81R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Niphad, in the month of November, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 23-6-1983

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Suhas Gopal Kulkarni, 1724, Sadashiv Peth, Pune.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shankar Hari Thatte Smt. Pushpa Shankar Thatte 1712/1B Sadashiv Peth, Pune,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD PUNE-411009

Pune-411009, the 18th June 1983

Ref. No. CA/5/37EE/178/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No.
1724, Sadashiv Peth, Punc-30 situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at

TAC Acq. Range, Pune R. No. 290 on 4-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1724, Sadashiv Peth, Pune 2.

(Area—167.2 Sq. mtrs.)

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune, under No. 290 dated 4-11-1982.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 18-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION LANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SAFARA ROAD PUNE-411009

Pune-411009, the 22nd June 1983

Ref. No. CA5/37EE/1983-84/179.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sodown No. 342—Krishi Utpanna Bazar Samitee, Gultekdi, Barat I stituted at Pare.

Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune, 536, on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramniwas Ramnarayan Agarwal, 10, Elphinston Road, Bopodi, Pune-3.

(Transferor)

(2) Shri Kanhiyalal Bajanlal Agarwal, 854, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 342 (Lease Plot) Krishi Utpanna Bazar Samitee, Gultekdi, Pune-37.—Area 1300 sq. ft. Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune under No. 536 dated November 1982.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD PUNE-411009

Pune-411009, the 22nd June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/180.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown No. 343 (Lease Plot) Krishi Utpadanua Bazar Samitee, Gultekdi, Punc-9 situated at Punc

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range Pune, R. No. 544, on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satyadeo S. Agarwal, Santosh Hotel, Aundh Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Lekhraj Bhajanlal Agarwal, 854, Raviwar Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 342 (Lease Plot) Krishi Utpanna Bazar Samitee, Gultekdi, Pune-37.—Area 1300 sq. ft.

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acq. Range, Pune under No. 544 dated November 1982.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD PUNE-411009

Pune-411009, the 22nd June 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/181.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd Floor, Plot No. 19 S. No. 17, Wanowrie, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JAC Acq. Range Pune, 96, on 6-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice wader sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--31-186GI/83

(1) M/s. M. K. Enterprises, 616, Nana Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. R. Lobo No. 12 Sameer Apartments, Bund Garden Road, - Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Plot No. 19 S. No. 17, Wanowrie,

(Area 740 Sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the IAC Acqn. Range, Pune under No. 96/83-84 dated 6-4-83.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIO RANGE, 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 9th une 1983

Ref. No. CA-5/37EE/327/83-84/183.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNÍ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Flat No. 305, Pravin Palace, Plot No. 37/38 S. No. 5, 6, 7 Navghar Village, Tal. Vasai situated at Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range Pune on 8-11-82

exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatlh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Vishwakaram Builders, Pravin Palace, Vishwakaram Niwas, Station Road, Vasai (West), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Triuvilwamala Laxman Krishnan, C/o Indian Oil Corpn. Ltd., Product Exchange Department, Bombay-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, Pravin Palace, at Plot No. 37/38, S. No. 5, 6, 7 Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No.

327 dated 8-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-6-1983

FORM J.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO RANGE, 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 9th une 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/184.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 32, 4th floor, A-Wing Madhuban Apartments, Ghanshyam Gupte Road, Dombivali (West) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on 27-11-82

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than lifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Gandhi and Amersy, 10-J:N: Heredia Marg, Ballard Fstate, Bombay-400038.

(Transferor)

(2) Smt. Shrilckha Singh, C/o Sardar Om Prakash Singh. C/o N. R. Chatterjee, Dy. Manager, Q. No. CI/VII/6-8, Ordinance Estate, Ambernath-481502.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 4th floor, A-Wing, Madhuban Apartments, Ghanushyam Gupte Road, Dombivali (W)—(Area 386 sq. ft.) (Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punc under No. 518 dated 27-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-6-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ravindra Digambar Gosami, 15, Mukundnagar, Pune-411009.

321/3, New Timber Market Road.

(1) M/s. Parmar Constructions.

Pune

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITIO RANGE, 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD POONA-4

> > Calcutta, the 8th June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/83-84/185.-Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 512 in K.P. Tower-!, Plot No. 2, Hissa No. 8, S. No.

17-A, Wanawari situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune-4 on 5-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated. in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 512, in K.P. Tower-I, Plot No. 2, Hissa No. 8 S. No. 17-A Wanawarie, Dist.—(Area 720 sq. ft.). (Property as described in the sale of agreement registered office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 306 dated 5-11-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 30-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO RANGE, 60/61 ERANDAWANA KARVE ROAD POONA-4

Bangalore-560 001, the 23rd June 1983

Ref. No. CA-5/37EE/1983-84/182.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKÁRNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. 16, Bldg '(A' Highway Darshan Co-op. Housing Society Ltd. Thana (W) Area 475 sq. ft, situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on 13-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vijay G. Ketwani, A-16, Highway Darshan Co-op. Housing Society, Mohaji Sundarji Road, Naupada, Thana, Dist. Thana.

(Transferor)

(2) Janvika V. Kapadia, Krishna Niwas, M G. Road, Thana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg, 'A' Highway Darshan Co-op. Housing Society Ltd., Thana (W)—Area 475 sq ft. (Properly as described in the agreement to sell registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under No. 873/83-84 dated 10-12-1982,

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 23-6-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

OF INCOME-TAX

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref. No. 17780.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Es. 25,000/- and beaing No. 50, Jones Road, Madras-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Madras South (Doc. 3745, 3746, 3747/82) on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mone; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. C. Dharam Chand Gulecha
 D. Hirachand Gulecha
 Papula Sha, Ginraj, Navinukin,
 10A, Krishnapillai S t.,
 Tindivanam SA Dt.

(Transferor)

 (2) S. Panneerselvan
 S. Janarthanan
 S. Vimalanathan
 3. Sadayappa Mudali St., Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 50, Jones Road, Madras-15. (Doc. 3745,3745,3747/82)

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersom, namely:—

Date: 4-7-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1983

Ref. No./17845.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing No.
RS 67/78, situated at Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. Nos. 1436, 1437, 1438, 1439/82) on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) N. Lakshman and V. Krishnammal 30, Padmavathiar Road, Gopalapuram, Madras-86.

(Transferor) (2) Beaver Construction Co. 38, 10th Avenue, Ashok

Nagar, Madras-83. S. K. Arora, 28, Nungambakkam High Road, Madras-34.

3. Narotam Lal Kalra, 168, Pycrofts Road, Madras-

4. O. P. Bhalla, 6, Ritchie St., Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 67/78, Mylapore. (Doc. 1436 to 1439/82).

> R. P. PILI AI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IF Madras-600 006

Date: 4-7-1983

Seal 1

PORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1983

Ref. No. 17786.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

on November 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 51/2, situated at Virugambakkam, Madras-92. (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 1217/82).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. Paulpandy, S. Koilraj
 Vivekananda St., Madras-92.

(Transferor)

(2) Saraswathi,7, Velayudha Mudali St.,Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 51/2, Virugambakkam. (Doc. 1217/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 4-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1983

Ref. No. 17786.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 51/2, situated at Virugambakkam, Madras-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 1216, 1218/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Thangapandian,

S. Selvaraj,

3, Vivekananda St., Virugambakkam, Madras-92. (Transferor)

(2) Vinatha, K. Bhat & Ananthu Bhat 19, Velayudha Mudali St., Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 51/2, Virugambakkam, Madras-92. (Doc. 1216, 1218/82).

> R. P. PILLAI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-32-186GI/83

Date: 4-7-1983

Scal:

(1) A. R. Hussain. Ramakrishna Nagar, Madras-28.

(2) R. Sridhar, 16, 4th Cross St. Trustpuram, Madras-24.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1983

Ref. No. 17843.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24, Ramakrishna situated at Nagar, Madras-28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1453/82),

on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 24, Ramakrishna Nagar, Madras-28 (Doc. 1453/82).

> R, P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-7-1983

Scal:

 A. R. Hussain, 24, Ramakrishna Nagar, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. Susila, 26, Nynar Nadar Road, Madras-4.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS--600 006

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref No. 17843.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 24, Ramakrishna Nagar situated at Madras. 28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 1454/82) on November 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot 24, Ramakrishna Nagar Scheme, Madras. 28 (Doc 1454/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 4-7-1983

FORM I'INS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **MADRAS**

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref. No. 17782.-Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 38, G. N. Chetty Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. Nos. 3405 to 3416/82 on November 1982

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s Ankur Enterprises, 43, Godown St., Madras. 1

Bombay-5.

(Transferor)

(2) 1. A. V. Jayachandran, 107, Luz Church Road, Madras-17. R.S. Narayanan, 14V, Gangadaran Mudali St. Madras-34 . Janaki Viswanthan, Dr. Shyamala Krishnan, Mallika Ganesan, 6, Gopalakrishna Road, 4. C.D. Subramaniam, No. 1/VIIIth B, Block Annasalai, Madras-6. 5. Kiran M. Kathare, 128, St., Mary's Madras-18. Road. 6. Maruti R. Kathare, 129, St., Mary's Road, Madras-18. 7. K. Srinivasan, Bank Stall St., C/o. Shawallance Co. Ltd. Calcutta-1 8. Vijay Srinivasan, P600, Keyatolla, Calcutta-29. 9. Kamla Ramchandran, 129 Burkit Road, Madras-17. V. Ramasubramainan, A7/A-2735, Netaji
 Nagar, New Delhi-110023.
 P. K. Balakrishnan, E-63, Badhwar Park, Colaba

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at 38, G. N. Chetty Road, Madras-17 (Doc. No. 3405 to 34015/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 4-7-1983.

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) M. A. Parthasarathy, 1, 12th Cross Rajmahal, Bangalore File No. 17774

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref. No. 17774.—Whereas, I R. P. PILLAI,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3/4, Clifton, Anthu St., situated at Kuppam, Santhome, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 3909 to 3912/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Name and address of Transferee:

(2) 1. R. Govind, Flat 4, 16th Road, Shivkunj, Chembur, Bombay
2. Rajkumar, 52, Bhimanna Mudali Garden St.,

 Rajkumar, 52, Bhimanna Mudali Garden St., Madras. 4
 Mrs. Shantha Viswanathan, 20, Reddy Royar

Tank, Kumbakonam.
4.Mrs. R. Mala, 15, Balaji Avenue I St., Madras 17
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 3/4, Clifton, Anthu St., Kuppam Santhome, Madras. (Doc. 3909 to 3912/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 4-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

P. Radharishnan, 44C. G. S. T. Road, Madras. 32

(Transferor)

(2) P. Narayanan, T. E. Chellam,
 M7 19th Avenue, Madras. 83
 P.R. Herle, 8D, 11 Avenue, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref. No. 17775.-Whereas, I

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 75, Ekkaduthangal situated at Saidapet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Madras South (Doc. 3848, 3849, 3850/82)
On November 1982
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 75, Ekkaduthangal Saidapet (Doc. 3848, 3849, 3850/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 4-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th July 1983

Rcf No. 17838.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

669, Mount Road, situated at Madras-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 776/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Lily Padam Chordia Real Estates
 48, General Muthlah Mudali St., Madras. 1
- (2) T. Kailashchand Chordia 96, Poes Garden Cathedral Road, Madras. 86 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share in land at 669, Mount Road, Madras-6. (Doc. No. 776/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 4-7-1983.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, **MADRAS**

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref No 17838.-Whereas, I R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 669, Mount Road suated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 772, 775/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Lily Padam Chordia Real Estates 48. General Muthiah Mudali St., Madras-1 (Transferce)
- (2) Champa Bai, Mrs. Padama Chordia 48, General Muthiah Mudali St., Madras. 1 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share in Land at 669, Mount Road, Madras-6 (Doc. No. 772, 775/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 4-7-1983.

FORM I.T.N.S.---

- M/s. Lily Padam Chordia Real Estates 48, General Muthiah Mudali St., Madras-1 (Transferor)
- (2) Naval Chordia, Hernand Chordia 110, Nungambakkam High Road, Madras. 34

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 4th July 1983

Ref No. 17838.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 669, Mount Road situated at Madras-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandights (Doc. 773, 774/82)

On November 1982

33—186GT/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent the consideration for such apparent than fifteen per cent of such apparent than fifteen per cen consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sal. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share in Land at 669, Mount Road, Madras-6 (Doc. 773, 774/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 4-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref No. A. P. No. 4445 and 4448.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following poreons, namely:—

- (1) Shri Buggar Singh S/o Chatter Singh R/o Jalalabad Road, Muktsar.
- (2) Shrimati Prabha Sachdeva W/o Dr. Jagdish Singh R/o Jalalabad Road, Muktsar.

. (Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Plot situated in Moktsa and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2570 and 2621 dates November, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 8-7-1983 Scal:

(1) Gurdev Singh S/o Chatter Singh R/o Jalalabad Road, Muktsar.

(Transferor)

(2) Dr. Jagdish Singh Sachdeva S/o Sh. Bhagwan Dass R/o Jalalabad Road, Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot situated in Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 2571 and 2620 dated November, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-7-1983 Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SINER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No. 4446 and 4447.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Muktsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. 4449.—Whereas, I

Ref. No. 4449.—wnereas, 1
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Narinder Kumar & Devinder Kumar S/o Lajpat Rai R/o Mohalia Ram Bara, Muktsar.
- (Transferee) (2) Shrimati Ram Dulari W/o Nand Lal and Sukhpal Kaur W/o Satkar Singh R/o Basti Gobind Nagri, Muktsar.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 share shop situated in Rly. Road Muktsar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2540 of November, 1982 of the Registering Authority, Muk-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

IALANDHAR

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref No. A. P. 4450.—Whereas, I J. L. GIRDHAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. as per schedule at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Muktsar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Lajpat Rai S/o Des Raj and Smt. Savitri Devi W/o Lajpat Rai R/o Mohalla Ram Bara, Muktsar.
- (1) Shri Subhash Chander, Narinder Kumar Ss/o Sant Lal R/o Gali Mohan Lal, near Pahwa Hospital, Rly. Road, Muktsar

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 share shop situated on Rly. Road, Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2541 of November, 1982 of the Registering authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No. /4451.—Whereas, I, J. L. GIRDHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Niranjan Singh S/o Phulla Singh R/o Mahilpur Teh, Garhshanker, Distt. Hoshlarpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Sharan Kumari W/o Sh. Uggar Sain R/o Charat Singh Bazar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Shiv Nagar Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 5058 of November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-7-1983

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A.P. No./4452.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Jalandhar on November 1982

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

No. as per Schedule situated at Jalandhar for an apparent consideration which is less that

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Nishan Singh, Gurnam Singh Sons and Smt. Kashmir Kaur Wd/o Jagtar Singh R/o Kazi Mandi Jalandhar,

(2) Shri Manohar Lal S/o Khushi Ram and Smt. Kaushalya Devi W/o Jiwan Dess, 576, Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intragvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1-0 K-M situated in Kishanpura, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5061 of dated November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No. 4453.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagraj Singh S/o Gurbax Singh R/o V. Deharain, Teh. Nakodar Distt. Jalandhar.

(Transferor) (2) Shrimati 1. Promila Chadha W/o Manoharlal and 2. Smt. Neelam Chadha W/o Tersam Lal Chadha R/o 165-R, Model Town, Jalandhar.
3. Kailash Rani Julka W/o Rajinder Kumar, 952/5, Prem Nagar Jalandhar. 4. Urmal Shrama W/o Sudershan Kumar V. & P.O. Takhla Kalan, Distt, Amritsar.

5. Satish Kumar S/o Sant Ram and
6. Asha W/o Satish Kumar
R/o ER-230, Pacca Bagh, Jalandhar.

7. Naresh Puri S/o Mulkh Raj

8. Purion Moballa, Sultangur Lodh R/o Purian Mohalla, Sultanpur Lodhi Distt Kapurthalla, 8. Rekha Puri W/o Mohinder Pal R/o T-141, Hardyal Road, Jalandhar Cantt.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(Transferees)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 6 Kl. 181 M/s. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5056 of November 1982 of the registering authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 8-7-1983 Seal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No./4454.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Faridkot on Jan. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weeklern Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—186GI/83

 Shri Harish Chander, Vinod Kumar, Rajinder Kumar Ss/o Sham Sunder Sethi, Cloth Merchants, Main Bazar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Chadha, S. E. S/o Uttam Singh R/o Cantt. Road, Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Cantt. Road, Faridkot & persons as mentioned in the registration sale deed No. 4348 of dated January, 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date 8-7-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No./4455 & 4457.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. as per schedule situated at Mansa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mansa on Jan & April 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prem Chand S/o. Kishore Chand R/o Mansa

(2) Shri Krishan Singh S/o Bachan Singh. Sunar, R/o Mansa

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop (portion) situated at Mansa and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4126 of dated January, 83 and 45 of dated April, 1983 of the Registering Authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 8-7-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE.

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No./4456.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on Jan. & April 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) Shri Amar Nath S/o Kishore Chand R/o Mansa

(Transferor)

(2) Shri Balwinder Singh S/o Krishan Singh Sunar. R/o Mansa

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop (pertion) situated at Mansa and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4127 of January, 83 of the Registering authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 8-7-1983 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th July 1983

Ref. No. A. P. No./44589.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on April 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betten the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amer Nath S/o Kishore Chand R/o Mansa

(Transferor)

(2) Shri Gopal Singh S/o Krishan Singh Sunar. R/o Mansa

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop (portion) situated in Mansa and persons as mentioned in the registration sale deed No. 46 of April, 1983 of the Registering Authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date 8-7-1983 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th July 1983

No. IAC /ACQ/3/1/83-84.—Whereas, 1, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agriculture land No. 116/2 P. H. No. 44 Mouza Somalwada 79, Dist. Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income, tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 I. Smt. Janabai Sitaramji Menghare
 Smt. Chandrabhagaba Ramchandraji Hande, Somalwada. Nagpur.

(Transferors)

- (2) I. Smt. Sonabai Nathuji
 - Teirandhe.
 2. Shri Ishwar Nathuji
 - Teirandhe.
 Both Resident at Bhagwan Nagar,
 Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 116/2 P. W. No. 44, 2.62 Avres Somalwada 79, Dist. Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 6-7-1983

`ral;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

C. R. No. 62/36337/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 414 (Old No. 4) situated at I/Cross, Da Costa Layout, Cooke Town, Bangaore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar under document No. 2596/82-83 on 26-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Benjamin John S/o Late Rev. A. J. John
 Dr. Mrs Joyce John W/o Mr. Benjamin represented by G. P. A. Holder Mr. John Jacob, S/o Late Rev. P. V. John Kottigethummanahalli, Kurahalli P. O., Delanahalli, Bangalore Dist.

(Transfero

(2) Shri Francis Anthony, Kavalakatt, S/o Shri Antony Poulose Kavalakatt, Karanchira P. O. Erangalakuda, Kerala C/o Baby Joseph Alapatt, No. 62-B, Millers Road, Benson Town, Bengalore-46,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticein the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2596/82-83 dt. 26-11-198¹ All that property bearing No. 4/4 (old No. 4) I Cross, Da Costa Layout, Cooke Town, Bangalore-5.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th June 1983

C. R. No. 62/36329/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Find bearing
No. 13/1 (New) situated at Rhenius Street, Richmond Town,
Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2512/82-83 on 18-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri M. L. Ranjit S/o Lolumal

2. Shri A. L. Ravi Mohan
S/o Lakshminarayan
by his P.A. Holder the said M. L. Ranjit
No. 64, Pali Hills,
Bandra, Bombay-50,

(Transferor,

(2) 1. Miss Wafa Sheriff 2. Miss Haya Sheriff 3. Miss. Nida Sheriff and

4. Miss Farah Sheriff
Minors represented herein by their father/Mother
Noor Ahmed Shariff

Mrs. Asma Khanum, No. 53/2, Richmond Road, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2512/82-83 Dated 18-11-82) All that property bearing No. 13/1, situated at Rhenius Street, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-6-1983

(Transferor)

(1) Shri S. Dasappa

(2) Shri J. Dhanraj

No. 18, III Čross, Nagappa Block, Bangalore.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

No. E-74, S. V. Lane, Chikpet, Bangalore. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th June 1983

C. R. No. 62/37229/82-83/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

No. 18 situated at III Cross, Nagappa Block, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Srirampuram under document No. 3357/82-83 on 10-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The tioning and **ехрижіопе** herein as tere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3357/82-83 dated 10-1-1983) All that property bearing No. 18 situated at III Cross, Nagappa Block, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Qaiser Aman No. 4/3, Hall Road, Richards Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Smt. Cynthia Coelho No. 17/7, Spencer Road, Bangalore-5.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALCRE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

C.R. No. 62/36336/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 4/3, situated at Halls Road, Richards. Town,

Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar under document No. 2578/82-83 on 24-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid property as a foresai exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2578/82-83 dt. 24-11-1982) All that property bearing No. 4/3, situated at Halls Road, Richards Town, Bangalore-5.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-35---186GI/83

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th June 1983

R. No. 62/36366/82-83/ACQ/B.-Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28, situated at 4th Main Road, Chamarajpet, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Basavangudi under document No. 3024/82-83 on 26-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri C. S. Krishna Murthy No. 61/15, Basapa Layout, Hanumanthanagar. Bangaore-560 019.

(2) Shri H. Kawarilal S/o K. Pralashchand No. 247, Mysore Road, Bangalore-2.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3024/82-83 dated 26-11-1982) All that property bearing No. 28, situated at 4th Main Road, Chamarajpet, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th June 1983

C. R. No. 62/36257/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/40, situated at Udani Layout, Ulsoor, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar under document No. 2039/82-83 on 11-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the the purposes of the Iadian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri B. K. Trivedi No. 145, Gandhinagar, V Cross Road, Bangalore-9.

(Transferor)

(2) Shri A. 'Paul Perinchery No. 12/47, Udani Layout, Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2039/82-83 Dated 11-11-1982) All that property bearing No. 12/40, situated at Udani Layout, Ulsoor, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th June 1983

C. R. No. 62/35898/82-83/ACQ/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 138-1 A2, No. 76 situated at Badagabettu Village, Udupi Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udupi under Document No. 521/82-83 on 20-11-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Azz, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Dr. Cyril Koundinya S/o Samuel Jesudad Koundinya Bailur, No. 76, Badagabettu Village, Udupi Taluk.

(Transferor)

(2) Shrimati A. E. Anchan W/o A. A. S. Anchan D/o Samuel Jesudas Koundinya No.76, Badagabettu Village, Udupi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 521/82-83 Dated 20-11-1982) All that property bearing Sy No. 138-1 A2 No. 76 situated at Badagabettu Village,, Udupi Town.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-6-1983

eal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-82/9729.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ref. 25 000 (property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2989 situated at Kajiwara, Daryagani, Ward No. 11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Ram Saran Dass Malhotra

- 2. Shri Ramii Dass Malhotra
- 3. Smt. Sumitra Kappor
- 4. Shri J. N. Kappor
 5. Shri Subhash Chand Kapoor
 6. Shri Narender Kappor
 7. Smt. Krishna Devi

8. Smt. Swarn Malhotra.

(Transferors)

(2) Shri Om Prakash Jain S/o Shri Pritam Chand Jain, R/o 1789-A, First floor, Naya Bazar, Delhi-6

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th share (undivided) property No. 2989 mg. 201.75 sq. yds. situated at Kajiwara, Daryaganj, Ward No. 11, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th Juy 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-82-9724.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2989, situated at Kajiwara, Daryagani, Ward No. 11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respec of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1.Smt. Vidyawati 1.Smt. Vidyawati
W/o Late Shri Ram Nath Malhotra
2. Shri Chiman Lal Malhotra
3. Shri Tilak Raj Malhotra
4. Shri Jagdish Chand Malhotra
S/o Late Shri Ram Nath
5. Smt. Kailash Rani

D/o Shri Ram Nath Malhotra W/o Shri Ved Parkash Oberol

N/O Shri Ved Farkash Oberon R/O Anaj Mandi, Ambala City, 6. Smt. Nirmal Rani D/O Shri Ram Nath Malhotra W/O Shri Megh Ram 29-A/435, Chandigarh.

(Transferors)

(2) Shri Om Parkash Jain, S/o Shri Pritam Chand Jain R/o 1789, First Floor, Naya Bazar, Delhi-6.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the esaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. 2989, mg. 201.75 yds. situated at Kajiwara, Darya Ganj, Ward No. 11,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 7-7-1983

FORM ITNS----

- (1) Smt. Chander Wati Mehta w/o Dr. Shiv Saran Mehta r/o B.A., LIG Flats, Hari Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) S. Ajit Singh Sethi s/o S. Darshan Singh Sethi r/o 6/13, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82/9732.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Plot No. 103, Block-F, situated at Bali Nagar, New Delhi

Plot No. 103, Block-F, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, built on land mg. 100 sq. yds. western half portion of Plot No. 103, in Block-F, situated at Bali Nagar, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 8-7-83

 Shri Surender Nath s/o Shri Ved Prakash r/o BB 180, DDA Flats, Munirka, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Mittal Industries, 5654, Basti Harpool Singh, Sadar Bazar, Delhi-6 through its Partner Shri Mangat Ram

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82/9749,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5656, Plot No. 20,

No. 3636, Plot No. 20, situated at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Nov., 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor, Miani floor and barsati floor of property No. 5656, Plot 20, Basti Harpool Singh, Sadar Bazar, Delh'-6 mg. 125 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delh-

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 11, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELIH

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82/9755.—Whereas I, SUDIUR CHANDRA

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
III/2841 situated at Ashok Gali, Mori Gate, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act; 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. namely:—
36—186GI/83

(1) Sarve Kirti Kumar s/o late Sh. Som Parkash r/o 17/2, Ramesh Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Ishwar Devi w'o Sh. Jagan Nath r/o 1/19, Gali Bedian, Mori Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. IJI 2841, Ashok Gali, Mori Gate. Delhi mg. 125 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 8-7-8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE U, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82/9897.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000% and bearing No. (FF) Prop. No. 30/22, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Nov. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following ersons navely:—

 Sh. Om Parkash Bansal s/o Sh. Jai Lal r/o C-10, Ashok Vihar, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Devi Garg w/o Sh. Pitambar Dass Garg, r/o 38/144 Narial Bazar, Kanpur (UP).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor portion of property No. 30/22, Mpl. No. 11611 Ward No. III, Shakti Nagar, Delhi mg. 1200 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 8-7-83

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR ČR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR-I/11-82/9899, -- Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 15, Block-C, situated at Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :- .

- (1) Shri Jagdish Pershad Gupta s/o Shri Ram Gopal Gupta r/o H2/3, Model Town, Delhi-9
 - (Transferor)
- (2) Smt. Lalita Devi Jain w/o Sh. Madan Lal Jain Sh. Rakesh Kumar Jain s/o Sh. Madan Lal Jain, Shri Madan Lal Jain, S/o Sh. Ramji Lal Jain, r/o Sadar Bazar No. 3, Ferozepur Cantt. (Punjab) & Natural Guardian for (4) Master Pawan Kumar & Anil Kumar.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15. Block-C, Netaji Road, Adarsh Nagar, Delhi-33, mg. 200 sq.yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delbi, the 8th July 1983

Ref No .IAC/Acq.11/SR-I/11-82/9734.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 2746, 2749 situated at Roshaupura Cheera Khana, Nai Sarak, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Droopdi Devi w/o Sh. Ram Chander r/o 431, Kucha Brij Nath, Chandui Chowk, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala w/o Sh. Padam Chand Aggarwal r/o 416, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2746, 2749, Roshanpura Cheera Khana, Nai Sarak, Delhi (Half undivided share) mg. 156 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 8-7-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82/9798.—Whereas I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Plot No. 137, situated at Gupta Colony, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Jagjit Kaur w/o Shri Kulwant Singh r/o 44-A/ D, Old Gupta Colony, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Baldev Raj Pangasa s/o Sh. Des Raj Pangasa r/o 103, Old Gupta Colony, Delhi, Smt. Santosh Pangasa w/o Sh. Baldev Raj Pangasa r/o as above. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restriction are applied by the service of notice between the service of the restriction are applied to the restriction and the restriction are pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 290 sq. yds. bearing Plot No. 137, of Khasra No. 754/219/2/2 situated in Gupta Colony, area of vill, Rajpur Chawni, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82/9767.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 8975, situated at Gali Boushwali, Naya Mohalla, Ram Bagh Road, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Vijay Kumar Arora s/o Sh. Tehal Ram Arora, 10/39, Library Road, Azad Mkt. Delhi-6.
 (Transferor)
- (2) Smt. Ram Devi w/o Sh. Harish Chand Agarwal 252, Gali Prakash, Teliwara, Delhi-6. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor only and portion of terrace of property No 8975, Brushwal, Naya Mohalla, Ram Bagh, Road, Delhi-6 mg. 163. sq. yd.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delh

Date: 8-7-83

(1) Smt, Godawari Devi w/o Tehal Ram, 10139, Liabrary Road, Azad Market, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 9183

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/11-82/9793.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8975, situated at Naya Mohalla, Azad Market, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Harish Chand Aggarwal s/o Dawarka Dass, r/o 2812, Partap Market, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structure of 1st land and Terrace Floor of property No. 8975, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi mg. 163 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 8-7-83

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. P. Bindra S/o Shri Gian Singh R/o B-176, East of Kailash, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar Garg S/o Shri S. P. Agarwal R/o 2-Under Hill Road, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-82/9783,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impossible in the impossible to be in the impossible to the interest of the impossible to the impossible t property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9774, 9774A, to C, 9918-D to 9918-I, 9919 to 9924 situated at Opp. Sarai Robilla Rly. Station, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 263C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persorn namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property Khasra No. 312/2 Mpl, No. 9774, 9774-A to C, 9918-D to 9918-I, 9919 to 9924, Opp. Sarai Rohilla Rly, Station, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1983 Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-82/9784.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No: 9774, 9974-A to C, 9918-D to 9918-I, 9919-9924 situated at Opp. Sarai Rohilla Rly. Station New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37-186GI/83

(1) Smt. Saria Mahindru W/o Shii R. S. Mahindru 413, Defence Colony, New Delhi, through general attorney of Shri S. P. Bindra S/o Late Gian Singh R/o B-176, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veer Bala Agarwal W/o Shri D. C. Agarwal R/o K. F. 48, New Kavi Nagar, Ghaziabad (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property Khasra No. 312/2, Mpl. No. 9774, 9974-A to C, 9918-D to 9918-I, 9919-9924, Opp. Sairai Rohilla Rly. Station, New Delhi mg. 273 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1983

Scal;

FORM 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-82/9785,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 9774, 9974-A to C, 9918-D to 9918-1, 9919-9924 situated at Opp. Sarai Rohilla Rly. Station New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Savitri Devi
 Wo Late Shri K. C. Tanoli,
 R/o S-242, Greater Kailash through
 Shri, S. P. Binera
 B-176, East of Kailash,
 New Delhi,

(Transferer)

(2) Smt. Saroj Gupta W/o Shri Devinder Gupta Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property Khasra No. 312/2, Mpl. No. 9774, 9774-A to C, 9918-D to 9918-I, 9919-9924, Opp. Sarai Sarai Rohilla, Rly. Station, New Delhi mg. 273 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1983

FORM I.T.N.S.----

 Shri Shekhar Agarwal, R/o 5. Sukdham, Station Road, Kota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radha Rani Sharma, D-1/9, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transfereo)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82|9797.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1/9, situated at Rajouri Garden, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of D-1/9, Rajouri Garden, New Delhi, mg. 519 sq.yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-82[9794.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 153, Block-C, situated at Mansrover Garden, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jugal Kishore
 S/o Shri L. Amar Nath
 R/o House No. 2499,
 Beadonpura,
 Karol Bagh,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jang Bahadur Singh S/o Sh. Jiwan Singh R/o E-40, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 153, Block-C, mg. 241.66 sq.yds. situated at Mansrover Garden, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.JI/SR-I/11-82|9726.--Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Prop. No. D-9, situated at Rajouri Garden, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1982 for an apparent consderation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Kishan Singh S/o Sh. Nihal Singh R/o WZ-170, Kham Pur,

(Transferor)

(2) Sh. Sri Krishan Garg
S/o Sh. Kali Ram Garg
Smt. Sharda Devi
W/o Sh. Mahabir Parsad,
Smt. Sushila Garg
W/o Rattan Lal Garg all
P/o D.9 Paiguri Garden R/o D-9, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. D-9, built-upon mg. 4894 sq. yds. out of total 1958 sq. yds. situated in the area of vill. Bassai Darapur, Rajouri Garden, New Delbl.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta:
> Acquisition Range-I
> Delhi/New Del'

Date: 8-7-83 Scal:

Sh. Boota Singh
 S/o late Sh. Uttern Singh
 R/o Mohalla Ram Nagar,
 Jagraon Mandi.
 Punjab.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Krishan Dev Singh & Sh. Randhir Singh SS/o Sh. Raghunath Singh R/o M-34, Rajouri Garden, N. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI.

NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/11-82|9796.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. M.34, situated at Rajouri Garden, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on New 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property No. M-34 mg. 200 sq.yds. at Rajouri Garden, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rooms, namely:—

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-32/9777.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 46, Block-M, situated at Rajouri Garden, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

(1) Sh. Ravinder Chadha S/o Sh. Manohar Lal Chadha R/o J-48, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Khanna S/o Sh. L. Chiranjit Lal Khanna & Smt. Naresh Khanna W/o Prem Khanna R/o 1088/18-C Sect., Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which the product of the period o whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed bldg., on plot No. 46 in Block-M mg. 213 sq.yds. situated at Rajouri Garden, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-32/9752.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 53, Block-UB situated at Jawahar Nagar, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamlesh Kumari alias Parkash Wati R/o 53-UB Jawahar Nagar, Delhi through, Sh. Mohan Lal Bhalla,

(Transferor)

(2) Sh. Ram Avtar Aggarwal S/o Shri Khazan Singh Aggarwal, Smt. Sumitra Devi W/o Sh. Ram Avtar Aggarwal R/o 79-D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single staoreyed prop. No. 6097 mk. 172.2 sq.yds. Plot No. 53, Block-UB, Jawahar Nagar, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.--

Date : 8-7-83

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR·I/11-82|9747.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Prop. No. 30, Read No. 73, situated at Punjabi Bagh, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—:

(1) Smt. Laj Wanti Khurana Wd/o Sh. Gobind Ltd Khurana, Shri Bishambar Lai Khurara So Sh. Ladha Ram R/o 30/73, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S. Nanak Singh S/o Sh. Dhana Ram, Sh. Parvinder Singh S/o S. Nanak Singh R/o Z-1/C, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of property No. 30, on Read No. 73, built on the land mg. 545.415 sq. yds. Punjabi Bagh, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

Seal:

38---186GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Radhey Shyam S/o Sh. Shiv Lal R/o 480, D. S. New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Dhawan W/o Sh. Krishan Dhawan R/o J-391, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-82|9735.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 129, Block-C, situated at Mansrover Garden, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 129, Block-C, mg. 372 sq.yds. situated at Mansrover Garden, N. Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-87

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-1/11-82[9741.--Whereas, J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have rason o believe that he immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XIV/10939-10940, 10947-10951 situated at Mandir Marg, Doriwalan, Shidipura, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. Ranjit Kaur W/o Sh. S. Raghbir Singh R/o 101 Model Basti N. Delhi and Smt. Gurcharan Kaur W/o Sh. Joginder Singh R/o 10108, Rani Jhansi Road, Filmistan, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Rajesh Kumar & Sh. Vinod Kumar SS/o Sr. Ranjit Singh R/o 331-D-25, Raj Gurh, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Prop. No. XIV/10939-10940, 10947-10951, at Mandir Marg, Doriwalan, Shidipura, Delhi.

> **SUDHIR CHANDRA** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II .
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-II/I1-82/8180.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Alipur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Radhey Shyam Aggarwal and Shri Sri Kishan Aggarwal SS/o late Shri Jagdish Parshad Aggarwal R/o 43-C, Cantt. Road, Lucknow (UP).

(Transferor)

(2) Shri Dharam Narain Aggarwal S/o late Shri Ramji Lal Aggarwal R/o 1, Dr. M. Ishaque Road, Flat No. 48, (Kyd. Street), Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing khasra Nos. 1536 min (2-00), 1547(4-16), 1548(4-16) and 1551 min (1-03) situated in village Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-II/11-82/8212.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Dharam Chand S/o Sh. Garib Ram, Ram Chander, Raj Singh, Ram Phal Ss/o Shri Sabha Chand R/o Vill. Sohri Distt. Rohtak. Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Chattar Singh S/o Sh. Malkhan Singh R/o Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg, 147 bighas 1 biswas (1/6th share), K. No. 20/16/3(2-8), 24(4/16), 25(4-16), 21/20(2-8), 21(4-16), 25/373(J-0), 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 24/1(4-16), 93/24(4-16), 25/1(3-4), 77/18(4-16), 19(4-16), 20/1(0-3), 20/2(4-13), 21(4-16), 22(4-16), 88/4(4-16), 5(4-16), 6(4-10), 7/1(0-4), 7/2(4-13), 15/1(2-4), 107/22(4-16), 23(4-16) and 24(4-16) of Village Dichaon Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-82|8210.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dharam Chand S/o Sh. Garib Ram, Ram Chander, Raj Singh, Ram Phal, Ss/o Sh. Sabha Chand R/o Vill. Schri Distt. Rohtak, Haryana.

() ransteroi)

(2) Shri Chander S/o Shri Bhola R/o Vill. Isher, Distt. Rohtak. Haryana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 147 bighas 1 biswas (1/6th share), K. No. 20/16/3(2-8), 24(4-16), 25(4-16), 21/20(2-8), 21(4-16), 25/3/3(1-0), 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 60/25/2 (1-8), 44/3(4-16), 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 24/1(4-16), 93/24(4-16), 25/1(3-4), 77/18(4-16), 19(4-16), 20/1(0-3), 20/2(4-13), 21(4-16), 22(4-16), 88/4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7/1(0-4), 7/2(4-13), 15/1(2-4), 107/22(4-16), 23(4-16), and 24(4-16), of Village Dichaon Kalan Delhi - lage Dichaon Kalan, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI,

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-82/8211.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property is a second to be a second to property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Dichaon Kalan, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registralon Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Dharam Chand S/o Sh. Garib Ram, Ram Chander, Rai Singh, Ram Phal Ss/o Sh. Sabha Chand R/o Vill. Sohri Distt. Rohtak, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Yudhvir Singh S/o Sh. Malkhan Singh R/o Vill. Nangli Sakrawati,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 147 bighas 1 biswas (1/6th share), K. No. 20/16/3(2-8), 24(4-16), 25(4-16), 21/20(2-8), 21(4-16), 25/3|3(1-0), 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 60/25/2(1-8), 44|3(4-16), 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 24/1(4-16), 93/24(4-16), 25/1(3-4), 77/18 (4-16), 19(4-16), 20/1(0-3), 20/2(4-13), 21(4-16), 22(4-16), 88/(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7/1(0-4), 7/2(4-13), 15/1(2-4), 107/22(4-16), 23(4-16) and 24(4-16) of Village Dischars Kalan Delbi State Delbi Dischaon Kalan, Delhi State, Delhi,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 8-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION R'ANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-82/3175.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Alipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed

herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Nov., 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Radhey Shyam Aggarwal and Shri Sri Kishan Aggarwal Sa/o late Shri Jagdish Pershad Aggarwal, R/o 43-C, Cautt. Road, Lucknow, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Aggarwal S/o Shri Dharam Narain Aggarwal R/o 1, Dr. M. Ishaque Road, Flat No. 48 (Kyd. St..) Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No.. 1905(4-09), 1906(4-16) and 1527(3-07), situated in vill. Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-7-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFUHI

New Delhi, the 8th July 1983

No. IAC/Acq II/SR-11/11-82/8177.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land, situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on November, 1982 on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in trument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following nersons. namely :-

(1) Shri Radhey Shyam Aggarwal. Sh. Sri Kishan Aggarwal, ss/o late Sh. Jagdish Pershad Aggarwal, r/o 43-C, Cantt. Road, Lucknow, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Aggarwal s/o 5.0 Sh. Dharam Narain Aggarwal s/0 s/0 Sh. Dharam Narain Aggarwal, r/o 1, Dr. Ishaque Road, Flat No. 48, (Kyd. St.), Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and bearing khasra Nos. 1861 min (2-8), 1866 (4-16), 1867(1-12) and 1869/2(2-16), situated in vill. Alipur, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA COMPETENT AUTHORITY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

Seal:

39-186GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8179.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land, situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

Agr. land, situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1982

on November, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely;—

 Shri Radhey Shyam Aggarwal, Sh. Sri Kishan Aggarwal, Ss/o Late Shri Jagdish Pershad Aggarwal r/o 43-C, Cantt. Road, Lucknow, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Narain Aggarwal s/o late Shri Ramji Lal Aggarwal, r/o 1, Dr. M. Ishaque Road, Flat No. 48, (Kyd. St.), Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properfy within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing khasra Nos. 1520 (3-00), 1521(6-06), 1541 (0-05), and 1542 min (2-15), situated in village Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delbi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8178.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land, situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Radhey Shyam Aggarwal, Sh. Sri Kishan Aggarwal, ss/o late Sh. Jagdish Pershad Aggarwal, r/o 43-C, Cantt. Road, Lucknow, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Narain Aggarwal, s/o late Shri Ramji Lal Aggarwal, r/o I, Dr. M. Ishaque Road, Flat No. 48, (Kyd. Street) Calcutta-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing khasra Nos. 1542 min (4-09), 1539 (4-16) and 1536 min (2-16), situated in village Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, • NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-JI/11-82/8176.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land, situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely:—

(1) Shri Radhey Shyam Aggarwal, Sh. Sri Kishan Aggarwal, ss/o late Sh. Jagdish Pershad Aggarwal, r/o 43-C, Cantt. Road, Lucknow. U.P.

(Transferor)

1

(2) Sh. Sanjay Kumar Aggarwal s/o Dharam Narain Aggarwal, r/o 1, Dr. M. Ishaque Road, Flat No. 48, (Kyd. St.), Calcutta-16.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing khasra Nos. 1825(4-16) 1860(4-16) and 1862(1-16) situated in village Alipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ss/o late Sh. Jagdish Pershad Aggarwal, r/o 43-C, Cantt. Road, Lucknow, U.P.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Aggarwal s/o Shri Dharam Narain Aggarwal, 1/o 1, Dr. M. Ishaque Road, Flat No. 48, (Kyd. St.), Calcutta-16.

(1) Shri Radhey Shyam Aggarwal,

Sh. Sri Kishan Aggarwal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref No. JAC/Acq. II/SR-II/11-82/8174,—Whereas Ι, ... SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Agr. land, situated at Village Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to be here transferred under the Registration Act.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed 10 between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Land bearing khasra Nos. 1870/2(3-16), 1903(4-09) and 1904 (4-16), situated in village Alipur, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8218.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land, situated at Village Sahibabad Daulatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of .908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and

[have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of:—

- (a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) St. Margaret Edn. Society At Vill. Dhir Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Panchi Devi w/o Jai Narain Khandelwal, r/o 6176, Kucha Shiv Mandir, Fatehpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of land mg. 19 bighas and 1 biswa bearing khasra Nos. 36/18, 19 min. West 22 min. West, 23.24 and 28 at Village Shahibaad Daulatpur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax
Acquisition Range-II,
Delhi'/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S.h Ajit Singh s/o Mauji Ram, r/o V&PO. Helami Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Nuhta w/o Sh. Lalit Kumar Nahta, r/o 6-B, iTlak Nagar, 9-B, Sagar Apartments, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING,

Now Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-II|82|8203,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/ and bearing No.

bearing No. Agr. land, situated at Village Helami Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1982

on November, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as affire-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 16 bighas 16 bigwas bearing Kh. No. 30/10, 11, 12, 31/15, 14/2, of Village Helambi Khurd, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

(1) Shri Brii Mohan Lal 5/0 Mansa Ram, r/0 21, Ram Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar s/o Sh. Zile Singh, r/o Village Bakhtawarpur, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8188.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land, situated at Village Bakhtawarpur, Delhi-36 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parteis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 ibghas and 8 biswas out of Kh. No. $60/23 \, M(2-8) \, 22(4-16), \, 77/2(4-16), \, 3M(2-8), \, in \, village Bakhtawarpur. Delhi-36.$

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8189.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fact market value exceeding Rs. 25 000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Age. land, situated at Village Bakhtawarpur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on November, 1982

40-186GI/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons namely:-

(1) Shri Brij Mohan Lal s/o Mansa Ram, r/o 21, Ram Nagar, Delhi.

(2) shri Bhule Ram s/o Bansi Lal Village Palla, Delhi-36.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 bighas and 8 biswas out of Kh. No. 60/13(2-8), 12(4-16), 18(2-8), 19(4-16) in the area and revenue estate of Kh. No. 60/13(2-8), 12(4-16), 18(2-8), 19(4-16) in the area and revenue estate of Village Bakhtawarpur, Delhi-36.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II,
> Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR- $\Pi/11-82/8193$.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Village Narela, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Chandgi s/o Sh. Jai Singh, r/o C-69, Pana Udyan Narela, Delhi State.

(Transferor)

(2) Sh. Daya Nand and Sh. Ishwar Singh, both ss/o Sh. Pem Raj, & Master Vinod Kumar, minor son of Sh. Pem Raj, under the guardianship of Sh. Pem Raj, father of the minor all r/o 456, Pana Udyan Narela, Delhi State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of land mg. 36 bighas 15 biswas bearing Khasra No. 20|25, 21|10, 11, 22|16|2, 26|3|2, 3|3, 4, 5, 8|2, 5|3, 6, 31|22|2, 23|2, situated at Narela, Delhi State.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Rcf. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8217.---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land

situated at Village Shahibabad Daulatpur, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) St. Margaret Edn. Society, at Village Dhirpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Nawal Kishore Khandewal s/o Sh. Jai Narain, 6176, Kucha Shiv Mandir, Fatehpuri, Delhi. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of land mg. 19 bighas and 1 biswas bearing Khasra Nos. 36/18, 19 Min. West, 22 min West, 23, 24 and 28 at Village Shahibabad Daulatour, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tar.,
Acquisition Range-U,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-11/11-82/8136.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

RB-5, situated at Inderpuri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kuljas Rai 6/0 Sh. Atam Chand Jhamh, r/0 AE-34, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jatinder Kumai Taneja s/o s/o Sh. Sunder Lal Taneja, Smt. Chanchal Taneja wd/o Sh. Subhash Chand Taneja, r/o J-73, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. RB-5, Inderpuri, Delhi mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

Scal

(1) Shri Prem Chand Saini \$/o Sh. Ram Chander, r/o Village Sidipura, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nathu, Chander ss/o Sh. Hanmanta, r/o Village Burari, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FAGUR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8191.—Whereas J, SUDHIR CHANDEA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Agr. land, situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 10 bighas 15 biswas Mustatil No. 106 killa No. 22, 26 and Mustatil No. 116, Killa No. 2/1 Village Burari, Delhi,

SUDHIR CHANDR.
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commis in r of Income-ta:
Acquisition Range-I
Delhi/New Dell

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8187.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agr. iand, situated at Village Bakhtawarpur, Delhi-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Brij Mohan Lal s/o Mansa Ram, r/o 21, Ram Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla w/o Sh. Zile Singh, r/o Smt. Kamla w/o r/o Village Bakhtawarpur, Delhi-36,

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 15 bighas 8 biswas out of Kh. No. 60/\(\frac{1}{2}(1-C)\) 2(4-16), 3 Min(2-8), 8 Min(2-8) and 9(4-16), in the revenue estate & area of Village Bakhtawarpur, Delhi-36.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-82/8208,—Whoreas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 67, Block-Z,

situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chanan Devi & Others, r/o 21/37, SOI I-Charaon Saint Wongaw Road, Thapara Bangkok (Thailand) through Sh. Gurdarshan Siugh s/o Sh. Wazir Singh, r/o 3003, Sector 21/D, Chandigarh & others.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi & Smt. Sarla Devi, ro Z-67. Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by say of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed bldg. on the land mg. 489 sq. yds. bearing Plot No. 67, Block-Z, Rajouri Garden, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

No. IAC/Acq. I/SR. III/11-82/1201.—Whereas J,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land, situated at Village Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair member value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

7-7 7<u>1--</u> - - ,===== - - ,= (1) Shri Prabhu s/o Chhajua r/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/c. Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219, Chatanjan Avenue, Calcutta, through M.C. Gupta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a region of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in Agr. Land measuring 22 Bighas and 9 biswas Kh. No. 1554/1(2-4), 1552/3(1-6), 1553/1(2-4), 1555/2(1-3), 1820/1(1-18), 1821/2(3-11), 1844/2(3-11), 1845/2(2-9), 1848/3(0-4), 1884/1(2-4), 1885/3(0-13) 1683/3(1-3), Village Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S .--

(1) Raghbir, Sampat, Jug Lal, s/o Hardeo, r/o Rajorki, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Palam Stud & Agricultural Farms (India) Pvt. Ltd. Rajokri, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TA λ

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/11-82/1164.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Agri. land

and bearing Agri. land situated at Village Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Novemer, 1982

New Delhi in Novemer, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4 share in agricultural land measuring 23 bighas and 10 biswas Kh. No. 150/2(2-8) 151(4-16), 157(4-16), 158(3-8), 160(4-12), 161/2(3-10), Village Rajokri, Teh. Mehrauli. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L
Delhi/Naw Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41—186GI/83

Date: 6 7-1983

Scal:

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Dehi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq 1/SR.III/11-82/1195.—Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Khacheru, Chattar, Atar Singh S/o Khawani Thana, Kirpa, Shri Ram, Harkesh S/o Surjan r/o Ghltorni, Tch. Mehrauli, New Delhi. g (Transferor)
- (2) Miss Shakun Sharma d/o M. R. Sharma r/o llIF/19 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas and Kh. No. 324, Vill. Ghitorni, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983,

Scal ;

FORM ITN3-

(1) Shri Bishan Lal Kanodia s/o Sh. Jyoti Parshad Kanodia r/o B-368, New Friends Colony, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mehra Jewel Place Pvt. Ltd. G-25, N.D.S.E.I., New Delhi, through Sh. C. L. Mehra, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW (DELHI,

Objections, if any to the acquisition of the sad property may be made in writing to the undersigned:—

New Dehi, the 6th July 1903

Ref. No. JAC/Acq I/SR-JJI/11-82/1194.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Ghitorni, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 2 bighas and 13 biswas Kh. No. 333/1 Vill. Ghitorni, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Dehi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1222.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Agri land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagat Singh alias Jagdish s/o Sh. Hukam Chand Smt. Daryai and Smt. Omwati d/o Sh. Hukam Chand R/o Vill. Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s Green Park Builders & Promoters (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 5 Bighas and 8 Biswas being one-fifth share of lands comprised in Rect. No. 36, K. Nos. 24(4-16), 25(4-16). Rect. No. 45, K. No. 4(4-06) and K. No. 180 min. (13-08) in Vill. Bijwasan.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983.

Scal:

 Khacheru, Chattar, Atar Singh, ss/o Khawani Thana, Kirpa, Shri Ram, Harkesh ss/o Surjan r/o Ghitorni Tehsil, Mehrauli, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhailal Patel S/o B. S. Patel, r/o 48 Janpath, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Dehi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1197.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961, (42 - 5 1961).

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing.

Agri. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

New Delhi on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas and 12 biswas Kh. No. 321(4-16), 322(4-16), Vill. Ghitorni, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi / New Delhi.

Date: 6-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Dehi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/11-82/1196.—Whereas, I. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding movable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Khacheru, Chattar, Atar Singh, es/o Khawani Thana, Kirpa, Shri Ram, Harkesh ss/o Surjan r/o Ghitorni Tehsil, Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) Rahul Patel (minor) s/o B. B. Patel r/o 48, Janpath, New Delhi through his father and natural guardian Sh. B. B. Patel. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas and 12 biswas Kh. Nos. 308 min. (1-3), 309 min (2-17), 310(4-16), 311(0-16) Vill. Ghitorni, Tch. Mchrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Dolhi.

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Dehi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1186.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khazan Singh s/o Sh. Ram Mehra r/o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Green Park Builders & Promoters P. Ltd, 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 24 Bighas only comprised in Rect. No. 77, Killa No. 16(4-16), Rect. No. 78, Killa No. 10 (4-16), 11 (4-16), 20 (4-16) and 21 (4-16) in Village Bijwaman Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1202.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Ashok Kumar Jain and Anil Kumar Jain Ss/o Sh. Darbari Mal Jain r/o No. 1, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi through attorney Smt. Bhoola Rani w/o Khushi Ram r/o F-92, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Ashok Kumar Kakkar s/o Dargahi Dass for self and attorney of Suresh Kumar s/o Dargahi Dass r/o E-20, Greater Kailash Enclave, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bighas and 5 Biswas Kh. No. 530 Vill. Gadaipur, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

(1) Shri V. P. Vohra, R-265 (G.F.) Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Janardan Sehgal S-59, Greater Kailash-I, New Dolhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1218.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-265 (2nd Floor) situated at Greater Kailash-1, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R-265 (2nd Floor) Greater Kailash-I, New Delhi measuring 325 sq. fts. approximately (Flat area).

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983.

Scal:

42-186GT/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1232.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H-No. B-56 situated at N.D.S.E. Part. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Nov. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. B. D. Sharma s/o late Sh. P. C. Sharma r/o C-186, Nirman Vihar, New Delhi.
- (2) Sh. Davinder Kumar Dang & (2) Sh. Harish Dang s/o Sh. Hans Raj Dang r/o B-56, N.D.S.E. Part-Π, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serveel of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-56, N.D.S.E. Part-II, New Delhi measuring 250 Sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delbi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.IIII/11-82/1162.—Wheraes, I. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H-445 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Mr. Raghbir Singh Malhotra 2. Mr. Harbans Singh Malhotra H-445, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunila Chopra 15-A/13, WFA Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-445, New Rajinder Nagar, New Delhi area 202 Sq. Yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983.

(1) Smt. Suraj Rani Bhargava & Sh. A. S. Bhargava 7-Bazar Lane, Bengali Mkt. New Delhi (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Kanta Chawla
 Mrs. Raj Kumari Chawla
 Mrs. Rekha Chawla
 Mrs. Rama Chawla
 Punjabi Bagh, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX .

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, NEW DELHI, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 6th July 1983

No. IAC/Acq I/SR-III/11-82/1185.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/11-82/1185.—whereas, 1, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 12/14, W.E.A. Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 12/14, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, area 548.33 sq. yd.

NARINDAR SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983.

FORM I.T.N.S.-

(1) Suresh C. Verma S/o M. R. Verma, r/o 31/17 Fast Patel Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Master Pawan M. Uttam and Master Amrit M. Uttam sons of Mohinder B. Uttam through their father & natural guardian Mohinder B. Uttam R/o S-285, Panchsilla Park, New Delhi,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, J.P. ESTATE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, NEW DELHI.

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/11-82/1184.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 169, Block 'W' situated at Greater Kailash-II, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conusideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 169, Block 'W' mg. 400 sq: yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

> NARINDAR SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-82]1163.—Wherers I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4th undivided share in property bearing situated at MCD 6, Block No. 'D' N.D.S.E.I., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaswant Lal s/o Sain Dass r/o.
 Or, No. 12, Block J/1, 1st floor, Sujan Singh Park,
 New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri M. S. Ahuja s/o Shri Sain Dass r/o 5/11, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property bearing MCD No. 6, Block No. 'D' mg, 50 sq. yds. situated at N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-J, Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I 'SR-III', 11-82 | 1193.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Ghitorni, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi in Nevember 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Bishan Lal Kanodia s/o Jyoti, Pershad Kanodia r/o B-368, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mehra Jewel Place Pvt. Ltd. G-25. N.D.S.F I. New Delhi, through Shri C. L. Mehra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 332, Vill. Ghitorni, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prabhat & Alok, both s/o late, Sh. Madan Moha, r/o at Nishkam Press Bldg Begam Bridge Road, Meerut & 105 Averest, J. L. Nehru Road, Bombay local address c/o M. K. Gupta 2, Babar Road, New Press Bldg. Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Ktishana Swarup w/o Shailendra r/o 127, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELI!I

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III|11-82|1460.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 127 Block No. 171 situated at Sunder Nagar,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1982,

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 127, Block No. 171, measuring 0.179 acres in the site earmarked in the New Capital of New Delhi which is now known as 127, Sunder Nagar N.D.

> NARINDAR SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. AC/Acq.I/SR III/11-82/1472.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Plot No. 77 Block 205-C situated at New No. 18 Todermal Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—186G1/83

 Smt. Balbir Kaur Malhan w/o late Sh. Gurdit Singh Malhan r/o S-62, panchsheel park, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Brij Enterprises Pvt. Ltd. E-2/6, Jhandewalan, New Delhi, through its director Sh. Nawal Kishore Agarawal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 77 Block 205-C, New No. 18, Todermal Road, New Delhi .

NARINDAR SING!

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delli

Date: 6-7-1983

FORM ITNS----

Shri Jiwan Kumar
 S/o Sh. Bal Krishan,
 R/o 10A, Pocket Behari Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sarwanand Shastri S/o Pt. Madhusudan r/o B-3/13, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/11-82/1471.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-3/13, situated at Safdarjung Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-3/13, measuring 300 Sq. yds. Safdarjung Enclave, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq I./SR. III/11-82/1180.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. E-58 situated at Greater Kuilash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kailash Chandra Maheshwari, r/o E-58, Greater Kailash-II, New Delhi now shifting to bombay at Jaysynth Dyechem Pvt. Ltd., E-16, Everest 6th Floor, Tardeo Road, Bombay-34.

(Transferor)

(2) Shri Shio Pratap Mishra, Mandir Street, 3840, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-58, measuring 250 sq. yds, Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR. III/11-82/1229.- -Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C (Ilnd Floor) E-85, G.K. II situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

 Shri Rakesh Jain S/o Sh. Chander Sen Jain, r/o c/c S. P. Aggarwal, E-482, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri. B. S. Khurana S/o Late Sh. Pritam Dass Khurana, r/o 3/1 Shivaji Nagar, Gurgaon, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C (Ilnd Floor) measuring 1611 sq. fts. part of property No. E-85, Greater Kailash-11, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisirion Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

3-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/11-82/1238.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, seing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. E-458, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

nerete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Ranjit Singh, Smt. Kulwant Kaur and S. Gurmit Singh, r/o 6-C Udham Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kumar Anand & Smt. Reena Anand, r/o 17A/26 WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-458, Greater Kailash-II, New Delhi. Mg. 250 sq. yds. i.e. 209 sq. meters.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-82/1236.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

H. No. C-116, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagdish Kaur W/o Kartar Singh R/o C-116, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Rima Ahuja D/o Raj Kumar Ahuja, R/o Ahuja Market, 159, Hamilton Road, Delhi-6, Minor through father Raj Kumar Ahuja.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- . (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hot. _ _ 116, Greater Kailash-I, New Delhi measuring 300 sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/11-82/1469.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Plot No. 8 situated at Street No. D/8, Vasant Vihar,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Rustom Khushro Shapoorjee Ghandhi S/o Mr. K. S. Ghandhi & Smt. Khorshed Rustom Ghandhi W/o Shri R. K. S. Ghandhi, Both R/o Dolphin Apartments, Pilot Bunder Road, Colaba, Bombay. (Transferor)

(2)Smt. Nirmal Saigal W/o Sunil Saigal For self and attorney of Smt. R. Nathurmal Hemmani W/o B N. H Hemnani, R/o 3/B, Court Lane, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 8, in Street No. D/8, Vasant Vihar New Delhi-57, measuring 400 sq. yards.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1983

Scal:

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Shanti Kohali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Shri D. P. Bora
 2. Shri Pankaj Bora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th July 1983

G. I. R. No. D-45/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1. B. Khasra 469 situated at Shekharpur, Chandganj Garden Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. B., Khasia No. 469, situated at Shekhapur, Chandganj Garden Road, I ucknow, measuring 18401 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9630, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

Ref. No. G. I. R. No. N-56/Acq.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing No. Khasra No. 141/9 situated at Jia Mau, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-(1) of section 269D of the 'said Act' to the following ramely:—

'83 (1) Shri Ganga

(Transferor)

(2) Noor Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through Mohd. Haneef Khan, Secretary.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, of all have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 141/9, measuring 11 Biswa (14971 sq. ft.) situated at Jiya Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9310, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-6-1983,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th July 1983

G.I.R. No. S.264/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house situated at Nekpur Mansooma, Civil Lines, Budaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saroj Pradhan,

(Transferor)

(2) Shri Someshwar Dayal Saxena.

(Transferce)

(3) Above vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated in Mohalla—Nekpur Mansooma, Civil Lines, Budaun, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6351, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Budaun.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 4-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th July 1983

Ref. No. G. I. R. No. H-115/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated at Mauza Gorakhpur Palla, Teh, Haldwani,

Distt. Nainital.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haldwani on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) 1. Shri Gopal Dutta. 2. Shri Puran Chandra.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhuwan Chandra 2. Shri Chandra Shekhar

(Transferee)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Mauza-Gorakhpur Palla, Tehsil-Haldwani, Dist. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2521/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Haldwani.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 4-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

G. I. R. No. N-54/Acq.—Whereas, L, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi situated at Mauza Jia Mau, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Premo

(Transferor)

- (2) Noor Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through Mohd. Hancef, Secretary. (Transferee)
- (3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 11 Biswas, situated at Mauza—Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9308 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow,

Date: 3-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

G. I. R. No. N-55/Acg.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Arazi situated at Mauza—Jia Mau, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been we which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devi Dayal

(Transferor)

- (2) Noor Sahkari Grih Nirman Samiti, Lucknow Through Mohd. Haneef Khan, Secretary. (Transferee)
- (3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 11 Biswa situated at Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9309, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

G. I. R. No. N-59/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jia Mau, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kandhai

- (Transferor)
- (2) Noor Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri Mohd. Haneef. (Transferce)
- (3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Biswas (14971 sq. ft.) situated at Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9313 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Lucknow.

Date: 3-6-1983.

(1) Smt. Kaushalya Rani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAV ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Dev Thareja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th July 1983

G. I. R. No. S-265/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land situated at Haldwani Malli, Distt. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 2-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3248 sq. ft. situated at Haldwani Malli, Distt. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2408/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Haldwani.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1983

(1) Shri Ram Kumar

(Transferor)

(2) Noor Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow. Through Mohd. Hancef Khan, Secretary

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

G. I. R. No N-57/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Arazi situated at Jia Mau, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Arazi measuring 11 Biswa situated at Jia Mau, Lucknow. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9311, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-6-1983

FORM ITNS----

(1) Shri Ram Charan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Noor Sahkarl Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow, Through Mohd. Haneef Khan, Secretary.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(3) Above Seller.

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 3rd June 1983

G. I. R. No. 58/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Land No. 141/10 situated at Jia Mau, Lucknow.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolievse that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land No. 141/10, measuring 11 Biswa (14971 sq ft.) situated at Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9312, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any inc moneys or other assets which have 1 which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax **Acquisition** Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date; 3-6-1983. Scal:

(1) Shri Menu Lal

(Transferee)

(2) Noor Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow. Through Mohd. Hancef Khan, Secretary

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1983

G. I. R. No. 60/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 141/I situated at Mauza Jia Mau, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 24-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-nble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Arazi measuring 11 Biswas, Khasra No. 141/1, situated at Mauza-Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9307, which have duly been registered in the office of the Sub- registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, mimely :-

Date: 3-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 20th June 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/13/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 10 Shri Jagdish Niwas Co-op. Housing Society Ltd. situated at Sion (East) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);) 1. Smt. Jambakalakshmi Narayanswami

2. Smt Nagaprabha.

(Transferor)

(2) Shri Bhadresh Jayantilal Sanghavi

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Shri Jagdish Niwas Co-op, Housing Society Ltd., Sion (East) Bombay-400 022. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, on 2-11-82, under Serial No. ACQN. RANGE-I/37EE/24/82-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-6-1983.